नई दिल्ली । मंगलवार , 31 मार्च, 2026
चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष :12, अंक :84 । मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ माओवाद पर विशेष- पृष्ठ 7 पर नक्सलवाद मुक्त भारत... @ विचार सियासत का सतरंगी सर्कस... @ व्यापार मध्य पूर्व में तनाव का असर! वित्त वर्ष ...

नक्सली हिंसा के दिन अब लद गए है: अमित शाह

‘गोली का जवाब गोली से मिलेगा’

‘ जब हम आजाद हुए, हमने कहा सत्यमेव जयते! इनका वाक्य क्या है- सत्ता बंदूक की नली से निकलती है। यह विकास के लिए नहीं, अपनी विचारधारा की विजय के लिए है। यह विचारधारा आदिवासियों में फैलाकर उन्हें बहकाने की है।

अमित शाह, गृह मंत्री

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त कराने के प्रयासों पर चर्चा के दौरान अपना संबोधन दिया। इस दौरान शाह ने कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग-लगभग समाप्त हो चुका है। बस्तर के अंदर हर गांव में स्कूल बनाने एवं राशन की दुकान खोलने की मुहिम चली। अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ‘मैं इतना ही पूछना चाहता हूं कि नक्सलवाद को जो लोग यहां पर वकालत कर रहे थे कि ये 70 से अब तक क्यों नहीं मिला। पूरे देश को 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश के हर गरीब को घर मिला, गैस मिला, शुद्ध पीने का पानी मिला, 5 लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा मिला, प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज मिला।

मोदी सरकार ने रेड कॉरिडोर को खत्म कर ग्रोथ कॉरिडोर बना दिया: शिंदे

लोकसभा में नक्सलवाद पर नियम 193 के तहत चर्चा की शुरुआत करते हुए शिवसेना सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष की सरकारों ने देश को रेड कॉरिडोर दिया, जबकि मोदी सरकार ने रेड कॉरिडोर को खत्म कर ग्रोथ कॉरिडोर दिया है।

उन्होंने याद दिलाया कि गृह मंत्री ने एक साल पहले सदन में 31 मार्च से पहले नक्सलवाद खत्म करने की बात कही थी और आज 30 मार्च 2026 को उसी डेडलाइन पर संसद में चर्चा हो रही है. शिंदे ने कहा कि दशकों तक देश को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ना पड़ा और 1967 में नक्सलबाड़ी से शुरू हुआ आंदोलन चार दशकों में 12 राज्यों के 200 जिलों तक फैल गया, जिसे अगर उस समय कांग्रेस शासित सरकार ने सही तरीके से रोका होता तो 1967 में ही खत्म किया जा सकता था. उन्होंने आरोप लगाया कि विकास की अनदेखी के कारण गरीब किसान और आदिवासी हथियार उठाने को मजबूर हुए, जबकि पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने पिछड़ों और गरीबों का भरोसा जीतकर उन्हें सशक्त किया और हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया बहस में कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका ने कहा कि उनका संसदीय क्षेत्र कोरापुट नक्सल प्रभावित रहा है और उन्होंने नक्सल हमलों में कई कार्यकर्ता खोए हैं।

शाह के वक्तव्य की खास बातें

बस्तर से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म: बस्तर से नक्सलवाद लगभग पूरी तरह खत्म हो चुका है। हर एक गांव में स्कूल खोलने के लिए अभियान चलाया गया। हर गांव में राशन की दुकान, हर तहसील और पंचायत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं। लोगों को आधार कार्ड और राशन कार्ड जारी किए गए हैं। उन्हें पांच किलोग्राम अनाज मिल रहा है।

नक्सलवाद की वकालत करने वालों से सवाल: जो नक्सलवाद की वकालत कर रहे थे, उनसे पूछना चाहता हूं कि आदिवासियों के पास अब तक विकास क्यों नहीं पहुंचा। बस्तर के लोग इसलिए पीछे रह गए, क्योंकि इस क्षेत्र पर ‘लाल आतंक’ का साया मंडरा रहा था। आज वह साया हट गया है और बस्तर अब विकास के पथ पर अग्रसर है।

60 साल तो कांग्रेस सरकार में रही: 70 में से 60 साल कांग्रेस की सरकार रही। आपने क्यों नहीं किया विकास। आज आप हिसाब मांग रहे हो। इंदिरा गांधी माओवादी विचारधारा की गिरफ्त में थीं। उनके कार्यकाल में नक्सलवाड़ी से शुरू हुआ आंदोलन 12 राज्यों, 17 प्रतिशत भू-भाग 10 प्रतिशत से ज्यादा आबादी में फैल गया।

मनमोहन ने कहा था- माओवादी देश की सबसे बड़ी समस्या : प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्वीकारा था कि जम्मू-कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट की तुलना में देश की आंतरिक सुरक्षा में सबसे बड़ी समस्या माओवादी है। 2014 में बदलाव हुआ। धारा 370 हटी, 35-ए हटा, राम मंदिर बना, सीएएं कानून आ गया है, विधायी मंडलों में महिलाओं को 33% आरक्षण मिल गया है।

नक्सलियों की तुलना भगत सिंह की, ये क्या हिमाकत है : कुछ लोगों ने भगत सिंह और भगवान बिरसा मुंडा से तुलना कर दी। ये क्या हिमाकत है। भगत सिंह और बिरसा मुंडा अंग्रेजों से लड़े और आप इनकी तुलना संविधान तोड़कर हथियार हाथ में लेकर निर्दोषों की हत्या करने वालों से कर रहे हैं। इनको अपनों का भी खून बहाने से परहेज नहीं है।

कुछ लोगों की मानवता सिर्फ हथियार उठाने वालों के लिए: मैं उन ‘अर्बन नक्सलियों’ से एक सवाल पूछना चाहता हूं, जो इन लोगों के समर्थन में सामने आए हैं। वे कहते हैं कि नक्सली न्याय के लिए लड़ रहे हैं, इसलिए उन्हें मारा नहीं जाना चाहिए। उनसे सहानुभूति रखनी चाहिए। ऐसा लगता है ।

संक्षिप्त खबर

राहुल का आरोप- केवल आरएसएस को ही विदेशी फंड मिलेगा

कोलकाता। देश के 5 राज्यों में अप्रैल में चुनाव हैं। सभी राज्यों में पार्टियों की जनसभा, रैली और प्रत्याशियों का जनसंपर्क जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज केरल दौरे पर हैं। उन्होंने कोट्टायम में कहा- विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम में संशोधन विधेयक लाया जाना है। जिससे गंभीर बात है, क्योंकि इसके तहत केवल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ही विदेशी फंड प्राप्त कर सकेगा, जबकि अन्य संगठनों पर रोक लगा दी जाएगी।उन्होंने कहा कि आरएसएस में ऐसी क्या खास बात है कि उनके लिए अलग नियम हैं ? वे नफरत फैलाते हैं और लोगों को बांटते हैं। भाजपा इसी तरह काम करती है। इससे पहले पतनमतिट्टा में राहुल ने कहा था। पेज नं -2

संघ नफरत फैलाता है, लोगों को बांटता है; ममता

डॉलर के मुकाबले रुपया पहली बार 95 के पार

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने भी वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोत्तरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए ने सोमवार को पहली बार 95 के स्तर को पार 95.2 का नया लो बनाया है।

हालांकि, दिन के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 94.83 के स्तर पर बंद हुआ, जो कि शुक्रवार के बंद 94.81 से 0.3 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है।

मध्य पूर्व में तनाव के कारण डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार कमजोरी देखी जा रही है और अकेले मार्च में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा ने 4.4 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकों के लिए ओवरनाइट नेट ओपन पॉजिशन लिमिट को घटाकर 100 मिलियन डॉलर करने के बाद, रुपया मजबूती के साथ खुला था, लेकिन सत्र के दौरान इसने अपनी बढ़त खो दी और शुरुआती स्तर से 160 पैसे गिर गया।

इसके अलावा, पिछले सप्ताह रुपए में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट आई, जो इसी स्तर की लगातार चौथी साप्ताहिक गिरावट थी, और यह डॉलर के मुकाबले 94.84 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद, केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि 10 अप्रैल तक, प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में, घरेलू बाजार में उनकी नेट ओपन रुपया पॉजिशन 100 मिलियन डॉलर से अधिक न हो।

अनुमानों के अनुसार, इन निवेशों का आकार 25 अरब डॉलर से लेकर 50 अरब डॉलर से अधिक तक है।

तेल की बढ़ती कीमतों के चलते रुपए के साथ भारतीय शेयर बाजार में भी गिरावट देखी जा रही है और मार्च 2026 में निफ्टी में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई है, जो कि मासिक आधार पर कोरोना काल के दौरान मार्च 2020 के बाद हुई सबसे बड़ी गिरावट है।

चालू वित्त वर्ष (2025-26) के आखिरी कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,635.67 अंक या 2.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,947.55 और निफ्टी 488.20 अंक या 2.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,331.40 पर था।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने भी वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों को बढ़ा दिया है।

खबर लिखे जाने तक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स की कीमत सोमवार को 2.11 प्रतिशत बढ़कर 115 डॉलर प्रति बैरल पर और डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स की कीमत 1.75 प्रतिशत बढ़कर 101.4 डॉलर प्रति बैरल पर थी

नीतीश कुमार ने विधान परिषद की सदस्यता से दिया इस्तीफा

एजेंसी ■ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के बाद सोमवार को विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

जदयू के नेता और बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले ही राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित हो चुके हैं, और यह संवैधानिक रूप से अनिवार्य था। मुख्यमंत्री भी आज विधान परिषद की सदस्यता का त्याग करेंगे। उन्हीं के इस्तीफा का पत्र लेकर एमएलसी संजय गांधी और हमलोग विधान परिषद आए हैं। सभापति आएंगे और आगे की प्रक्रिया शुरू होगी।

नीतीश कुमार के इस कदम के साथ ही बिहार में नेतृत्व परिवर्तन होने की संभावना है। हालांकि उनके मुख्यमंत्री पद छोड़ने को लेकर अब तक स्थिति साफ नहीं है। ? ?नीतीश कुमार 2006 से लगातार विधान परिषद के सदस्य हैं। नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो गए। इसके बाद विधान परिषद की सदस्यता से उनके इस्तीफे की चर्चा शुरू हो गयी थी।

नीतीश कुमार उन नेताओं में शामिल हैं जो चारों सदनों के सदस्य बने हैं। नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव लड़ने के दौरान कहा गया था कि उनकी इच्छा राज्यसभा की सदस्यता के रूप में निर्वाचित होने की थी , इस कारण उन्होंने यह निर्णय लिया। नीतीश कुमार 1985 में हरनौत विधानसभा सीट से विधानसभा पहुंचे थे। इसके बाद 1989 में वे नौवीं लोकसभा के सदस्य चुने गए। वे 2006 से लगातार विधान परिषद के सदस्य रहे हैं। अब पहली बार राज्यसभा सदस्य के रूप में वे अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि 10 अप्रैल को वे राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। नीतीश कुमार ने केंद्र में रेल मंत्री, कृषि मंत्री और जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे, जहां उन्होंने रेलवे में व्यापक सुधार किए। ?साल 2005 से बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की कमान संभाल रहे हैं। नीतीश कुमार ने ‘सुशासन बाबू’ के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री रहते कई ऐसी योजनाएं बनाई, जिनकी चर्चा पूरे देश में हुई। शराबबंदी, साइकिल योजना और पंचायती राज में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण जैसे फैसले नीतीश कुमार ने लिए।

यूपी पीसीएस पीसीएस के रिजल्ट जारी, नेहा पांचाल बनीं टॉपर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य/ प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2024 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया गया है। नतीजे फॉर्मेट में ऑनलाइन माध्यम से आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट *uppsc.up.nic.in* पर जारी किया गया है। फाइनल रिजल्ट के अनुसार 947 पदों के सापेक्ष कुल 932 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है। चयनित उम्मीदवारों को अब निर्धारित डेट में डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन के लिए उपस्थित होना होगा इसके बाद उनको रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी। ह्यफाइनल रिजल्ट में नेहा पांचाल ने राज्य में टॉप किया है। आपको बता दें कि कुल 932 चयनित अभ्यर्थियों में से 613 पुरुष अभ्यर्थियों एवं 319 महिला उम्मीदवारों का चयन हुआ है।

टॉप-10 में 6 महिला अभ्यर्थियों ने बनाई जगह

यूपीपीएससी पीसीएस 2024 फाइनल रिजल्ट में टॉप 10 में से 6 महिला उम्मीदवारों ने जगह हासिल की है। टॉप-10 अभ्यर्थियों के नाम निम्नलिखित हैं-

नेहा पांचाल, अनन्या त्रिवेदी, अभय प्रताप सिंह, अनामिका मिश्रा, नेहा सिंह, दीप्ति मिश्रा, पूजा तिवारी, अनुराग पांडेय, शुभम सिंह, आयुष पांडेय।

छत्तीसगढ़ में टोल प्लाजा रेट में 5 रूपए की बढ़ोतरी

एनुअल पास पर 75 रूपए ज्यादा लगेंगे, 1 अप्रैल से लागू होगी प्रणाली

संवाददाता ■ रायपुर

नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने छत्तीसगढ़ से अलग-अलग शहरों के लिए जाने वाले नेशनल हाईवे की टोल दरों में बढ़ोतरी की है। इसमें बिलासपुर से रायपुर, कोरबा, अंबिकापुर, रायगढ़ समेत सभी टोल प्लाजा में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

अब 1 अप्रैल से हर टोल प्लाजा से गुजरने पर 5 रुपए एक्स्ट्रा टैक्स देना होगा। इसी तरह एनुअल (वार्षिक) पासधारकों को 75 रुपए अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। राहत की बात है कि, स्थानीय पासधारकों को पुराने दर पर ही सफर करने की छूट है। फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के लिए टोल की नई दरें जारी कर दी हैं। बिलासपुर जिले के 4 प्रमुख टोल प्लाजा भोजपुरी, मुढ़ीपार, पाराघाट और बगदेवा से रोजाना गुजरने वाले करीब एक लाख से ज्यादा वाहनों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। विशेष रूप से बिलासपुर से रायपुर और पड़ोसी जिलों के बीच आने-जाने वाले लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

वाहन ड्राइवरों के लिए जल्द ही सफर महंगा हो सकता है।

5 से 20 रुपए टैक्स की बढ़ोतरी

नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में 5 से 10% शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। अलग-अलग टोल मैनेजमेंट और एनएचएआई से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, ये बढ़ोतरी 5 से लेकर 20 रुपए तक की है।

रिंग रोड पर प्राइवेट के अलावा हल्के कॉमर्शियल वाहनों के लिए बढ़ोतरी नहीं की गई है। यहां केवल भारी कॉमर्शियल गाड़ियों के लिए टोल रेटों में 5 से लेकर 20 रुपए तक बढ़ोतरी की गई है।

सालाना पास के लिए 3075 रुपए देने होंगे

नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने कार के लिए बनाए जाने वाले सालाना पास की कीमतों में 75 रुपए की बढ़ोतरी की। ये बढ़ोतरी भी 1 अप्रैल से लागू होगी। अभी सालाना पास 3 हजार रुपए में बनता है, जिसमें 200 टोल बूथ क्रॉस करने की लिमिट होती है। 1 अप्रैल से बनने वाले सालाना पास के लिए अब 3075 रुपए देने पड़ेंगे।

बिलासपुर से रायपुर, कोरबा, अंबिकापुर, रायगढ़ समेत सभी टोल प्लाजा में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

टोल टैक्स की दरें होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की जाती हैं। हर साल के अंत में इंडेक्स का मूल्यांकन कर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय नए रेट जारी करता है। टोल की राशि सड़क की लंबाई और उस पर बने इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे फ्लाईओवर, अंडरपास, टनल के आधार पर भी तय होती हैं। जहां ज्यादा सुविधाएं होती हैं, वहां टोल भी ज्यादा लगता है। पेज नं -2

बिहार में एक करोड़ गरीबों को मिलेगा पक्का घर, सत्यापन का कार्य पूरा: मंत्री श्रवण कुमार

पटना। बिहार में अब उन गरीब परिवारों का भी सपना पूरा होने वाला है, जो अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई जी) के तहत पक्के मकान से वंचित थे।

बिहार ग्रामीण विकास विभाग ने आवास प्लस 2.0 के तहत नए लाभार्थियों का सर्वे और सत्यापन का कार्य पूरा कर लिया है। अब सरकार जल्द ही प्राथमिक सूची तैयार कर लोगों को घर देने की प्रक्रिया शुरू करेगी। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की मानें तो हाल ही में राज्य में एक करोड़ चार लाख परिवारों का नाम प्रतीक्षा सूची में जोड़ने के साथ ही इनका सत्यापन कार्य पूरा किया जा चुका है। लाभुकों को प्राथमिकता सूची के आधार पर आवास का लाभ दिया जाना तय है।

वर्ष 2016-17 से 2021-22 के बीच 36 लाख 61 हजार गरीब परिवारों को पक्का मकान दिया गया था। बिहार ने पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है। वर्ष 2021-22 से 2025-26 के बीच दो लाख 88 हजार 743 परिवारों को पक्का घर दिया गया है। इस तरह से देखा जाए तो राज्य में वर्ष 2016-17 से अभी तक कुल 39 लाख 49 हजार 743 गरीब परिवारों को पक्के मकान का तोहफा दिया जा चुका है।

योजना के क्रियान्वयन में सरकार को 53 हजार 952 करोड़ रुपए खर्च करने पड़े हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत लाभुकों को अलग-अलग तीन किस्तों में एक लाख 54 हजार 950 रुपये की राशि दी जाती है। ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार का कहना है कि पीएम आवास योजना से गरीबों की जिंदगी तेजी से बदल रही है। पक्का घर मिलने से लोगों का जीवन ज्यादा सुरक्षित और सम्मानजनक हुआ है। ग्रामीण विकास विभाग ने गरीबों को जितना आवास बिहार में दिया है, उतना किसी राज्य में नहीं है।

उन्होंने बताया कि एक करोड़ चार लाख से भी अधिक नए लाभुकों का नाम प्रतीक्षा सूची से जोड़ा गया है। सर्वे और सत्यापन का काम पूरा हो चुका है।

सूची स्वीकृति के लिए भारत सरकार को भेजी गई है। सूची स्वीकृत होने के तुरंत बाद आवास देने का काम शुरू किया जाएगा।

आईपीएल टिकट विवाद सुलझा, विधायकों को मिलेंगे 3 टिकट: डीके शिवकुमार

बेंगलुरु । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों के लिए टिकट आवंटन का मुद्दा सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है, जिसमें विधायकों और सांसदों के लिए कोटा संशोधित किया गया है। उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह तय किया गया है कि इंडियन प्रीमियर लीग मैचों के लिए विधानसभा सदस्यों और सांसदों को पहले के चार टिकटों के बजाय तीन टिकट दिए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ दो कॉम्प्लिमेंट्री टिकट देगा, अतिरिक्त टिकट खरीदने होंगे। दो टिकट मुफ्त दिए जाएंगे, और अगर वे दो और टिकट चाहते हैं, तो उन्हें उन्हें खरीदना होगा।

इस मुद्दे के संबंध में डीके शिवकुमार की मुलाकात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, डीएनए नेटवर्क और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ प्रबंधन से हुई। चर्चा के दौरान कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'अगर कोई टिकट नहीं चाहता है, तो वे एक पत्र जमा कर सकते हैं। विधानसभा सदस्य कई मांगें करते हैं, और सभी को पूरा नहीं किया जा सकता है। यह मुद्दा अब सुलझ गया है।

शिवकुमार ने बताया कि राजस्थान, मुंबई, दिल्ली और कोलकाता जैसे राज्यों में, टिकटों का एक बड़ा हिस्सा 50 से 60 प्रतिशत से अधिक सरकारी अधिकारियों और संबंधित श्रेणियों को आवंटित किया जाता है।

बुनियादी ढांचे के संबंध में, उन्होंने कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में बैठने की क्षमता बढ़ाने के लिए चर्चा की गई थी। अधिकारियों से सरकार को एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

हजारीबाग 'निर्भया' मामले के विरोध में भाजपा ने 3 अप्रैल को झारखंड राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया

नई दिल्ली/रांची। भाजपा ने सोमवार को हजारीबाग जिले के बिष्णुगढ़ क्षेत्र में नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार पर तीखा हमला बोला।

दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू ने घोषणा की कि अगर इस मामले के दोषियों को अगले दो दिनों के भीतर गिरफ्तार नहीं किया गया, तो पार्टी 3 अप्रैल को राज्यव्यापी बंद का पालन करेगी। भाजपा इस मामले को 'हजारीबाग निर्भया घटना' बता रही है। बंद से एक दिन पहले उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन के तहत भाजपा कार्यकर्ता 2 अप्रैल को झारखंड के सभी जिलों और ब्लॉक मुख्यालयों में मशाल जुलूस निकालेंगे।

साहू ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है और दावा किया कि मौजूदा सरकार के अधीन अपराधियों द्वारा संचालित एक समानांतर व्यवस्था चल रही है।

बिष्णुगढ़ घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने इसे 'दुर्लभतम' अपराध बताया और मुख्यमंत्री पर घटना के कई दिनों बाद भी चुप्पी साधने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि इस अपराध की क्रूरता अपराध की पराकाष्ठा को दर्शाती है। इसके बावजूद, छह दिन बीत जाने के बाद भी मुख्यमंत्री ने एक शब्द भी नहीं कहा है। यह सरकार की असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है।

इससे पहले दिन में, भाजपा ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर घटना के विरोध में सोमवार को 'हजारीबाग बंद' का आह्वान किया। हजारीबाग शहर और बिष्णुगढ़ ब्लॉक मुख्यालय सहित कई इलाकों में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, बरही विधायक मनोज कुमार यादव और जिला भाजपा अध्यक्ष विवेकानंद सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने सड़कों पर मार्च किया, नारे लगाए और बाजारों को बंद करा दिया।

बिष्णुगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र, झुमरा मार्केट, और सात मील सहित कई इलाकों में दुकानें बंद रहीं। झुमरा मार्केट और आसपास के इलाकों में भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद रहे, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में साहू ने झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा मामले का स्वत: संज्ञान लेने का स्वागत किया और राज्य के वित्त मंत्री तथा कुछ कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए उन्हें असंवेदनशील बताया।

केंद्र ने छोटी बचत योजनाओं में अप्रैल-जून के लिए ब्याज दरों को स्थिर रखा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को छोटी बचत योजनाओं पर अप्रैल-जून अवधि के लिए ब्याज दरों को स्थिर रखने का ऐलान किया है। इस फैसले से पीपीएफ, एनएससी और केवीपी जैसे योजनाओं पर ब्याज दर आने वाली तिमाही में यथावत बनी रहेगी।

यह लगातार आठवीं तिमाही है, जब केंद्र सरकार ने छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को स्थिर रखा है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, 'वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (1 अप्रैल, 2026 से शुरू होकर 30 जून, 2026 को समाप्त) के लिए विभिन्न छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (1 जनवरी, 2026 से 31 मार्च, 2026) के लिए अधिसूचित दरों के समान ही रहेंगी।

अधिसूचना के अनुसार, सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलती रहेगी। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) पर ब्याज दर 7.1 प्रतिशत और किसान विकास पत्र (केवीपी) पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत रहेगी। वहीं, पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट पर ब्याज दर 4 प्रतिशत और तीन वर्ष के टर्म डिपॉजिट पर ब्याज दर 7.1 प्रतिशत पर बरकरार रहेगी।

अप्रैल-जून अवधि के लिए नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) पर ब्याज दर 7.7 प्रतिशत रहेगी। मंथली इनकम स्कीम पर निवेशकों को 7.4 प्रतिशत की ब्याज मिलेगी।

केंद्र सरकार छोटी बचत योजनाओं के लिए नई ब्याज दरें हर तिमाही के अंतिम कार्य दिवस पर जारी करती है।

कई छोटी बचत योजनाओं जैसे एसएसवाई, पीपीएफ और एनएससी में इनकम टैक्स की पुरानी टैक्स रिजीम की धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपए तक के निवेश पर टैक्स छूट मिलती है।

ज्यादातर छोटे बजट योजनाओं को पोस्ट ऑफिस और बैंकों की मदद से खरीदा जा सकता है। इन्हें एक रिस्क फ्री एसेट माना जाता है, क्योंकि इनमें भारत सरकार की गारंटी होती है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग बचत के लिए छोटी बचत योजनाओं का इस्तेमाल करते हैं।

आरबीआई ने एयरटेल पेमेंट्स बैंक पर लगाया 31.80 लाख रुपए का जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को एयरटेल पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (बैंक) पर वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण संबंधी निर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए 31.80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 47ए(1)(सी) और धारा 46(4)(आई) के प्रावधानों के तहत आरबीआई को प्राप्त शक्तियों के तहत लगाया गया है।

बैंक की वित्तीय स्थिति का 31 मार्च, 2025 तक का आकलन करते हुए आरबीआई द्वारा वैधानिक निरीक्षण और पर्यवेक्षी मूल्यांकन (आईएसई 2025) किया गया।

केंद्रीय बैंक ने कहा, 'आरबीआई ने एयरटेल पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (बैंक) पर वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण संबंधी निर्देशों के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के लिए 31.80 लाख रुपओ का जुर्माना लगाया है।

आरबीआई के निर्देशों का पालन न करने संबंधी पर्यवेक्षी निष्कर्षों और इस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर, बैंक को नोटिस जारी कर यह बताने को कहा गया है कि उक्त आरबीआई निर्देशों का पालन न करने के लिए उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। आरबीआई ने कहा, 'बैंक द्वारा नोटिस के जवाब, अतिरिक्त प्रस्तुतियां और व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से दी गई दलीलों पर विचार करने के बाद, आरबीआई ने पाया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के वार्षिक वित्तीय विवरणों में कुछ शिकायतों का खुलासा न करने के संबंध में बैंक के खिलाफ लगाया गया आरोप सही पाया गया।

तमिलनाडु चुनाव: चेन्नई में भीड़ के बेकाबू होने पर विजय ने रोका प्रचार, सुरक्षा में चूक का आरोप

चेन्नई । तमिलागा वेट्ट्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख विजय ने सोमवार को अपने चुनाव प्रचार के दौरान सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत दर्ज कराई। तमिलगा वेट्ट्रि कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने कहा कि चेन्नई के पेरंबूर विधानसभा क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं होने के कारण उन्हें अपना प्रचार बीच में ही रोकना पड़ा।

अपनी शिकायत में विजय ने कहा कि कम पुलिस व्यवस्था के चलते भीड़ नियंत्रण पूरी तरह विफल रहा, जिससे उनकी और आम लोगों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो गया। उन्होंने बताया कि सड़कों पर भारी भीड़ के कारण उनका काफिला पूरी तरह रुक गया और तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ना संभव नहीं हो सका।

विजय ने इसे गंभीर चूक बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी बात कही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की लापरवाही चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है।

बता दें कि विजय ने हाल ही में पेरंबूर सीट से नामांकन दाखिल किया है और आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। वह दो सीटों चेन्नई के पेरंबूर और तिरुचि ईस्ट से चुनाव लड़ रहे हैं।

नामांकन के बाद जब विजय ने पेरंबूर में प्रचार शुरू किया, तो उन्हें समर्थकों और आम जनता का जबरदस्त समर्थन मिला। हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर जुट गए। हालांकि, जैसे ही उनका काफिला कोलाथुर की ओर बढ़ा, भीड़ बेकाबू हो गई और सड़कों पर अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस की पर्याप्त मौजूदगी नहीं होने के कारण भीड़ को नियंत्रित नहीं किया जा सका, जिससे ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था फैल गई। सुरक्षा कारणों को देखते हुए विजय ने अपना प्रचार बीच में ही रोकने का फैसला लिया।

इस घटना के बाद चुनावी माहौल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं, खासकर तब जब बड़े नेता और उम्मीदवार प्रचार अभियान तेज कर रहे हैं।

शेष पेज - 01

राहुल का आरोप- केवल आरएसएस को ही विदेशी फंड मिलेगा...

कि नरेंद्र मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में हैं। ठीक इसी तरह, नरेंद्र मोदी आपके मुख्यमंत्री को भी अपने इशारों पर नचाते हैं।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बेल्दा में चुनावी सभा में कहा- भाजपा समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा भड़का रही है। चुनाव के बाद गैस और कैश देना बंद कर देगी। भाजपा देश लूटना चाहती है।

तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन और एक्टर विजय ने नॉमिनेशन फाइल किया।

तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन और एक्टर विजय ने नॉमिनेशन फाइल किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने असम में बीजेपी कार्यकर्ताओं से नमो एप के जरिए ऑनलाइन चर्चा की।

केरल में घर से वोटिंग शुरू प्रक्रिया शुरु हो गई है। जो लोग वोट डालने जाने में असमर्थ हैं, उनसे पोस्टल बैलेट के जरिए वोटिंग कराई जा रही है।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने सोमवार को चेन्नई के कोलाथुर सीट से नामांकन दाखिल किया। टीवीके चीफ विजय ने पेरम्बूर सीट से नामांकन दाखिल किया।

भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की। आरोप लगाया कि टीएमसी बंगाल में चुनाव हाईजैक कर रही है। ममता बनर्जी घर-घर जाकर वोटर्स को धमका रही हैं।

5 राज्यों के विधानसभा चुनाव से जुड़ी पल-पल की अपडेट्स के लिए नीचे ब्लॉग से गुजर जाएं...

छत्तीसगढ़ में टोल प्लाजा रेट में 5 रूपए की बढ़ोतरी...

सालाना रिवीजन के तहत बढ़ी कीमतें

सड़क परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, जब फास्टैग एनुअल पास की शुरुआत की गई थी, तभी इसके नोटिफिकेशन में हर साल कीमतों की समीक्षा और बदलाव का प्रावधान रखा गया था। यह बढ़ोतरी उसी सालाना रिवीजन प्रक्रिया का हिस्सा है। देश भर में हाईवे टोल की दरों में बदलाव के लिए जो फॉर्मूला तय है, उसी के आधार पर इस बार 2.5% की वृद्धि की गई है।

ज्ञान भारतम मिशन के तहत एशियाटिक सोसायटी द्वारा स्कैन की गई 2,033 पांडुलिपियां: गजेंद्र सिंह शेखावत

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को बताया गया कि एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, ने 23 मार्च तक कुल 2,033 पांडुलिपियों को स्कैन किया है। इन पांडुलिपियों में कुल 1,46,099 पेज शामिल हैं। यह काम तब किया गया जब इस संस्था को ज्ञान भारतम् मिशन के तहत पांडुलिपियों की स्कैनिंग के लिए क्लस्टर सेंटर बनाया गया।

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लिखित जवाब में बताया कि एशियाटिक सोसाइटी में सुरक्षा के लिए जरूरी इंतजाम किए गए हैं। यहां आग से बचाव के सिस्टम और आपदा से निपटने के नियम मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), पश्चिम बंगाल सरकार के फायर और इमरजेंसी विभाग और स्थानीय पुलिस से लगातार संपर्क बना रहता है। मंत्री ने बताया कि सोसाइटी अब तक 11,528 पांडुलिपियों को डिजिटाइज कर चुकी है, जिनमें कुल 5,72,890 पेज हैं।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय से मिलने वाली आर्थिक मदद से संस्था के मुख्य काम चलते हैं और जरूरत के अनुसार समय-समय पर इसकी समीक्षा की जाती है।

शेखावत ने बताया कि एशियाटिक सोसाइटी की ऐतिहासिक इमारत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधीन है और उसकी मरम्मत व संरक्षण का काम एएसआई द्वारा किया जाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि सोसाइटी के म्यूजियम में रखी पांडुलिपियों, दुर्लभ किताबों और वस्तुओं के लिए सही तापमान और नमी बनाए रखने की व्यवस्था है।

सोसाइटी समय-समय पर अपनी पांडुलिपियों और दुर्लभ वस्तुओं की स्थिति की जांच करती रहती है। यह काम कैटलॉग बनाने वाले कर्मचारी और अन्य अधिकारी क्यूरेटर की निगरानी में करते हैं।

पंडरी-नरैया में वुमन हॉस्टल, शंकर-नगर-डूमरतराई में बनेगा इलेक्ट्रॉनिक-मार्केट

रायपुर नगर निगम में 2130 करोड़ का बजट पेश

रायपुर। नगर निगम का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मेयर मीनल चौबे ने 2130 करोड़ 35 लाख 13 हजार रुपए का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि, पंडरी और नरैया तालाब में वर्किंग वुमन हॉस्टल बनाया जाएगा। नालंदा परिसर की तर्ज पर लाइब्रेरी और यूथ हॉस्टल बनाया जाएगा।

शंकर नगर और डूमरतराई में इलेक्ट्रॉनिक मार्केट बनेगा। इसके निर्माण के लिए निगम 100 करोड़ का म्युनिसिपल बांड जारी करेगा। नगर निगम मुख्यालय और पंडरी में ऑटोमैटिक पार्किंग बनेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए 140 लाख की लागत से 268 कैमरे लगाए गए हैं। मेयर मीनल चौबे ने 2130 करोड़ 35 लाख 13 हजार रुपए का बजट पेश किया। बजट के पहले कांग्रेस पार्षद दल ने

जताया विरोध। कांग्रेस पार्षदों ने 'वादा तेरा वादा' गाना गाया वहीं, बजट पेश करने से पहले कांग्रेस पार्षद दल ने विरोध जताया। सभी पार्षद हाथों में वादों के पोस्टर लेकर 'वादा तेरा वादा' गाना गाते हुए सदन में पहुंचे। इस पर सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने नाराजगी जताई। जमकर हंगामा भी हुआ।

उन्होंने कहा कि, तख्तियां वापस रखी जाएं, तभी कार्यवाही शुरू हो पाएगी। वहीं, विपक्ष ने कहा कि पहले अधूरी वादों पर चर्चा हो, तभी तख्तियां वापस रखी जाएंगी। इसके अलावा विपक्षी पार्षदों पर कारवाई को लेकर सभापति और एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा के बीच तीखी बहस भी हुई।

महापौर ने जनता को ठगने का काम किया- नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा कि, महापौर ने जनता को ठगने का काम किया है। टैक्स में छूट के वादे का कोई ज़िक्र नहीं है। पिछले बजट की घोषणाओं को अब तक पूरा नहीं किया गया।

ग्रामसभा की स्वीकृति बिना समझौते पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर । हाई कोर्ट ने रेत खदान लीज से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत प्रदान करते हुए विवादित लीज समझौतों के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है।

दरअसल याचिकाकर्ता जेपी एसोसिएट्स ने ग्राम पंचायत मलाकदोल द्वारा 11 अप्रैल 2025 और 24 नवंबर 2025 को किए गए नए लीज समझौतों को चुनौती दी थी।

एडवोकेट सिद्धार्थ पाण्डेय के माध्यम से पेश याचिका में बताया गया कि ये समझौता ग्रामसभा की स्वीकृति के बिना किए गए, जबकि पहले से ही 30 जून 2023 को याचिकाकर्ता के पक्ष में 5 वर्ष की वैध लीज मौजूद थी।

याचिकाकर्ता का आरोप है, नए लीज समझौते न केवल अवैध हैं, बल्कि पूर्व लीज को बिना किसी विधिक प्रक्रिया के निरस्त करने के समान हैं।

ग्रामसभा की अनुमति के बिना लीज देना अवैध

याचिका के अनुसार उन्हें रेत खनन कार्य से वंचित कर आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि, बिना ग्राम सभा की अनुमति के बिना खनन लीज देना कानून और संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध है।

नए लीज समझौतों पर रोक

याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने प्रथम दृष्ट्या याचिकाकर्ता के पक्ष में मामला बनता हुआ पाया और अंतरिम आदेश पारित करते हुए 11 अप्रैल 2025 एवं 24 नवंबर 2025 के लीज समझौतों के प्रभाव एवं क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया, अंतिम निर्णय याचिका के अंतिम निपटारे के बाद ही लिया जाएगा।

2 मंजिला फुटवियर शॉप में लगी आग, 4 दुकानें जलकर खाक

1 करोड़ रूपये से अधिक का नुकसान

दुर्ग । इंदिरा मार्केट की दो मंजिला फुटवियर शॉप में भीषण आग लग गई। वही आग की चपेट में आने से 4 और दुकानों में आग लग गई, जो कि फुटवियर की दुकाने थी । इस घटना में 1 करोड़ से अधिक का सामान जलकर राख हो गया। 5 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र की है। आग इतनी भीषण थी कि दूर से ही लपटें दिखाई दे रही थीं। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का मुख्य कारण माना जा रहा है। फिलहाल अग्निकांड में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, रविवार रात करीब 11 बजे इंदिरा मार्केट स्थित दो मंजिला रौबदार फुटवियर दुकान में आग लग गई।

कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और अंदर रखा माल धू-धूकर जलने लगा और पास के दो दुकानों को भी अपने चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने फौरन घटना की जानकारी पुलिस, दमकल टीम और दुकान मालिक को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम घटनास्थल पहुंची। स्थिति को देखते ही हुए भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं। टोटल 6 दमकल की गाड़ियों की मदद से दमकल कर्मियों ने करीब 3 बजे आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दुकानों में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो चुका था।

अंबिकापुर से दिल्ली व कोलकाता के लिए शुरू हुई सीधी फ्लाइट, सीएम ने किया उद्घाटन

अंबिकापुर । छत्तीसगढ़ में हवाई कनेक्टिविटी को लेकर एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट से दिल्ली और कोलकाता के लिए सीधी फ्लाइट सेवा की शुरुआत की। इस उद्घाटन को रायपुर से वर्चुअली किया गया, जबकि स्थानीय सांसद चिंतामणि ने दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट पर फ्लाइट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दरअसल, अंबिकापुर का दरिमा एयरपोर्ट कोई नया नहीं है। इसे सबसे पहले 1950 में बनाया गया था लेकिन समय के साथ इसे अपग्रेड किया गया। साल 2021 में इसे इस तरह विकसित किया गया

कि यहां 72 सीट वाले विमान आसानी से उड़ान भर सकें। अब नई फ्लाइट सेवाओं के तहत हफ्ते में दो बार दिल्ली और दो बार कोलकाता के लिए उड़ानें चलेंगी। खास बात ये है कि दोनों रूट में बिलासपुर में एक स्टॉप भी होगा।

अगर किराए की बात करें तो अंबिकापुर से दिल्ली की फ्लाइट का किराया करीब 6500 रुपए रखा गया है जबकि कोलकाता के लिए यह करीब 6000 रुपए होगा। कोलकाता की फ्लाइट 2 अप्रैल से शुरू होगी और गुरुवार व शनिवार को चलेंगी।

इस नई सुविधा से अंबिकापुर और पूरे सरगुजा संभाग के लोगों में काफी उत्साह है। यह इलाका मुख्य रूप से आदिवासी बहुल है और यहां लंबे समय से बेहतर कनेक्टिविटी की मांग की जा रही थी। अब लोगों का कहना है कि उन्हें लंबी यात्रा से राहत मिलेगी, समय बचेगा और थकान भी कम होगी। साथ ही व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

फ्लाइट के टाइम टेबल की बात करें तो सोमवार को दिल्ली से फ्लाइट सुबह 7:50 बजे रवाना होकर 10:25 बजे बिलासपुर पहुंचेगी और फिर 11:40 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। वापसी में यह फ्लाइट दोपहर 12:05 बजे अंबिकापुर से उड़ान भरकर करीब 2:35 बजे दिल्ली पहुंच जाएगी। बुधवार को भी इसी तरह का शेड्यूल रहेगा, बस रूट में थोड़ा बदलाव होगा। बुधवार को, उड़ान दिल्ली से सुबह 7:50 बजे रवाना होगी, अंबिकापुर सुबह 10:25 बजे पहुंचेगी, फिर सुबह 10:50 बजे बिलासपुर के लिए रवाना होगी और अंत में दोपहर 2:50 बजे दिल्ली वापस आ जाएगी।

सीएम ने तकनीक-आधारित, नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग पर दिया जोर

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को कहा कि आधुनिक पुलिसिंग में संवेदनशीलता और तकनीक का समन्वय जरूरी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जनता का विश्वास हासिल करना कानून-व्यवस्था बनाए रखने जितना ही महत्वपूर्ण है।

साय ने यह बात रायपुर जिले के चंदखुरी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी में 859 उपनिरीक्षक संवर्ग के प्रशिक्षुओं की पासिंग-आउट परेड को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने अपनी सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य में पुलिसिंग तीन प्रमुख स्तंभों — सुरक्षा, विकास और विश्वास — पर आधारित है और इन तीनों को मजबूत करने में पुलिस की केंद्रीय भूमिका है।

उन्होंने कहा कि पुलिसिंग केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए और

अधिकारियों से समाज के साथ मजबूत जुड़ाव बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'किसी क्षेत्र को डर के जरिए नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन दिल केवल विश्वास से जीते जा सकते हैं।

पुलिस सेवा को प्रतिष्ठित और अत्यंत जिम्मेदार बताते हुए साय ने कहा कि ईमानदारी इसकी बुनियाद है।

उन्होंने प्रशिक्षुओं को याद दिलाया कि असुरक्षा के समय नागरिक सबसे पहले पुलिस की ओर रुख करते हैं। 'वर्दी केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि जन सुरक्षा और सम्मान के प्रति प्रतिबद्धता है,' उन्होंने कहा।

इस बैच में कुल 859 प्रशिक्षु शामिल थे, जिनमें 54 सूबेदार, 528 उपनिरीक्षक (जनरल ड्यूटी), दो उपनिरीक्षक (कंप्यूटर), एक उपनिरीक्षक (रेडियो), एक उपनिरीक्षक (फिंगरप्रिंट), 68 उपनिरीक्षक (विशेष शाखा) और 205 प्लाटून कमांडर शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विजन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में स्मार्ट, तकनीक-आधारित और संवेदनशील पुलिसिंग प्रणाली विकसित करने के प्रयास जारी हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य की पुलिसिंग में डिजिटल उपकरणों और उन्नत तकनीकों का उपयोग बढ़ेगा, लेकिन जनता का विश्वास केवल आचरण, ईमानदारी और समर्पण से ही जीता जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने राज्य की पुलिसिंग व्यवस्था में किए गए सुधारों का भी उल्लेख किया, जिनमें तेज और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, आधुनिक उपकरणों का उपयोग और साइबर अपराध से निपटने के लिए विशेष इकाइयों का गठन शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्रणाली को अधिक व्यावहारिक और समकालीन बनाया गया है।

राजस्थानी समाज ने विश्व अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाया : गिरीश पंकज

रायपुर। स्थानीय वृंदावन हॉल में राजस्थान दिवस समारोह उल्हासपूर्वक संपन्न हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए संयोजक कैलाश रारा ने कहा कि राजस्थानी समाज ने देश एवं दुनियां की अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्य वक्ता गिरीश पंकज ने कहा कि राजस्थान के कण कण में महाराणा प्रताप का शौर्य, मीरां की भक्ति एवं भामाशाह के दान की गाथाएं गूंजती है। जनमन के संपादक डॉ. अनिल द्विवेदी ने राजस्थानी वीरांगनाओं की शौर्य गाथा का विस्तार पूर्वक वर्णन किया। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य उद्योग विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों को छत्तीसगढ़ में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि निशक्तजन वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने राजस्थानी संस्कृति के सर्वांगीण विकास पर बल दिया। जितो अध्यक्ष तिलोक बरड़िया ने समाज में राजनैतिक चेतना के विकास पर बल दिया। उद्योगपति ललित पटवा ने राजस्थानी समाज को अपने सेवा कार्यों को नए युग की नई चुनौतियों के अनुरूप प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। समाजसेवी उषा गंगवाल ने मातृभाषा के संस्कारों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया। ज्योतिर्विद डॉ. अजीत शास्त्री ने सामाजिक संगठन की आवश्यकता को प्रमुखता से लेने का सुझाव दिया। जैन श्वेतांबर खरतरगछ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश सुराणा ने कहा कि जब तक हम अपनी जड़ों से जुड़े रहेंगे तब तक हमारा सांस्कृतिक वैभव कायम रहेगा। प्रवक्ता राजकुमार राठी ने प्रदेश में राजस्थान भवन के शीघ्र निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। सभा को मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुरषोत्तम सिंघानिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में कवि राजेश जैन 'राही' एवं पूजा अग्रवाल की सुमधुर कविताओं ने समां बांध दिया। इस अवसर पर समाज में विभिन्न सेवा कार्यों के लिए 30 लोगों को सम्मानित किया गया। मंच का सफल संचालन ममता जैन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लाहोटी मित्र मंडल के साथ लक्ष्मी नारायण लाहोटी, शुभांगी आप्टे, प्रजापति समाज की महिला महासभा अध्यक्ष शीला प्रजापति, वनबंधु परिषद की अनीता खंडेलवाल, चरामेती फाउंडेशन के राजेंद्र ओझा, जैन जितेंद्र गोलछा, भरत जैन, लोकेश चंद्रकांत जैन, राजीव जैन, अमर बंसल, पारस पापड़ीवाल, प्रदीप गंगवाल, अरविंद जैन, राजेन्द्र उमाठे, अजय जैन, अरिहंत जैन, श्रीमति रानी जैन, वीर जैन, पवन रारा, महेंद्र सेठी, राजेंद्र स्वस्तिक, कविता शर्मा, अशोक वैश्य एवं ऋषि गुप्ता की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

5 अप्रैल से 14 ट्रेनें रहेंगी रद्द

रायपुर। अगर आप अप्रैल के महीने में कहीं बाहर जाने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 14 महत्वपूर्ण ट्रेनों पर रेलवे ने कैंची चला दी है। दरअसल, नागपुर मंडल के गोंदिया स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर-3 और ट्रैक सुधार का काम होना है, जिसके चलते 5 अप्रैल से 24 अप्रैल के बीच अलग-अलग तारीखों में ये ट्रेनें पटरी से गायब रहेंगी।

20 दिनों तक थमी रहेगी रफ्तार, मुख्य लाइन रहेगी बंद

सूत्रों के मुताबिक, गोंदिया जंक्शन की अप मेन लाइन नंबर-5 को करीब 20 दिनों के लिए पूरी तरह बंद रखा जाएगा। रेलवे प्रशासन ने साफ किया है कि मरम्मत कार्य के दौरान इस रूट पर ट्रेनों का संचालन संभव नहीं है। इस फैसले से रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग के यात्रियों के साथ-साथ दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जाने वाले मुसाफिरों का गणित भी बिगड़ गया है।

इन राज्यों के यात्रियों पर गिरेगी गाज

बता दें कि रद्द की गई ये ट्रेनें छत्तीसगढ़ को महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों से जोड़ती हैं। ऐसे में गर्मी की छुट्टियों में घर जाने वाले या घूमने की प्लानिंग करने वाले परिवारों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है।

जलवायु परिवर्तन के समाधान में जनजातीय ज्ञान प्रणालियाँ अहमः राम विचार नेताम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जनजातीय कार्य मंत्री राम विचार नेताम ने जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में जनजातीय ज्ञान प्रणालियों को बेहद प्रभावी बताया है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय सतत विकास के सक्रिय भागीदार हैं और उनके पारंपरिक ज्ञान तथा प्रकृति-आधारित जीवन शैली को नीति निर्माण में उचित स्थान दिया जाना चाहिए। सोमवार को जानकारी दी गयी कि नेताम हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन का विषय 'लॉ, राइट्स एंड इंडिजिनस फ्यूचर्स: रीथिंकिंग ट्राइबल जस्टिस इन अ ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड' था। अपने मुख्य भाषण में उन्होंने न्याय, समानता और गरिमा के संवैधानिक मूल्यों पर आधारित समावेशी नीतियों को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। कार्यक्रम की शुरुआत में हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. वी. सी. विवेकानंदन ने अपने विचार रखे। उन्होंने समकालीन विधिक विमर्श में जनजातीय न्याय की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा कि प्रकृति पर नियंत्रण आधारित विकास मॉडल के कारण प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाने वाली जनजातीय प्रणालियां धीरे-धीरे खत्म हो रही हैं।

बारनवापारा में काले हिरणों का पुनर्स्थापनः 34 हिरण प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़े गए

रायपुर। बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में काले हिरणों को उनके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रूप से छोड़ने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की गई है, सोमवार को यह जानकारी दी गयी।

वैज्ञानिक पद्धति का पालन करते हुए दो चरणों में कुल 34 काले हिरणों को ब्लैकबक कंजर्वेशन सेंटर से मुक्त किया गया है। वन विभाग ने इस वर्ष के लिए कुल 60 काले हिरणों के पुनर्स्थापन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

स्थानांतरण की यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से निष्पादित की गई ताकि हिरणों को किसी भी प्रकार का व्यवधान न हो। छोड़े गए ये हिरण अब रामपुर ग्रासलैंड में पहले से मौजूद काले हिरणों के समूह के साथ मिल गए हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार इन नए समूहों के आगमन से क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ की धरती से एक समय विलुप्त हो चुके इन जीवों को वापस उनके प्राकृतिक परिवेश में पुनर्स्थापित करने के लिए विभाग

द्वारा भविष्य में इनकी निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

इस महत्वपूर्ण संरक्षण अभियान का संचालन प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण पांडे के मार्गदर्शन और मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी सतोविशा समझदार के नेतृत्व में किया जा रहा है। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के सक्रिय प्रयासों से इस परियोजना को गति मिली है।

पाकिस्तान में बारिश का कहरः छत गिरने से 17 की मौत, 56 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भारी बारिश के चलते हुए हादसों में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 56 अन्य घायल हो गए हैं। मृतकों में 14 बच्चे शामिल हैं। यह जानकारी प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) की रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, 25 मार्च से जारी बारिश के कारण कई इलाकों में घरों की छत और दीवारें गिरने की घटनाएं हुईं। सबसे ज्यादा नुकसान बन्नू जिले में हुआ, जहां 8 लोगों की मौत हुई, जिनमें 7 बच्चे और एक महिला शामिल हैं, जबकि 42 लोग घायल हुए हैं।

एबटाबाद में 5 लोगों (4 बच्चे) की जान गई, जबकि कोहाट में 2, नॉर्थ वजीरिस्तान में 1 और बट्टाग्राम में एक महिला की मौत हुई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बारिश के चलते कुल 11 मकान क्षतिग्रस्त हुए, जिनमें 5 बन्नू में हैं। बन्नू के दाद कचलोट इलाके में एक मकान की छत गिरने से तीन बच्चों- 9 वर्षीय आसिफ, 6 वर्षीय उमराह और 3 वर्षीय जावेरिया की मौत हो गई।

कोटका गुलाम कादिर में एक सामुदायिक केंद्र के बरामदे की छत गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई और 39 अन्य घायल हो गए। मामा खेइल में दीवार गिरने से 2 बच्चों की जान गई, जबकि शामदी खेइल में एक कमरे की छत गिरने से एक महिला की मौत हुई। कोहाट के गुंबट क्षेत्र में भी भारी बारिश के दौरान कमरे की छत गिरने से 2 बच्चों की मौत हो गई। वहीं एबटाबाद के हवेलियन तहसील के खेतर हाजिया गली में छत गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। पीडीएमए के अधिकारी हालात पर नजर बनाए हुए हैं और प्रभावित जिलों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है। स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि पीड़ितों तक जल्द से जल्द राहत सामग्री पहुंचाई जाए।

भारत की औद्योगिक वृद्धि दर फरवरी में 5.2 प्रतिशत रही

नई दिल्ली। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित भारत की औद्योगिक वृद्धि इस वर्ष फरवरी में बढ़कर 5.2 प्रतिशत हो गई है, जो जनवरी में 4.8 प्रतिशत थी। इसकी वजह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में तेज वृद्धि होना था। यह जानकारी सोमवार को सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा दी गई।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी आईआईपी में तीन-चौथाई है और इसमें फरवरी में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उच्च वृद्धि एक अच्छा संकेत है क्योंकि यह क्षेत्र देश के इंजीनियरिंग संस्थानों और विश्वविद्यालयों से स्नातक करने वाले युवा स्नातकों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में के 23 उद्योग समूहों में से 14 ने फरवरी 2026 में फरवरी 2025 की तुलना में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

शीर्ष तीन सकारात्मक योगदानकर्ता हैं बुनियादी धातुओं का निर्माण (जिसमें इस्पात उत्पाद शामिल हैं), मोटर वाहन और मशीनरी एवं उपकरण (जिसमें ट्रैक्टर शामिल हैं)। इन तीनों क्षेत्रों में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।

खनन क्षेत्र में फरवरी में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि बिजली उत्पादन में इस महीने के दौरान 2.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के आंकड़ों से पता चलता है कि कारखानों में उपयोग होने वाली मशीनों सहित पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में इस वर्ष फरवरी में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह सेगमेंट अर्थव्यवस्था में हो रहे वास्तविक निवेश को दर्शाता है, जिसका आगे चलकर रोजगार सृजन और आय में वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

फरवरी के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामान, रेफ्रिजरेटर और टीवी जैसी उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में भी 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो बढ़ती आय के बीच इन वस्तुओं की बढ़ती उपभोक्ता मांग को दर्शाती है।

सरकार द्वारा राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे परियोजनाओं में किए गए बड़े निवेशों के कारण अवसंरचना और निर्माण सामग्री क्षेत्र में भी इस माह 11.5 प्रतिशत की मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। इन परियोजनाओं से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होता है और समग्र आर्थिक विकास दर में वृद्धि होती है।

आंध्र प्रदेश : 25 लाख रुपए के इनामी माओवादी ने आठ साथियों के साथ किया सरेंडर

अमरावती। आंध्र प्रदेश में सीपीआई-माओवादी के वरिष्ठ नेता चेल्लूरी नारायण राव उर्फ सुरेश ने सोमवार को आठ अन्य साथियों के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस महानिदेशक हरीश कुमार गुप्ता ने इन सभी को मीडिया के सामने पेश किया। श्रीकाकुलम जिले के रहने वाले नारायण राव करीब 36 साल से माओवादी गतिविधियों में सक्रिय था और उस पर 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

नारायण राव 1990 में माओवादी आंदोलन में शामिल हुआ था। वह कई बड़े मामलों में शामिल रहा, इनमें 2018 में विशाखापत्तनम में विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमेश्वर राव की हत्या, साथ ही तीन पुलिसकर्मियों की हत्या शामिल है।

पुलिस के अनुसार, उनके आत्मसमर्पण के पीछे कई कारण हैं जैसे संगठन के कई नेताओं की मौत या गिरफ्तारी, पुरानी हो चुकी विचारधारा से निराशा, स्थानीय लोगों का कम समर्थन, भर्ती में कमी और सरकार की अच्छी आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति। इसके अलावा, आदिवासी इलाकों में विकास कार्यों और पुलिस के संपर्क अभियान से भी लोग माओवादियों से दूर हो रहे हैं।

नारायण राव के साथ आत्मसमर्पण करने वालों में करतम लच्छू, पोडियम राजे (रामे), करतम अदामे (नांगी), मुचाकी मासा (अजीत), मादवी जोगी (रुकनी), मुचाकी लक्ष्मण (लाकमा), मादवी अदाम और कदिथी हुर्रे (उर्रा) शामिल हैं।

सरकार की नीति के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वालों को इनाम की राशि दी जाएगी। नारायण राव को 25 लाख रुपए मिलेंगे, जबकि अन्य लोगों को 1 लाख से 5 लाख रुपए तक दिए जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान जमीन से 19 हथियार बरामद किए गए। इनमें एक इंसास राइफल, 2 बीजीएल, पांच .303 राइफलें, 5 एसबीबीएल बंदूकें और 6 अन्य हथियार शामिल हैं।

पुलिस महानिदेशक हरीश कुमार गुप्ता ने कहा कि पिछले एक साल में राज्य पुलिस को वामपंथी उग्रवादियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है।

तेलंगाना में ई-व्हीकल को बढ़ावा, परिवहन मंत्री इलेक्ट्रिक कार से पहुंचे विधानसभा

हैदराबाद । तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर सोमवार को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत राज्य विधानसभा में इलेक्ट्रिक कार से पहुंचे।

विधायक दानम नागेंद्र के साथ मंत्री ने मंत्रियों के आवास से विधानसभा तक इलेक्ट्रिक कार से यात्रा की। प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदूषण कम करने और पर्यावरण की रक्षा के लिए इलेक्ट्रिक वाहन नीति शुरू की है। इस नीति के तहत, सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन टैक्स से 100 प्रतिशत छूट की घोषणा की है। मंत्री के मुताबिक, सरकार ने अब तक लगभग 1,000 करोड़ रुपए की छूट प्रदान की है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार चार्जिंग स्टेशन और बुनियादी ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता सरकारी कर्मचारियों को इलेक्ट्रिक वाहनों पर 10-20 प्रतिशत की छूट दे रहे हैं। उन्होंने इस पहल में शामिल विभिन्न इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों को धन्यवाद दिया।

राज्य सरकार की ओर से परिवहन मंत्री ने सभी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों से अपील की कि वे इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन राशि देने के लिए आगे आएं।

जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों के पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए, राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह एक पहल की घोषणा की, जिसके तहत सरकारी कर्मचारियों को ईवी पर 20 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी।

मंत्री ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए इलेक्ट्रिक दोपहिया और चारपहिया वाहनों पर 20 प्रतिशत तक की छूट सुनिश्चित की। यह प्रमुख ईवी निर्माताओं के साथ कई दौर की बातचीत के बाद किया गया। इस कदम से तेलंगाना भर में लगभग 5 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रति कर्मचारी 4 लाख रुपए तक की बचत हो सकती है। राज्य सरकार ने 2024 में अपनी सार्वजनिक ईवी नीति के तहत दोपहिया, चार पहिया वाहन, टैक्सी, ऑटो रिक्शा, मालवाहक वाहन, ट्रैक्टर और बसों सहित इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन टैक्स से 100 प्रतिशत छूट की घोषणा की।

रनों के आधार पर आईपीएल इतिहास की 5 सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 19वां सीजन खेला जा रहा है। इस दौरान 13 बार 100 या उससे अधिक रनों के अंतर से मुकाबले जीते गए हैं। आइए, आईपीएल इतिहास में रनों के अंतर से 5 सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली टीमों के बारे में जानते हैं, जिनमें 3 बार आरसीबी का नाम शामिल है। मुंबई इंडियंस (146 रन): इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में रनों के आधार पर सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस (एमआई) के नाम पर है। इस टीम ने 6 मई 2017 को खेले गए मुकाबले में 3 विकेट खोकर 212 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली डेयरडेविल्स की टीम 13.4 ओवरों में महज 66 रन पर सिमट गई।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (144 रन): 14 मई 2016 को खेले गए इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट खोकर 248 रन बनाए। इसके जवाब में गुजरात लॉयन्स की टीम 18.4 ओवरों में महज 104 रन पर ढेर हो गई थी।

कोलकाता नाइट राइडर्स (140 रन): यह मैच 18 अप्रैल 2008 को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और आरसीबी के बीच खेला गया था, जिसमें पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने 3 विकेट खोकर 222 रन बनाए। इसके जवाब में आरसीबी की टीम 15.1 ओवरों में सिर्फ 82 रन पर सिमट गई।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (138 रन): 6 मई 2015 को खेले गए इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट खोकर 226 रन बनाए।

अहिंसा का शाश्वत संदेशः क्यों आज भी प्रासंगिक हैं भगवान महावीर?

हिंसा से व्याकुल दुनिया को महावीर का मार्गदर्शन

'अहिंसा परमो धर्म:' का उद्घोष करने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन केवल एक धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है बल्कि यह सम्पूर्ण मानवता के लिए शाश्वत मार्गदर्शक सिद्धांतों का स्रोत है। आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक उपलब्धियों के शिखर पर अवश्य पहुंच गया है लेकिन इसके साथ ही मानवता नैतिक, मानसिक और पर्यावरणीय संकटों से भी जूझ रही है। ऐसे समय में भगवान महावीर के उपदेश और अमृतवाणी पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठती है। आधुनिक जीवन की आपाधापी में मनुष्य अपने स्वार्थ, लोभ और अहंकार के वशीभूत होकर ऐसे निर्णय लेने लगा है, जो न केवल उसके अपने जीवन को प्रभावित करते हैं बल्कि समाज और प्रकृति के संतुलन को भी बिगाड़ देते हैं। हिंसा आज केवल शारीरिक रूप तक सीमित नहीं रही बल्कि विचारों, शब्दों और व्यवहार में भी व्याप्त हो चुकी है। प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में व्यक्ति संवेदनहीन होता जा रहा है। ऐसे परिदृश्य में महावीर स्वामी का अहिंसा दर्शन मानवता को करुणा, सहिष्णुता और आत्मसंयम की ओर लौटने का आह्वान करता है।

भगवान महावीर का दर्शन इस मूल विचार पर आधारित है कि संसार का प्रत्येक जीव समान है और सभी में आत्मा का वास है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि किसी भी जीव को पीड़ा देना स्वयं अपने अस्तित्व को आहत करना है। आज जब पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के विनाश जैसी समस्याएं हमारे सामने खड़ी हैं, तब महावीर का यह सिद्धांत अत्यंत सार्थक प्रतीत होता है कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि भी चेतन तत्व हैं और उनके प्रति भी संवेदनशीलता आवश्यक है। महावीर स्वामी ने केवल उपदेश ही नहीं दिए बल्कि अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि संयम, तप और आत्मानुशासन के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर की अशुद्धियों को दूर कर सकता है। उन्होंने कर्म के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्मों के लिए स्वयं उत्तरदायी है। कर्म ही जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं और उसी के अनुसार जीव विभिन्न योनियों में भ्रमण करता है। यह विचार आज के समय में व्यक्ति को अपने आचरण के प्रति सजग और जिम्मेदार बनने की प्रेरणा देता है।

उनकी अमृतवाणी में जीवन के हर पहलू के लिए मार्गदर्शन निहित है। वे कहते हैं कि संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, इसलिए 'जीओ और जीने दो' का सिद्धांत अपनाना चाहिए। यह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि सामाजिक सद्भाव और शांति का आधार है। यदि समाज में हर व्यक्ति इस सिद्धांत को आत्मसात कर ले तो हिंसा, द्वेष और संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। महावीर स्वामी ने यह भी कहा कि अहिंसा से बड़ा कोई व्रत नहीं है। आज जब युद्ध, आतंकवाद और सामाजिक हिंसा विश्व के विभिन्न हिस्सों में व्याप्त हैं, तब यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति स्वयं हिंसा करता है, दूसरों से करवाता है या हिंसा का समर्थन करता है, वह अपने लिए शत्रुता और दु:ख का बीज बोता है। यह विचार आधुनिक समाज में नैतिक जिम्मेदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करता है।

उनका धर्म केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं था बल्कि आंतरिक शुद्धता पर आधारित था। उन्होंने कहा कि धर्म का स्थान आत्मा की पवित्रता में है, बाहरी आडंबर उसमें सहायक तो हो सकते हैं परंतु अनिवार्य नहीं। यह विचार आज के समय में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जब धर्म का स्वरूप कई बार बाहरी प्रदर्शन तक सीमित हो जाता है। महावीर का संदेश हमें सच्चे धर्म की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, जहां आत्मा की शुद्धता और आचरण की पवित्रता ही सर्वोपरि है। महावीर स्वामी ने मानव मन के चार प्रमुख दोषों (क्रोध, मान, माया और लोभ) को जीवन के पतन का कारण बताया। उन्होंने कहा कि क्रोध प्रेम को नष्ट करता है, अहंकार ज्ञान को, छल मित्रता को और लोभ सभी गुणों को समाप्त कर देता है। आज के तनावपूर्ण जीवन में यह शिक्षाएं अत्यंत उपयोगी हैं। यदि व्यक्ति इन दोषों पर नियंत्रण कर ले तो उसका जीवन संतुलित और सुखमय बन सकता है।

उनकी वाणी में सामाजिक समानता का भी स्पष्ट संदेश मिलता है।

एफसी अंडर-20 विमेंस एशियन कप के लिए भारत की 23-सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली। एएफसी अंडर-20 विमेंस एशियन कप के लिए भारत की 23 सदस्यीय टीम घोषित हो गई है। थाईलैंड में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय अंडर-20 महिला टीम के हेड कोच जोआकिम अलेक्जेंडर्सन ने सोमवार को टीम का ऐलान किया है।

भारत ने 20 साल बाद इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। भारतीय टीम 2 अप्रैल को थम्मासैट स्टेडियम में जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद 5 अप्रैल को पथुम थानी स्टेडियम में उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

8 अप्रैल को भारत के सामने चीनी ताइपे की टीम होगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें, और सभी ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेंगी। क्वार्टर-फाइनल के विजेता फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगे।

'यंग टाइग्रेस' 20 मार्च को बैंकॉक पहुंचीं और उन्हें वहां के स्थानीय माहौल में ढलने के लिए 13 दिन मिले। यात्रा करने वाले ग्रुप में 24 खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें से डिफेंडर अल्का इंदवार को अब रिलीज कर दिया गया है, क्योंकि अलेक्जेंडर्सन ने फाइनल टूर्नामेंट के लिए अपनी 23 खिलाड़ियों की टीम को अंतिम रूप दे दिया है।

आईडब्ल्यूएल के पहले चरण के समापन के बाद, भारत ने जनवरी में बेंगलुरु में अपना मौजूदा ट्रेनिंग कैंप शुरू किया था। इसके बाद, उन्होंने स्वीडन में एक महीने का कैंप लगाया। इस दौरान स्वीडिश क्लब टीमों की सीनियर टीमों के खिलाफ पांच दोस्ताना मैच खेले। स्कैंडिनेविया से लौटने के बाद, यंग टाइग्रेस ने बैंकॉक, थाईलैंड जाने से पहले कोलकाता में अपनी ट्रेनिंग फिर से शुरू की।

एएफसी अंडर-20 विमेंस एशियन कप थाईलैंड 2026 के लिए भारत की 23-सदस्यीय टीम:

गोलकीपर: मोनालिशा देवी मोइरंगथेम, नंदिनी, रिबांसी जमु।

विदेश मंत्रालय ने उर्वरक इकाइयों के बंद होने और खाद्य संकट की खबरों को बताया फर्जी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें देश में एलएनजी (एलएनजी) की कमी के कारण उर्वरक उत्पादन इकाइयों के बंद होने और आगामी सीजन में खाद्यान्न संकट की आशंका जताई जा रही थी। मंत्रालय ने इन दावों को पूरी तरह 'फर्जी' और निराधार बताया है।

विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कहा, 'ऐसे झूठे और भ्रामक दावों तथा पोस्ट से सावधान रहें।' मंत्रालय ने उन फर्जी पोस्ट की तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें दावा किया गया था कि 'अगले गेहूं फसल सीजन (मार्च) तक भारी खाद्य संकट होगा' और 'भारत में अमोनिया व यूरिया संयंत्रों के बंद होने का नक्शा' दिखाया गया था।

वायरल नक्शे में 'एलएजी आपूर्ति बाधित होने से दक्षिण एशिया में उर्वरक संयंत्र बंद' होने का दावा करते हुए कई स्थानों को चिन्हित किया गया था। हालांकि, मंत्रालय ने इसे सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि ऐसी कोई स्थिति नहीं है।

इससे पहले भी विदेश मंत्रालय ने खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव के बीच भारतीयों की निकासी को लेकर फैल रही अफवाहों का खंडन किया था।

संपादकीय

चिंतन

जिन्दा रखें 'आग'

राजेश ओझा

मुझे अपना बचपन याद आ रहा । जब पड़ोस की दाई अक्सर मेरे घर आकर दादी से कहती थीं- 'दुलहिन अगही हौ?' अगही मतलब अग्निवान। जिसके धन होता है तो वह धनवान होता है,शायद उसी तर्ज पर 'अगही' शब्द का प्रयोग होता था तब। दादी तुरंत हंसकर कहती थीं-- 'हां दाई! अब अतना लापरवाह थोरै हन। हम पूरा साल होली कै आग जोगइत है,औ जब ढुंढ़ेहरी पर होलिका से नयी आगि लाइत है तब्बै पिछले साल वाली आगि कै पीछा छोड़ित है।' ('हां दाई! अब इतना लापरवाह थोड़ी हैं। मैं पूरे वर्ष होलिका की आग सम्हाल कर रखती हूँ। जब होलिका से नयी आग लाती हूँ तभी पिछले वर्ष की आग हंटाती हूँ। मैं कभी-कभी झुंझलाकर बड़की अम्मा (दादी) से कहता भी था-- 'काहे इनका परकाए हौ आप? रोज मूड़ उठाय कै आय जाति हैं मांगै।' ('क्यों आपने इनकी आदत बिगाड़ रखी है। रोज सर उठाकर आ जाती हैं मांगने) दादी मुझे डाट देती थीं-- 'आगि कब्बौ नाहीं नाई कीन जात है। ढुंढ़ेहरी कै आगि मां बड़ी सकती होति है।' (आग के लिए कभी न नहीं कहा जाता। होलिका की आग में बहुत शक्ति होती है।) आग देने को मना कोई भी नहीं करता था। एक नियम था कि होलिका से आग लाओ और उसे घर में पूरा वर्ष जिन्दा रखो। आग बुझनी नहीं चाहिए। ऐसा नहीं था कि उस समय माचिस का आविष्कार नहीं हुआ था इसलिए आग सम्हाल कर रखी जाती थी या मांगी जाती थी। माचिस तो बहुत बाद में आयी होगी। आग के और साधन अवश्य रहे होंगे। जब आदि मानव पत्थर रगड़ कर आग पैदा कर ले रहा था तब चेतना सम्पन्न व्यक्ति ने तो अवश्य माचिस का विकल्प तलाश रखा होगा। जैसे जब सड़कें नहीं थीं व्यक्ति तब भी घर से बाहर निकलता था। जैसे सड़कों का इतिहास व्यक्ति के प्रथम बार घर से बाहर निकलने से जुड़ा है उसी तरह अग्नि को पैदा करने का भी कोई न कोई इतिहास अवश्य होगा। मैं घर के पिछवाड़े एक बुजुर्ग दलित को अक्सर सुबह लुकाठी से बीड़ी जलाते देखता था। आग सिर्फ उसे नहीं दिया जाता था जिसका आचरण बहुत गन्दा हो। तभी की बनी एक कहावत आज भी हमारे गाँव में जिन्दा है-- 'तोहार जौन चाल-चलन है कि मांगे आगि न पइबौ।' (आपका आचरण इतना आसामाजिक है कि मांगने से आग भी नहीं पाओगे।) समाजशास्त्रियों ने लोक के मस्तिष्क में आग न देने को एक सामाजिक अपराध के रूप में स्थापित कर दिया था। हम सबका जीवन पांच तत्वों से मिलकर बना है। मानस में बाबा तुलसी कहते हैं- 'क्षिति,जल,पावक,गगन,समीरा,पंचतत्व रचि अधम शरीरा' इन पांचों तत्वों में अग्नि सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। हालांकि विज्ञान शास्त्री कहते हैं कि शरीर संरचना के लिए अन्य तत्वों की अपेक्षा अग्नि तत्व का उपयोग बहुत कम होता है लेकिन इसका महत्व हमारे जीवन में अत्यधिक है। यह अग्नि ही है कि इसके गायब होते ही शरीर ठण्डा हो जाता है। सब कुछ समाप्त हो जाता है?। अग्नि एक ऐसी ऊर्जा प्रदान करती है जिससे जीवन प्रत्येक क्षेत्र में सफल होने लगता है। मस्तिष्क में चित्ताग्नि की उपस्थिति से व्यक्ति प्रज्ञावान बनता है। हां यह अवश्य है कि प्रकृति समानुपात रूप में किसी को कुछ नहीं देती। सभी व्यक्ति समान रूप से स्वस्थ नहीं होते। सभी समान रूप से सुन्दर या कुरूप नहीं होते। क्षमता मूलक अन्तर के साथ प्रकृति अपना सृजन करती है। इसी अनुरूप सभी में समान रूप में चित्ताग्नि नहीं होती। लेकिन होती सभी में है। यह चित्ताग्नि ही है जो हमें पशुवत आचरण से रोकती है। सनातन धर्म में अग्नि को देवता माना गया है। पृथ्वी पर सनातन ही एक ऐसा धर्म है जो हमें प्रत्येक उस तत्व के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है जो जीवन जीने में सहायक हैं। सनातन धर्म में वृक्ष की पूजा होती है, पर्वत की पूजा होती, पशु की पूजा होती है, पक्षी की पूजा होती है, वायू की पूजा होती है। सनातन धर्म का मूल स्वभाव आभार का है। फिर यह अग्नि को कैसे छोड़ सकते थे। सनातन ने अग्नि की भी पूजा शुरू की। अग्नि देव की सवारी क्रुद्ध भेड़ है।

भारतीय संस्कृति में अग्नि जीवन के सभी आयाम के लिए बहुत आवश्यक है। कोई भी पूजा-पाठ बिना अग्नि के पूर्ण नहीं हो सकता है। हवन करना है तो अग्नि चाहिए । यज्ञ करना है तो अग्नि चाहिए । विवाह में बिना अग्नि के फेरे नहीं होते। सनातन धर्म का कोई भी संस्कार बिना अग्नि के पूर्ण नहीं हो सकता। अन्त में दाह-संस्कार करके अग्नि अपने सभी दायित्व को पूर्ण करती है।

***आज जब दुष्यंत को पढ़ता हूँ**--*

'सिर्फ़ हंगामा खड़ा करना मेरा मक़्सद नहीं ,
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।
मेरे सीने में नहीं, तो तेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।'

तब सोचता हूँ कि मेरे यहाँ के समाज विज्ञानियों ने पूरे वर्ष घर में आग जिन्दा रखने का नियम सिर्फ माचिस बचाने के लिए कंजूसी हेतु नहीं बनाया होगा। कहीं न कहीं वे इस बहाने आग को मस्तिष्क में भी जिन्दा रखना चाहते थे। दुष्यंत आग को विद्रोही स्वभाव में देखते हैं। वे समाज में एक ऐसी ज्वाला लाना चाहते हैं जो समाज के विगलित रूपों को जलाकर राख कर दे। दुष्यंत आग के बहाने क्रांति की बात करते हैं। इस तरह यह स्पष्ट है कि आग एक ऐसी ऊर्जा जो आपको निरंतर तैयार रखती है। इसे सदैव जिन्दा रखना है।

सियासत का सतरंगी सर्कसः जहाँ जनसेवक नहीं, 'परफॉर्मर' चाहिए

विवेक रंजन श्रीवास्तव

आजकल राजनीति के गलियारे किसी गंभीर चिंतन या राष्ट्र-निर्माण के केंद्र नहीं रह गए, बल्कि वे एक ऐसे भव्य मनोरंजन ऑडिटोरियम में तब्दील हो चुके हैं जहाँ हर वक्त कोई न कोई तमाशा जारी रहता है। दुनिया भर में सत्ता की कुर्सी अब जनसेवा का पवित्र साधन कम और किसी पॉपुलर 'रिएलिटी शो' का चमकता हुआ इनाम ज्यादा लगने लगी है। अगर हम गौर से देखें तो साफ पता चलता है कि जनता अब पुरानी नीतियों की नीरसता और उबाऊ भाषणों से पूरी तरह थक चुकी है। उसे शासन के गंभीर चेहरे में भी अब शायद भरपूर ड्रामे की दरकार रहने लगी है। इसी का नतीजा है कि दुनिया के तमाम मुल्कों में अब ऐसे चेहरों का बोलबाला है जो किसी न किसी रूप में पर्दे या मंच के जादूगर रहे हैं।

पड़ोसी देश नेपाल की मिसाल लीजिए, जहाँ एक 'चॉकलेटी' पॉप गायक प्रधानमंत्री की कुर्सी तक जा पहुँचा। उस वक्त ऐसा लगा जैसे देश की सदियों पुरानी और पेचीदा समस्याओं का समाधान अब गंभीर फाइलों या भारी-भरकम चर्चाओं से नहीं, बल्कि गिटार की सुरीली धुनों और पॉप संगीत की ताल पर होगा। वहां की जनता सुर-ताल पर इतनी मुग्ध हो गई कि उसे देश के बजट के बिगड़ते तालमेल से ज्यादा इस बात की फिक्र सताने लगी कि उनके प्रधानमंत्री की 'पिच' कहीं खराब न हो जाए। यह तो महज एक झांकी भर थी।

असली धमाका तो यूक्रेन में हुआ, जहाँ एक मंजा हुआ कॉमेडियन सीधे राष्ट्रपति भवन के आलीशान कमरों तक जा पहुँचा। वहां की जनता को शायद यह गुमान रहा होगा कि अगर हंसी-मजाक और लतीफों के बीच देश की गाड़ी चल जाए, तो गम के दिन आसानी से कट जाएंगे। मगर कुदरत की विडंबना देखिए कि जब इस सियासी 'कॉमेडी' की स्क्रिप्ट में युद्ध का खूनी मंजर और बारूद की गंध दाखिल हुई, तो बरसों पुराने हंसी के फव्वारे पल भर में खौफ के गहरे साये में बदल गए। वहां की जनता अब मलबे के बीच उस स्क्रिप्ट को ढूंढ रही है जिसमें सुखद अंत का वादा किया गया था।

भारत भी इस 'स्टैंडअप' संस्कृति से अछूता नहीं है। यहाँ के कलाकार अब केवल सत्ता के ख्वाब ही नहीं बुन रहे, बल्कि पंजाब जैसे महत्वपूर्ण सूबे में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठकर अपनी कॉमिक टाइमिंग को प्रशासनिक टाइमिंग में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। सरहद पार पाकिस्तान का हाल तो इससे भी कहीं ज्यादा निराला रहा है। वहां मिलिट्री और सियासत के बीच क्रिकेट की पिच ऐसी बिछी कि बुनियादी अंतर ही मिट गया। जब मैदान के मशहूर कप्तान ने प्रधानमंत्री पद का हलफ उठाया, तो मुल्क को लगा कि अब हर मुसीबत की गेंद पर सीधा 'छक्का' लगेगा और महंगाई की गुगली पर देश कभी 'क्लीन बोल्ड' नहीं होगा। लोगों को लगा कि सियासत अब फटाफट टी-20 की तरह चलेगी। मगर अफसोस, राजनीति का यह खेल एक थकाऊ टेस्ट मैच की तरह लंबा खिंचता चला गया और अंत में कप्तान को बिना किसी 'मैन ऑफ द मैच' खिताब के, सीधा जेल की कोठरी का रास्ता नापना पड़ा।

वहीं दूसरी ओर, बांग्लादेश की दास्तां भी किसी 'सस्पेंस थ्रिलर' पटकथा से कम नहीं रही। वहां निर्वाचित होने और निर्वासन की जिंदगी गुजारने के बीच चूहे-बिल्ली का ऐसा खेल चला कि लोकतंत्र महज एक तमाशा बनकर रह गया। हद तो तब हो गई जब देश की कमान एक नोबेल पुरस्कार विजेता दार्शनिक को थमा दी गई। यह कुछ वैसा ही मंजर था जैसे किसी पेचीदा और जानलेवा ऑपरेशन के लिए माहिर सर्जन के बजाय किसी महान कवि को ओटी (हूझ) में बुला लिया गया हो। वैचारिक धरातल पर जो बातें सुनने में सुरीली लगती हैं, वे प्रशासनिक मशीनरी के जंग लगे पुर्जों को चलाने में अक्सर नाकाम साबित होती हैं। अब जरा नजर डालिए दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतंत्र, अमेरिका पर। वहां जब कोई ऐसी अतरंगी और विवादित शख्सियत राष्ट्रपति की गद्दी संभालती है, जिसकी अदाएं और बयानबाजी किसी 'सर्कस' की याद दिलाती हैं, तो पूरी दुनिया थर्रा उठती है। अमेरिका में अब लोकतंत्र 'ग्रेट लाफ्टर चैलेंज' जैसे किसी मुकाबले में तब्दील हो चुका है, जहाँ जो उम्मीदवार जितना ज्यादा शोर मचा सकता है और जितनी बेतुकी बातें कर सकता है, वही सबसे बड़ा बाजीगर माना जाता है। सुबह कुछ और, शाम कुछ और—पूरी दुनिया उनके ट्वीट और बयानों के बवाल से त्रस्त रहती है।

ग्वाटेमाला और फिलीपींस जैसे देशों की कहानी भी जुदा नहीं है। कहीं टीवी कलाकार ने पर्दे की बनावटी मुस्कान से संसद की गंभीरता को ढंकने की कोशिश की, तो कहीं मारधाड़ वाले फिल्मी हीरो ने देश की बागडोर थाम ली। जनता को लगा कि पर्दे पर गुंडों के दांत खट्टे करना और मुल्क का जटिल बजट पास करना एक ही बात है। लेकिन जैसे ही राजनीति का यह चटक मेकअप उतरा, असलियत का बदरंग और झुर्रियों भरा चेहरा सबके सामने आ गया।

आइसलैंड की कहानी तो और भी हैरतअंगेज है, जहाँ एक 'रॉक स्टार' ने महज मजाक में पार्टी बनाई और जनता ने उसे सचमुच मेयर बना दिया। लोग भूल गए कि रॉक कॉन्सर्ट की भीड़ और नगर निगम की सड़ांध मारती फाइलों के बीच जमीन-आसमान का फर्क होता है। आज की कड़वी हकीकत यही है कि सफल नेता बनने के लिए अब समाजशास्त्र की समझ रखने की रत्ती भर जरूरत नहीं है; बस अभिनय का एक छोटा सा 'क्रैश कोर्स' और कैमरे के सामने 'पोज' देने की कला पर्याप्त है।

जनता अब वोट देकर किस्मत का फैसला नहीं करती, बल्कि अपने चहेते सियासी कलाकार को किसी सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की तरह 'सब्सक्राइब' करती है। यह नया संस्करण अब 'लोकतंत्र' नहीं, बल्कि 'रील-तंत्र' बन चुका है। जो जितना बड़ा मदारी है, जिसके पास जितना बड़ा मजमा है, उसकी डमरू पर उतनी ही भीड़ खिंची चली आती है। पुराने जमाने के वे गंभीर नेता जो आंकड़ों और सिद्धांतों की बात करते थे, अब किसी म्यूजियम की मोम प्रतिमा बन गए हैं। आज की पब्लिक को ठोस पॉलिसी से ज्यादा 'चटपटी पंचलाइन' की भूख है। उसे विकास के नक्शे नहीं, भाषणों के बीच लगने वाले जोरदार ठहाके चाहिए।

जब तक मंच पर यह नौटंकी और नाच-गाना जारी है, नेताजी की कुर्सी सुरक्षित है। जिस दिन मनोरंजन कम हुआ, उस दिन कलाकार का बोरिया-बिस्तर बंधना तय है। विडंबना यह है कि इस सतरंगी सर्कस में सिद्धांतप्रिय राजनेता और जननायक अब केवल दर्शक बनकर रह गए हैं। नेता और अभिनेता के बीच की लकीर अब पूरी तरह मिट चुकी है। देखना दिलचस्प होगा कि जब तालियों की गूँज कम होगी और हकीकत के तीखे सवाल सामने आएंगे, तब ये पर्दे के सितारे देश की डूबती नैया को किनारे कैसे लगाएंगे। शायद तब तक कोई नया मदारी, नया डमरू लेकर मंच पर हाजिर हो चुका होगा और हम फिर से एक नए तमाशे में खो जाएंगे।

असली धमाका तो यूक्रेन में हुआ, जहाँ एक मंजा हुआ कॉमेडियन सीधे राष्ट्रपति भवन के आलीशान कमरों तक जा पहुँचा। वहां की जनता को शायद यह गुमान रहा होगा कि अगर हंसी-मजाक और लतीफों के बीच देश की गाड़ी चल जाए, तो गम के दिन आसानी से कट जाएंगे। मगर कुदरत की विडंबना देखिए कि जब इस सियासी 'कॉमेडी' की स्क्रिप्ट में युद्ध का खूनी मंजर और बारूद की गंध दाखिल हुई, तो बरसों पुराने हंसी के फव्वारे पल भर में खौफ के गहरे साये में बदल गए। वहां की जनता अब मलबे के बीच उस स्क्रिप्ट को ढूंढ रही है जिसमें सुखद अंत का वादा किया गया था।

भारत भी इस 'स्टैंडअप' संस्कृति से अछूता नहीं है। यहाँ के कलाकार अब केवल सत्ता के ख्वाब ही नहीं बुन रहे, बल्कि पंजाब जैसे महत्वपूर्ण सूबे में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठकर अपनी कॉमिक टाइमिंग को प्रशासनिक टाइमिंग में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। सरहद पार पाकिस्तान का हाल तो इससे भी कहीं ज्यादा निराला रहा है। वहां मिलिट्री और सियासत के बीच क्रिकेट की पिच ऐसी बिछी कि बुनियादी अंतर ही मिट गया। जब मैदान के मशहूर कप्तान ने प्रधानमंत्री पद का हलफ उठाया, तो मुल्क को लगा कि अब हर मुसीबत की गेंद पर सीधा 'छक्का' लगेगा और महंगाई की गुगली पर देश कभी 'क्लीन बोल्ड' नहीं होगा। लोगों को लगा कि सियासत अब फटाफट टी-20 की तरह चलेगी।

महावीर स्वामीः मानवता के सच्चे मार्गदर्शक

महेन्द्र तिवारी

महावीर जयंती भारत के प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक पर्वों में से एक है, जो जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव के रूप में अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाती है। यह केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, नैतिकता और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश देने वाला पर्व है। इस दिन न केवल जैन समुदाय, बल्कि सभी धर्मों के लोग भगवान महावीर के उपदेशों को याद करते हैं और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेते हैं। महावीर जयंती हमें यह सिखाती है कि सच्चा धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह हमारे व्यवहार, सोच और जीवन शैली में झलकना चाहिए।

भगवान महावीर का जन्म लगभग 599 ईसा पूर्व वैशाली के समीप कुंडलपुर में एक क्षत्रिय परिवार में हुआ था। उनका बचपन का नाम वर्धमान था। बचपन से ही उनमें असाधारण साहस, करुणा और संवेदनशीलता थी। वे राजसी वैभव में पले-बढ़े, लेकिन उनका मन सांसारिक सुखों में नहीं लगा। तीस वर्ष की आयु में उन्होंने राज-पाट, परिवार और सभी सुख-सुविधाओं का त्याग कर सन्यास धारण कर लिया और सत्य की खोज में निकल पड़े। यह त्याग ही उनके महान व्यक्तित्व की पहली झलक थी, जिसने उन्हें साधारण मनुष्य से महान आत्मा बना दिया।

महावीर स्वामी ने लगभग बारह वर्षों तक कठोर तपस्या और साधना की।

इस दौरान उन्होंने अनेक कष्टों को सहन किया, लेकिन कभी विचलित नहीं हुए। अंततः उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई, जिसे 'कैवल्य ज्ञान' कहा जाता है। इसके बाद उन्होंने अपने अनुभवों और ज्ञान को समाज के सामने प्रस्तुत किया और लोगों को सच्चे जीवन का मार्ग दिखाया। उन्होंने कभी स्वयं को भगवान नहीं कहा, बल्कि यह बताया कि हर व्यक्ति अपने प्रयासों से आत्मज्ञान प्राप्त कर सकता है। यह विचार उस समय के लिए अत्यंत क्रांतिकारी था और आज भी उतना ही प्रासंगिक है। भगवान महावीर के उपदेशों का मूल आधार अहिंसा है। उन्होंने कहा कि किसी भी जीव को कष्ट पहुँचाना सबसे बड़ा पाप है। उन्होंने न केवल शारीरिक हिंसा, बल्कि विचारों और शब्दों में भी अहिंसा का पालन करने की शिक्षा दी। उनके अनुसार, यदि हम किसी के प्रति बुरा सोचते हैं, तो वह भी एक प्रकार की हिंसा है। इसी के साथ उन्होंने सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों का भी प्रचार किया। ये पाँच महाव्रत आज भी जैन धर्म की आधारशिला हैं और मानव जीवन को संतुलित और नैतिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महावीर जयंती का पर्व इन शिक्षाओं को याद करने और उन्हें जीवन में उतारने का अवसर प्रदान करता है। इस दिन जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है, भगवान महावीर की प्रतिमाओं का अभिषेक किया जाता है और शोभा यात्राएँ निकाली जाती हैं। श्रद्धालु भक्ति गीत गाते हैं, प्रवचन सुनते हैं और दान-पुण्य के कार्य करते हैं। कई लोग इस दिन उपवास रखते हैं और आत्मचिंतन में समय बिताते हैं। यह सब केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि आत्मशुद्धि और आत्मविकास के साधन हैं।

महावीर जयंती का महत्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के युग में, जब समाज में हिंसा, असहिष्णुता और स्वार्थ बढ़ते जा रहे हैं, महावीर के उपदेश हमें शांति और संतुलन का मार्ग दिखाते हैं। उनका 'जियो और जीने दो' का संदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। यह हमें सिखाता है कि हमें न केवल अपने जीवन का सम्मान करना चाहिए, बल्कि दूसरों के जीवन का भी आदर करना चाहिए। इसके अलावा, महावीर स्वामी ने पर्यावरण संरक्षण का भी अप्रत्यक्ष रूप से संदेश दिया। जब वे कहते हैं कि हर जीव महत्वपूर्ण है, तो इसमें पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और प्रकृति के सभी तत्व शामिल होते हैं। आज जब दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, उनके विचार हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा देते हैं। यदि हम उनके सिद्धांतों का पालन करें, तो न केवल समाज में शांति स्थापित हो सकती है, बल्कि प्रकृति का संतुलन भी बना रह सकता है।

बोध कथा

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया। उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा। उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया। कुछ महीनो बाद अर्जुन का सपना पूरा हो गया और वह अमीर बन गया।

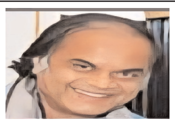

सागर कुमार

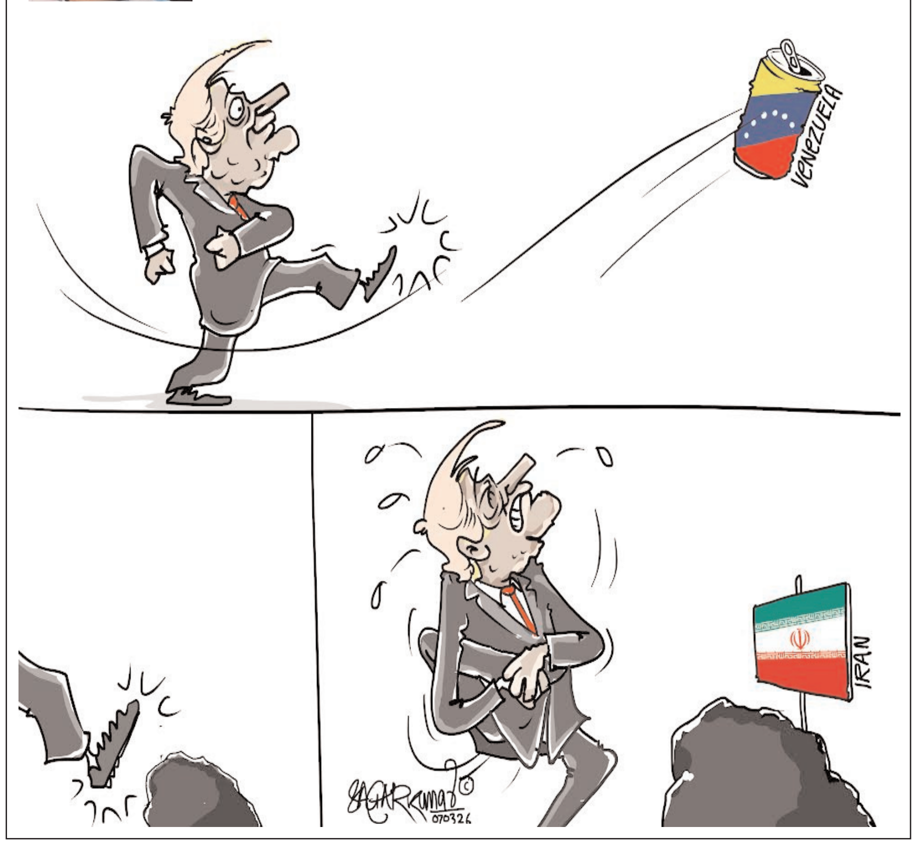

व्यंग्य केसरी

बकैती लाल की बक-बक

रेखा शाह आर बी

अपने देश में वक्ताओं की दो प्रजाति पाई जाती है । एक वक्ता है जो देश के दुख सुख से प्रभावित होकर अपना वक्तव्य देते हैं।

और दूसरे बकता लाल है। जो कुछ भी बकैती करते रहते हैं। देश से काम के वक्ता तो लगभग नदारत ही है ।अधिकतर बकता लाल ही बचे हैं।

छोटे-मोटे नेता गोवर्धन लाल भी हर विषय पर बोल लेते हैं। यदि विषय उनके मन के अनुकूल रहता है। तो यह ऐसे गरजते हैं जैसे जंगल में शेर गरजता है । लेकिन ज्यो ही गोवर्धन लाल के लिए विषय जरा असुविधाजनक हो जाता है। तो उनकी जुबान को अचानक ही लकवा मार जाता है ।

गोवर्धन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि हर समस्या को वह राष्ट्रीय संकट या छोटा सा मुद्दा घोषित करने की अलौकिक क्षमता रखते हैं।

उदाहरण हेतु यदि विपक्ष में सरकार हो तो सड़क पर बना हुआ छोटा सा गड्ढा भी उनके लिए घोर चिंता का विषय है ।और उनके मन की सरकार हो तो गिरा हुआ पुल भी प्रकृति का कोप है । उनकी इस अलौकिक दिव्य दृष्टि के लिए जनता उनको सादर प्रणाम भी करे तो कम है।

गोवर्धन बाबू किसी बात का कोई सीधा जवाब नहीं देते हैं। वह जवाब के चारों ओर ऐसे घूमते हैं जैसे पतंगा रोशनी के आसपास चक्कर काटता है ।उनका ज्ञान दुनिया से अद्भुत है। वह किताबों पर भरोसा नहीं करते हैं। ना इतिहास और ना वर्तमान की किताबें पढ़ने का कष्ट उठाते हैं ।

उनकी सारी शिक्षा दीक्षा सोशल मीडिया के विश्वविद्यालय से हुई है। और वहीं पर उनको मानद उपाधि मिली हुई है। उनके तर्कों का आधार तथ्य कम और जनता के लिए अपथ्य ज्यादा रहता है ।

गोवर्धन बाबू की एक बड़ी खूबी यह है कि वह हर मुद्दे में अपना हित खोज लेते हैं ।अगर मामला उनके दल का रहता है तो उसे रणनीति कहते हैं। और विरोधियों का रहता है तो राजनीति या लोकतंत्र की हत्या होने लगती है । उनके शब्दों में निष्पक्षता और नैतिकता जैसे शब्द नदारत हैं। उनकी भाव भंगिमा भी बॉलीवुड के बड़े-बड़े एक्टरों को मात देने लायक होती है। उनका प्रिय मुद्दा सामने हो तो उनके आंखों में क्रांति की ज्वाला दहकने लगती है। हाथ हवा में तैरने लगते हैं ।आवाज में बिजली कड़कने लगती है। और यदि प्रश्न असुविधाजनक हो तो अचानक से संत रूप धर लेते हैं और लोगों को सकारात्मक रहने का संदेश देने लगते हैं ।

चाहे डिबेट टीवी पर हो या मोहल्ले की चाय की दुकान पर हो या पारिवारिक समारोह शादी विवाह में हो। वह अपनी महफिल जमा कर उसकी रौनक बन ही जाते हैं ।आखिरकार धारा प्रवाह बोलना उनकी एक कुशलता है । साथ ही उनकी सबसे बड़ी कला है। उनको सुनना नहीं रहता है। जिसके लिए वह सामने वाले के बोलने को स्वयं का एकालाप कहते हैं ।और आवाज का शोर घोषित कर देते हैं ।

गोवर्धन बाबू हमेशा दूसरों को सिलेक्टिव वक्ता और पक्षपात का आरोपी बताते हैं । जबकि उनके जुबान का ताला तभी खुलता है। जब उनका मनपसंद मुद्दा होता है ।और जहां तालियां मिलने की संभावना होती है।

इतिहास

30 मार्च को इतिहास में राजस्थान दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि 1949 में आज ही के दिन जोधपुर, जयपुर, बीकानेर और जैसलमेर रियासतों का विलय होकर वृहत्तर राजस्थान संघ बना था। साथ ही, 1867 में अमेरिका ने रूस से अलास्का को मात्र 7.2 मिलियन डॉलर में खरीदा था। 1282 (आज का इतिहास-30 मार्च): सिसिली के वेस्पर्स (Sicilian Vespers) में स्वतंत्रता के लिए घंटी बजी, यह एक बड़ा विद्रोह था। 1867 (Alaska Purchase): अमेरिका ने रूस से अलास्का को 7,200,000 (लगभग 2 सेंट प्रति एकड़) में खरीदा। 1919 (30 मार्च का इतिहास): महात्मा गांधी ने रौलट एक्ट के विरोध में सत्याग्रह का आह्वान किया।1949 (राजस्थान दिवस): जोधपुर, जयपुर, बीकानेर और जैसलमेर रियासतों का विलय होकर राजस्थान राज्य की स्थापना हुई, जिसे राजस्थान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कारोबार

विश्व केसरी

मध्य पूर्व में तनाव का असर! वित्त वर्ष के आखिरी सत्र में सेंसेक्स 1,635 अंक गिरकर बंद

मुंबई। चालू वित्त वर्ष (2025-26) के आखिरी कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,635.67 अंक या 2.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,947.55 और निफ्टी 488.20 अंक या 2.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,331.40 पर था। बाजार में चौतरफा गिरावट देखी गई। करीब सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक (4.56 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस (3.49 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (3.37 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (2.84 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (2.80 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (2.72 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (2.58 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (2.50 प्रतिशत) और निफ्टी ऑटो (2.39 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,447.80 अंक या 2.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,650 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 416.20 अंक या 2.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15,203.80 पर था।

सेंसेक्स पैक में 30 में केवल दो शेयर हरे निशान में बंद हुए।

बजाज फाइनेंस, एसबीआई, इंडिगो, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा और एशियन पेंट्स लूजर्स थे। केवल टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड ही हरे निशान में बंद हुए। शेयर बाजार में बड़ी गिरावट के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप करीब 10 लाख करोड़ रुपए कम होकर 412 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि शुक्रवार को 422 लाख करोड़ रुपए था।

बाजार में गिरावट की वजह मध्य पूर्व में तनाव का बढ़ना है, जिसके समाप्त होने के कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं। इससे बाजार में निवेशकों की धारणा कमजोरी हुई है।

एसबीआई सिक्योरिटीज के टेक्निकल और डेरिवेटिव्स प्रमुख सुदीप शाह ने कहा कि वित्त वर्ष 26 के आखिरी दिन बाजार की शुरुआत गैप डाउन के साथ हुई है और हालांकि, बाद में हल्की रिकवरी हुई, लेकिन ऊपरी स्तर से लगातार बिकवाली ने बाजार में गिरावट को बढ़ावा दिया।

इससे दिन के अंत में निफ्टी 2.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी के लिए सपोर्ट 22,200 से लेकर 22,150 के आसपास है और अगर यहां से गिरावट बढ़ती है तो निफ्टी 22,000 और फिर 21,800 तक जा सकता है। हालांकि, 22,450-22,500 रुकावट का स्तर है।

बैंक लॉकर में रखे पूरे सामान की वैल्यू पर क्यों नहीं मिल सकता मुआवजा, वित्त मंत्री ने संसद में दिया जबाव

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि लॉकर में रखे सामान का नुकसान होने पर बैंक वार्षिक फीस का 100 गुना का मुआवजा लॉकर धारक को दे सकता है।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में बैंक लॉकर में रखे गए पूरे सामान की वैल्यू पर मुआवजा मिलने को लेकर पूछे गए सवाल का जबाव देते हुए कहा कि यह लिमिट इस वजह से निर्धारित की गई है, क्योंकि बैंक को नहीं पता होता है कि ग्राहक द्वारा बैंक लॉकर में क्या-क्या सामान रखा गया है और बैंक द्वारा किसी भी ग्राहक से लॉकर में रखी चीजों की जानकारी मांगना बैंकिंग गोपनीयता नियमों के खिलाफ है।

आगे वित्त मंत्री ने कहा कि वस्तु-वार मूल्यांकन या बीमा संभव न होने के कारण, बैंक लॉकर में रखे सामान का नुकसान होने पर भरपाई के लिए एक मानकीकृत क्षतिपूर्ति ढांचा लागू किया जाता है। अलग-अलग कवरेज की मांग करने पर सामान की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी, जिसकी अनुमति बैंकिंग नियमों में नहीं है।

बैंक लॉकर नियमों के मुताबिक, अगर लॉकर में रखा सामान बैंक की अनदेखी, कर्मचारी की धोखाधड़ी, आग, चोरी, डकैती, सेंधमारी और लूटपाट जैसी घटाने के कारण गायब हो जाता है तो बैंक को लॉकर धारक को मुआवजा देना है, जो कि लॉकर के लिए बैंक द्वारा ली जा रही वार्षिक फीस का 100 गुना होगा।

उदाहरण के लिए अगर बैंक लॉकर के लिए 5,000 रुपए प्रति वर्ष चार्ज कर रहा है, तो लॉकर में उपरोक्त कारणों से नुकसान होने पर उसे ग्राहक को 5,00,000 रुपए का मुआवजा देना होगा।

बैंक लॉकर में ज्वेलरी, लोन दस्तावेज, प्रॉपर्टी दस्तावेज, जन्म-शादी से जुड़े प्रमाणपत्र, इंश्योरेंस पॉलिसी, सेविंग्स बॉन्ड्स और अन्य गोपनीय दस्तावेज रखना वैध है।

वहीं, बैंक लॉकर में कैश, हथियार, ड्रग्स, एक्सप्लोसिव, जल्द खराब होने वाली और रेडियोएक्टिव वस्तुएं और खतरनाक मानी जाने वाली वस्तुएं रखना अवैध है।

एनएसई के आईपीओ की तैयारी तेज, शेयरधारकों से 27 अप्रैल तक मांगी प्रतिक्रिया

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने लंबे समय से लंबित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत एक्सचेंज ने मौजूदा शेयरधारकों से संपर्क कर यह जानने की कोशिश की है कि वे ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं या नहीं।

सूत्रों के अनुसार, निवेशकों को भेजे गए एक संदेश में एक्सचेंज ने उन शेयरधारकों से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) मांगा है, जो प्रस्तावित पब्लिक इश्यू के तहत अपने कुछ या सभी शेयर बेचना चाहते हैं। यह एनएसई के आईपीओ की दिशा में एक औपचारिक और अहम कदम माना जा रहा है, जिस पर कई वर्षों से विचार किया जा रहा था।

इस प्रक्रिया के तहत एक्सचेंज ने ईओआई फॉर्म और संबंधित दस्तावेज भी साझा किए हैं, जिनमें ओएफएस के जरिए भाग लेने की शर्तें और ढांचा बताया गया है। जो शेयरधारक इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं, वे तय शर्तों के अनुसार अपने पूरे या कुछ शेयर बेच सकते हैं।

इसके अलावा, निवेशकों से कहा गया है कि वे 27 अप्रैल शाम 5 बजे तक अपनी प्रतिक्रिया जमा करें, जिसमें वे आईपीओ में भाग लेने की अपनी इच्छा जाहिर करें।

संदेश में कहा गया है, 'एक शेयरधारक के रूप में आप अपनी होल्डिंग के कुछ या सभी इक्विटी शेयर आईपीओ में बिक्री के लिए पेश कर सकते हैं, जो ओएफएस नोटिस में दी गई शर्तों के अधीन होगा। इस कदम से यह संकेत मिलता है कि एनएसई के लिस्टिंग प्लान में फिर से तेजी आई है और एक्सचेंज आईपीओ से पहले संभावित विक्रेता शेयरधारकों की पहचान कर रहा है।

इससे पहले एनएसई ने इस इश्यू को मैनेज करने के लिए 20 मर्चेंट बैंकर नियुक्त किए थे, जो भारत में किसी भी पब्लिक इश्यू के लिए अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इस सूची में कोटक महिंद्रा कैपिटल, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स, जेपी मॉर्गन और सिटीग्रुप जैसे बड़े निवेश बैंक शामिल हैं।

इसके अलावा, एक्सचेंज ने आठ लॉ फर्म्स को भी नियुक्त किया है, जिनमें घरेलू फर्म सिरिल अमरचंद मंगलदास, ट्राइलीगल और अमेरिका की लैथम एंड वाटकिंस शामिल हैं। अन्य मध्यस्थों में आईपीओ सर्विस फर्म एमयूएफजी इंटाइम और कंसल्टेंसी फर्म रेडसीर भी शामिल हैं। इससे पहले 2025 में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के आईपीओ में 18 बुक रनर शामिल थे, जो उस समय भारत का सबसे बड़ा रिकॉर्ड था।

एनएसई को अपने आईपीओ के लिए जनवरी में सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) से मंजूरी मिल चुकी है।

भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 27 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमानः रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 27 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 में खुदरा मुद्रास्फीति 4.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2026 के 2.1 प्रतिशत से अधिक है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि विकास दर में कमी आने के बावजूद, आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दरों को लंबे समय तक स्थिर रख सकती है।

साथ ही बताया गया कि भारतीय रिजर्व बैंक अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए तरलता की स्थिति को नियंत्रित करना जारी रख सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव शुरू होने से पहले हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स ने अनुकूल रुझान दिखाए थे।

हालांकि, पश्चिम एशिया की स्थिति निकट भविष्य के व्यापक आर्थिक परिदृश्य में अनिश्चितता पैदा करती है, खासकर कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और उर्वरकों के आयात पर भारत की निर्भरता को देखते हुए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊर्जा की कीमतों में लगातार वृद्धि से इनपुट लागत बढ़ सकती है और इसका कंपनियों की मुनाफे और विकास पर प्रभाव पड़ सकता है।

रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि कच्चे तेल की औसत कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल मानते हुए, चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2026 के लगभग 1.0 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2027 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 1.7 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 10 डॉलर की वृद्धि से चालू खाता मुद्रा में 30-40 आधार अंकों की वृद्धि हो सकती है।

जीएसटी दरों में युक्तिकरण और त्योहारी मांग जैसे कारकों से उपभोग के रुझान स्थिर बने हुए हैं।

वहीं, रिपोर्ट में बताया गया कि खर्च में वृद्धि का एक कारण कम मूल्य के लेन-देन भी हैं, जिनमें क्रेडिट कार्ड के उपयोग की मात्रा लेन-देन के मूल्य से अधिक तेजी से बढ़ी है।

खर्च में आई इस तेजी से संकेत मिलता है कि कुल उपभोग स्थिर बना हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निकट भविष्य में निजी क्षेत्र की निवेश गतिविधियां वैश्विक घटनाक्रमों और लागत स्थितियों से प्रभावित रह सकती हैं।

कोटक महिंद्रा प्राइम में बड़ा बदलाव, सूरज राजप्पन को नियुक्त किया गया नया सीईओ; शाहरुख टोडीवाला की लेंगे जगह

नई दिल्ली। वाहन फाइनेंस कंपनी कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड (केएमपीएल) ने सोमवार को घोषणा की कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने सूरज राजप्पन को मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल 1 जून 2026 से तीन साल के लिए होगा, हालांकि इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी।

कंपनी ने बताया कि मौजूदा एमडी और सीईओ शाहरुख टोडीवाला 31 मई 2026 को रिटायर हो जाएंगे। उन्होंने कोटक ग्रुप के साथ तीन दशक से ज्यादा समय तक काम किया है।

कंपनी के अनुसार, सूरज राजप्पन ने अपने करियर की शुरुआत केएमपीएल से ही की थी और उनके पास कंपनी में 24 साल का अनुभव है। केएमपीएल, कोटक महिंद्रा बैंक की एक सहायक कंपनी है। कोटक महिंद्रा बैंक के एमडी और सीईओ अशोक वासवानी ने कहा कि सूरज राजप्पन का अनुभव और काम करने की क्षमता कंपनी को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि शाहरुख टोडीवाला ने कंपनी को मजबूत और संतुलित विकास की दिशा में आगे बढ़ाया है।

वहीं, सूरज राजप्पन ने कहा कि केएमपीएल आगे भी संतुलित विकास, नवाचार और बेहतर ग्राहक अनुभव पर ध्यान देगा। साथ ही कंपनी अपने ओईएम और डीलर पार्टनर्स के साथ रिश्तों को और मजबूत करेगी।

कंपनी ने कहा कि लगभग तीन दशकों में केएमपीएल ने भारत के ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर क्रेडिट मार्केट के साथ-साथ खुद को भी विकसित किया है। कंपनी ने जोखिम प्रबंधन, बेहतर गवर्नेंस और मजबूत सिस्टम पर खास ध्यान दिया है। केएमपीएल की स्थापना 1996 में कोटक महिंद्रा फाइनेंस और फोर्ड क्रेडिट इंटरनेशनल के बीच 60:40 के जॉइंट वेंचर के रूप में हुई थी।

सोने और चांदी में जोरदार उछाल; कीमतें 8,500 रुपए तक बढ़ीं

मुंबई। वैश्विक अस्थिरता के चलते सोने और चांदी की कीमत में सोमवार को जोरदार तेजी देखने को मिला। इससे 24 कैरेट सोने का दाम 1.46 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक और चांदी का दाम 2.30 लाख रुपए प्रति किलो से अधिक हो गया है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 3,791 रुपए बढ़कर 1,46,733 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि शुक्रवार को 1,46,217 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,34,407 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,30,935 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 18 कैरेट सोने की कीमत 1,07,207 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,10,050 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 8,488 रुपए बढ़कर 2,30,135 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,21,647 रुपए प्रति किलो था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर खबर लिखे जाने तक सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,49,279 रुपए पर था।

चांदी के 05 मई 2026 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 1.66 प्रतिशत बढ़कर 2,31,749 रुपए हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी गई। ब्रेंट क्रूड 2.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 107.73 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.44 डॉलर प्रति बैरल पर है।

बीते एक साल में सोने की कीमत (डॉलर में) में करीब 50 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमत में इजाफा के चलते संभावित महंगाई के कारण सोने की कीमत में बीते एक महीने में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई है। दूसरी तरफ चांदी की चाल भी ऐसी ही रही है। चांदी ने बीते एक साल में करीब 100 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, बीते एक महीने में दाम 23 प्रतिशत से अधिक गिर गया है।

ब्लैक बॉक्स ने प्रेफरेंशियल इश्यू पूरा किया, वारंट कन्वर्जन से 386 करोड़ रुपए प्राप्त हुए

मुंबई । ग्लोबल डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी ब्लैक बॉक्स ने सोमवार को कहा कि 27 सितंबर, 2024 को जारी किए गए वारंटों के कन्वर्जन के परिणामस्वरूप 386.36 करोड़ रुपए सफलतापूर्वक प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने 92,65,215 वारंट को 417 रुपए प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर इक्विटी शेयरों में परिवर्तित कर दिया है। सभी वारंट धारकों ने अपने अधिकारों का पूर्ण रूप से प्रयोग किया है, और किसी ने भी अपने अधिकार नहीं गंवाए हैं।

शेयर बाजार में अस्थिरता के बावजूद समय पर और पूर्ण रूप से हुए इस हस्तांतरण से ब्लैक बॉक्स के व्यापारिक सिद्धांतों, विकास रणनीति और क्रियान्वयन क्षमताओं में निवेशकों और प्रमोटरों का मजबूत विश्वास झलकता है।

प्रमोटरों ने इस इश्यू में महत्वपूर्ण योगदान दिया और कुल निवेश का 51.76 प्रतिशत यानी 200 करोड़ रुपए का योगदान दिया। हस्तांतरण के बाद, प्रमोटरों की शेयरधारिता 69.99 प्रतिशत हो गई है, जो सभी शेयरधारकों के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और एकजुटता को दर्शाती है।

ब्लैक बॉक्स लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव वर्मा ने कहा, 'हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि प्रमोटरों और निवेशकों दोनों की पूर्ण भागीदारी के साथ यह पूंजी जुटाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। 386 करोड़ रुपए के इस निवेश से हमारी बैलेंस शीट मजबूत हुई है और हमें अपने विकास लक्ष्यों को गति देने के लिए अतिरिक्त लचीलापन मिला है। हम अपनी डिजिटल अवसंरचना क्षमताओं को बढ़ाने, बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने और अपने ग्राहकों और शेयरधारकों को निरंतर मूल्य प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

ब्लैक बॉक्स लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी दीपक बंसल ने कहा, 'हम अपने निवेशकों को उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। यह पूंजी हमें प्राथमिकता वाले विकास क्षेत्रों में निवेश करने की हमारी क्षमता को बढ़ाती है, साथ ही पूंजी आवंटन, परिचालन दक्षता और प्रतिफल के प्रति अनुशासित दृष्टिकोण बनाए रखने में भी सहायक है। हम अपने सभी बाजारों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

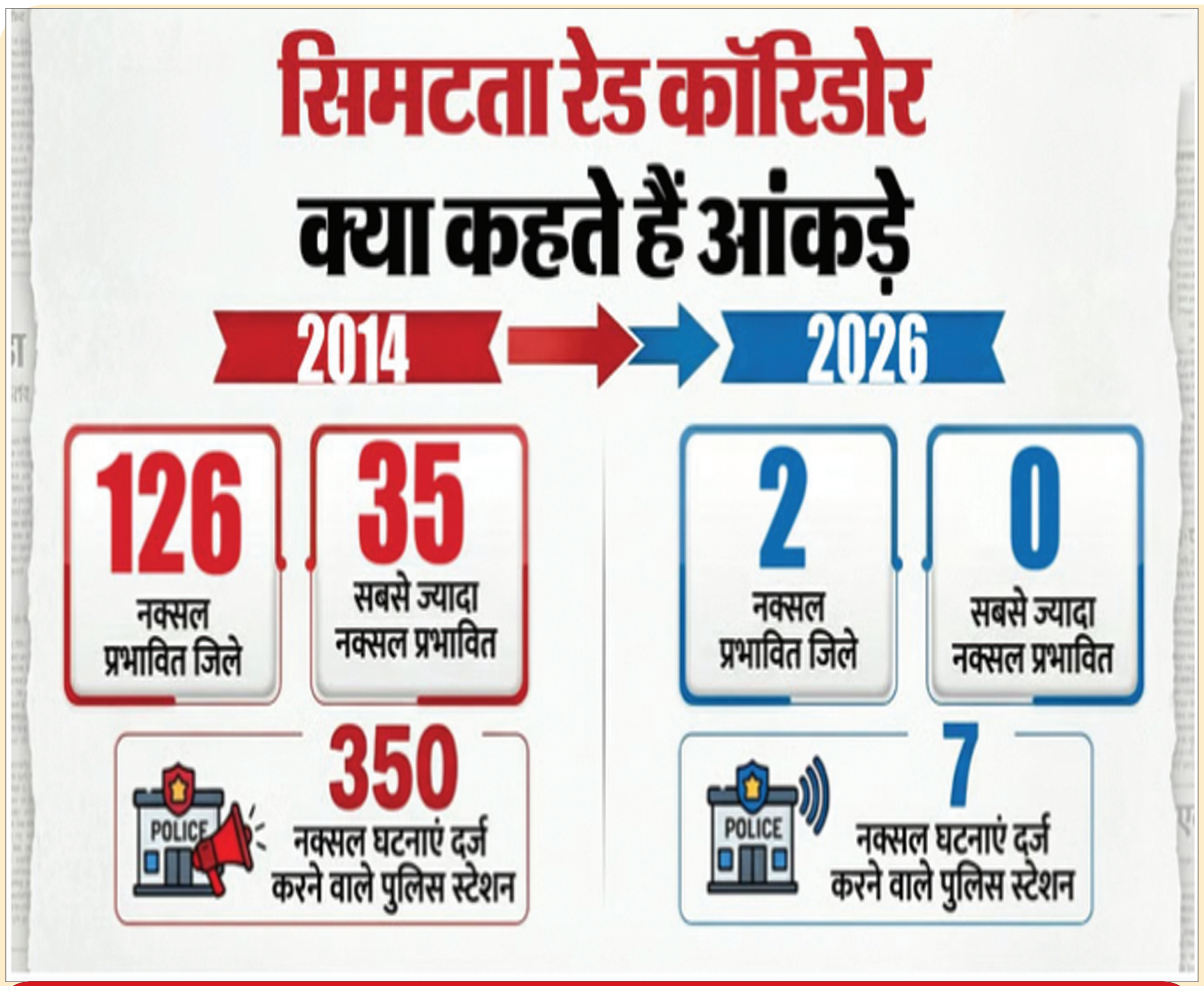

अमित शाह ने बताए देश में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के आंकड़े।

बीते करीब छह दशक से नक्सलवाद भारत के लिए सबसे बड़ी आंतरिक चुनौती बना हुआ था। हालांकि, 31 मार्च (मंगलवार) इस बड़े खतरे के अंत की घोषणा का दिन साबित हो सकता है। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2024 के मध्य में छत्तीसगढ़ में हुई कुछ बैठकों में इस तारीख को नक्सलवाद के अंतिम दिन के तौर पर तय करने का प्रण लिया था। इसके बाद से ओडिशा से लेकर छत्तीसगढ़ और झारखंड से लेकर आंध्र प्रदेश तक न सिर्फ नक्सली नेतृत्व को ध्वस्त किया गया, बल्कि कैडर के कैडर का सफाया कर दिया गया।

चौंकाने वाली बात यह है कि 1967 में एक छोटी सी क्रांति के नाम पर शुरू हुआ नक्सल आंदोलन बीते करीब 60 साल से आम लोगों और सुरक्षा बलों के लिए खतरा बना हुआ था। हालांकि, 2010 के दंतेवाड़ा नक्सल हमले, जिसमें सीआरपीएफ के 76 जवानों की जान चली गई थी, के बाद पहले यूपीए सरकार और इसके बाद एनडीए सरकार ने वामपंथी चरमपंथ पर लगाम लगाने की कोशिशें शुरू कर दीं।

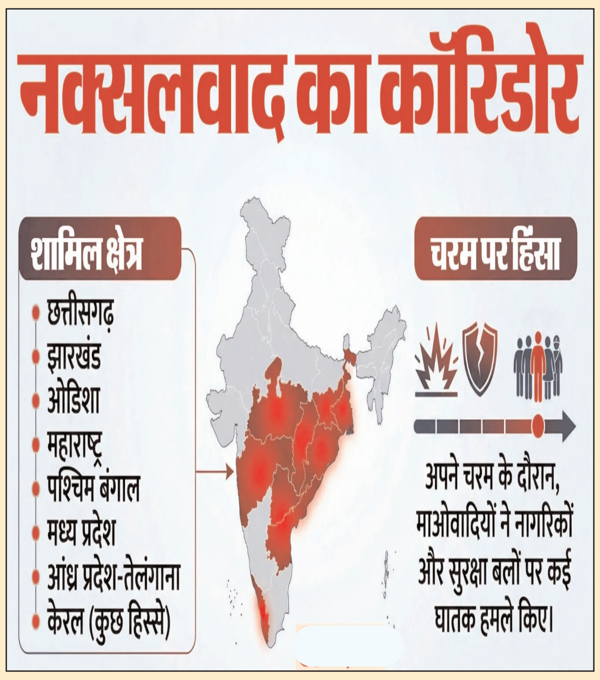

1967 के बाद कितना बड़ा हो चुका था नक्सलवाद का फैलाव

पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव में एक छोटे से किसान विद्रोह के रूप में यह जन्मा था। दरअसल, यहां कट्टरपंथी वाम नेताओं ने मजदूरों और किसानों को स्थानीय जमींदारों के खिलाफ एकजुट कर लिया। शुरुआत में तो इस आंदोलन का लक्ष्य अपने अधिकार मांगने तक था, लेकिन बाद में यह हिंसक हो गया।

देखते ही देखते नक्सलबाड़ी में किसानों के इस हिंसक आंदोलन का असर पूरे देश में दिखने लगा और जमींदारों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई। यहीं से नक्सलवाद का उभार हुआ। एक के बाद एक बिहार से लेकर ओडिशा तक कई वाम चरमपंथी संगठनों का उभार हुआ। 1970 के दशक में यह सभी संगठन एक साथ आ गए और जन्म हुआ- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी का, जो कि चीन के शासक माओ जिदॉन्ग के आंदोलन से प्रेरित थी और हिंसा के जरिए अपने हक हासिल करने का समर्थन करती थी। इस संगठन ने भारत सरकार के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया। रिपोर्ट्स की मानें तो एक समय नक्सलवाद बड़े-छोटे स्तर पर 10 राज्यों तक फैला था। उस दौर में वामपंथी उग्रवाद ने भारत में कम से कम 180 जिलों को प्रभावित किया था।

सरकारी रिकॉर्ड्स के मुताबिक, 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की 16,463 घटनाएं दर्ज की गईं। इस दौरान नक्सल हमलों में 1,851 सुरक्षाकर्मियों की जान जाने का भी रिकॉर्ड है। इसी समय में 4,766 आम लोगों की भी जान गई।

वाम चरमपंथ पर लगाम लगाने की कोशिशें कब से शुरू हुई

शुरुआती कार्रवाई (1960-70 का दशक): 1967 में नक्सलबाड़ी विद्रोह के बाद जब यह आंदोलन फैलने लगा, तब सरकार ने नक्सलियों पर कड़ी कार्रवाई की। इस कार्रवाई से यह मूल आंदोलन एक तरह से खत्म हो गया। इसके मुख्य विचारक चारू मजूमदार को गिरफ्तार कर लिया गया, जिनकी 1972 में पुलिस हिरासत में मौत हो गई। हालांकि, यह आंदोलन तब तक सिर्फ नक्सलबाड़ी तक सीमित नहीं था। यह कई और राज्यों में फैल चुका था। केंद्र और राज्य सरकार एक साथ इसे खत्म करने के लिए साथ नहीं आ पाईं।

शांति वार्ता के प्रयास (2004): जब 2000 के दशक में नक्सली हिंसा अपने चरम पर थी, तब जून 2004 में तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश की मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी (वाईएसआर) की सरकार ने नक्सलियों के साथ शांति समझौता करने की कोशिश की थी। हालांकि, तब भी दोनों पक्षों के बीच गहरे अविश्वास के कारण यह वार्ता कुछ ही महीनों में विफल हो गई और इसके बाद हिंसा में और तेजी आ गई।

दंतेवाड़ा हमले के बाद भी बनी रहीं मुश्किलें: 2010 में दंतेवाड़ा में हुए एक घातक नक्सली हमले में सीआरपीएफ के 76 जवानों की जान चली गई थी। इसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने 2009 के बयान को दोहराया था और नक्सलवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही। हालांकि, एक बार फिर यह कोशिशें समन्वय की कमी से जूझती दिखीं। नतीजतन मई 2013 में नक्सलियों ने एक और बड़े हमले को अंजाम दिया। बस्तर जिले की झीरम घाटी में नक्सलियों ने 29 लोगों को हत्या कर दी, जिसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष नंद कुमार पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री- विद्याचरण शुक्ल भी शामिल थे।

2014 के बाद से कैसे बदली केंद्र-राज्यों की रणनीति

2014 के बाद केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ मिलकर एक एकीकृत, बहुआयामी और निर्णायक रणनीति तैयार की।

1. संयुक्त अभियान और सटीक खुफिया तंत्र

विशेषज्ञों के मुताबिक, पहले जंगलों में बड़े पैमाने पर की जाने वाली सामान्य तलाशी की जगह अब सटीक खुफिया जानकारी पर आधारित स्ट्राइक ने ले ली।

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और राज्य की पुलिस इकाइयों के बीच बेहतरीन तालमेल स्थापित किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पहले गृह मंत्री राजनाथ सिंह और अब अमित शाह ने खुद इस तालमेल की निगरानी शुरू की।

नक्सली कमांड को खत्म करने के लिए अब केंद्र-राज्य टास्क फोर्स मिलकर काम कर रही हैं और ड्रोन तथा सैटेलाइट मैपिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

2. राज्यों का क्षमता निर्माण

केंद्र सरकार ने राज्यों की पुलिस और खुफिया तंत्र को मजबूत करने के लिए भारी वित्तीय सहायता दी है। राज्यों को दी जाने वाली राशि में 155% की बढ़ोतरी की गई।

सरकार ने 2022 में स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम (एसआईएस) के तहत राज्य के स्पेशल फोर्सेज और स्पेशल इंटेलिजेंस ब्रांच को भी मजबूत किया।

पिछले 10 वर्षों में राज्य पुलिस के लिए नक्सल प्रभावित इलाकों में 586 किलेबंद पुलिस स्टेशन बनाए हैं, जिससे पुलिस की पकड़ मजबूत हुई।

3. फंडिंग नेटवर्क को पूरी तरह तोड़ना

केंद्र सरकार की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भी नक्सलवाद की कमर तोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। एनआईए ने नक्सलवाद विरोधी एक अलग विंग बनाया है। इसके अलावा एजेंसी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्य की एजेंसियों ने मिलकर संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नक्सलियों की लगभग 92 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं।

4. तेज ढांचागत विकास

सुरक्षा बलों की आवाजाही और स्थानीय लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केंद्र और राज्यों ने मिलकर रेड कॉरिडोर में 12,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया है। इसके अलावा दुर्गम इलाकों में खुफिया जानकारी और संचार को बेहतर बनाने के लिए 8,500 से अधिक 4जी मोबाइल टावर चालू किए गए हैं।

5. आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति में मजबूती

आत्मसमर्पण नीति के तहत बड़े माओवादी नेताओं को हथियार डालने पर पांच लाख रुपये, निचले कैडर को ढाई लाख रुपये और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 36 महीने तक 10,000 रुपये का मासिक वजीफा देने की योजना लागू की है।

बड़े नक्सल चेहरों के खात्मे से तय हुआ नक्सलवाद का अंत

नम्बाला केशव राव उर्फ बसवराजू: यह भाकपा (माओवादी) का महासचिव और संगठन का सर्वोच्च रणनीतिकार था। मई 2025 में छत्तीसगढ़ के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले नक्सली गढ़ अबूझमाड़ में हुए एक बड़े ऑपरेशन में इसे 26 अन्य नक्सलियों के साथ मार गिराया गया।

माडवी हिडमा: यह केंद्रीय समिति का खूंखार कमांडर था और 2010 में 76 सीआरपीएफ जवानों की जान लेने वाले दंतेवाड़ा हमले का मुख्य मास्टरमाइंड था। नवंबर 2025 में आंध्र प्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा पर हुई एक लंबी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने इसे ढेर कर दिया।

प्रताप रेड्डी रामचंद्र रेड्डी उर्फ चलपति: केंद्रीय समिति का यह वरिष्ठ सदस्य नक्सलियों की रसद, भर्ती और विभिन्न राज्यों के बीच समन्वय का काम देखता था। जनवरी 2025 में छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा के पास हुए एक संयुक्त अभियान में इसे मार गिराया गया।

अन्य शीर्ष नेता: इन बड़े चेहरों के अलावा, कट्टा रामचंद्र रेड्डी, कदारी सत्यनारायण रेड्डी, गजरला रवि, सहदेव सोरेन, बालकृष्ण, नरसिम्हा और चेलम जैसे केंद्रीय समिति के कई अन्य सदस्य भी हाल के अभियानों में मारे गए हैं। फरवरी 2026 में हुए एक अन्य एनकाउंटर में प्रभाकर राव, पारकल वीर, स्वामी, पडकाला स्वामी और लोकेटी चंदर राव समेत सात नक्सली नेताओं को मार गिराया गया।

आंकड़ों की बात करें तो, 2024 और 2025 के दौरान कुल 28 शीर्ष नक्सली नेताओं को ढेर किया गया है, जिनमें से 6 केंद्रीय समिति के सदस्य थे। इन शीर्ष कमांडरों के खात्मे से माओवादी संगठन का ढांचा और उनकी सैन्य ताकत लगभग पूरी तरह से चरमरा गई है।

मौजूदा समय में देश में नक्सलवाद के खात्मे की स्थिति

मौजूदा समय (2026) में भारत में नक्सलवाद या वामपंथी उग्रवाद का फैलाव अपने सबसे निचले स्तर पर आ चुका है। केंद्र-राज्य सरकारों के अलावा कई स्वतंत्र संगठनों ने भी पुष्टि की है कि कभी कई राज्यों में फैला विशाल रेड कॉरिडोर अब लगभग खत्म होने की कगार पर है।

प्रभावित जिलों में आई कमी

जहां 2014 में देश के 126 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर मात्र 11 रह गई थी। फरवरी 2026 को गृह मंत्रालय की एक समीक्षा बैठक में सामने आया कि अब देश में केवल सात जिले ही वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित बचे हैं। इसके अलावा 2014 में 36 जिले नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों की श्रेणी में आते थे, जिनकी संख्या अब घटकर सिर्फ तीन रह गई है।

कैडरों की घटती संख्या

फरवरी 2026 की एक खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में जहां 2,000 से अधिक सशस्त्र माओवादी थे, वहीं अब पूरे देश में केवल 220 सशस्त्र माओवादी कैडर ही बचे हैं।

दशकों पुराने गढ़ों का खात्मा

सुरक्षाबलों के लगातार अभियानों (जैसे- ऑपरेशन ऑक्टोपस और डबल बुल) के जरिए पिछले तीन दशकों से नक्सलियों के कब्जे वाले बूढ़ा पहाड़, पारसनाथ, बरमसिया और चकरबंधा (बिहार) जैसे बड़े गढ़ों को पूरी तरह से मुक्त करा लिया गया है। साथ ही अबूझमाड़ (छत्तीसगढ़) जैसे अभेद्य माने जाने वाले जंगलों में भी सुरक्षाबलों ने स्थायी कैंप स्थापित कर लिए हैं।

पीएम लेकर आए ऐसा तगड़ा कानून, अर्बन नक्सलियों की पूरी प्रॉपर्टी हो जाएगी सीज!

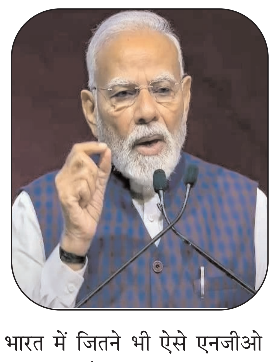

भारत में जितने भी ऐसे एनजीओ चल रही हैं या जो सो कॉल्ड सामाजिक संस्थाएं चल रही हैं जो विदेशों से पैसा लेती हैं, उन सब पर अब सरकार का बड़ा प्रहार होने जा रहा है। कैसे? सारी रिपोर्ट देनी होगी फंडिंग की। एक-एक चीज का ब्यौरा देना होग। इसीलिए एफसीआरए अमेंडमेंट बिल पेश किया गया है। विधेयक में एफसीआरए लाइसेंस रद होने या समाप्त होने की स्थिति में विदेशी अनुदान से बनाई गई संपत्तियों जब्त करने और उनकी देख-रेख के लिए केंद्र और राज्य के स्तर पर नई अथॉरिटी बनाने का प्रविधान है।

विपक्ष ने क्या कहा?

विपक्ष की ओर विधेयक को 'खतरनाक' बताकर पेश करने का विरोध का जवाब देते हुए गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि यह वास्तव में उन लोगों के लिए 'खतरनाक' है जो विदेशी योगदान का इस्तेमाल जबरन धर्मांतरण के लिए या व्यक्तिगत लाभ करते हैं।

एफसीआरए क्या है?

एफसीआरए का फुल फॉर्म Foreign Contribution Regulation Act जिसे हिंदी में विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम कहा जाता है। विदेशी दान को नियंत्रित करता है और यह सुनिश्चित करता है कि ऐसे योगदान आंतरिक सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालते हैं। पहली बार 1976 में अधिनियमित किया गया था, इसे 2010 में संशोधित किया गया था जब विदेशी दान को विनियमित करने के लिए कई नए उपायों को अपनाया गया था। एफसीआरए उन सभी संघों, समूहों और गैर सरकारी संगठनों पर लागू होता है जो विदेशी चंदा प्राप्त करना चाहते हैं। इन संस्थाओं के लिए एफसीआरए के तहत पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। शुरुआत में यह पंजीकरण पांच वर्षों के लिए होता है, जिसे सभी मानदंडों को पूरा करने पर रिन्यू करवाए जाने का प्रावधान है।

कानून में हो रहे इन बदलावों को आप आसान भाषा में इस तरह समझ सकते हैं:

1. पहला बड़ा बदलाव सजा और जांच के तरीके में है। सरकार ने इस कानून के उल्लंघन पर होने वाली जेल की सजा को 5 साल से घटाकर सिर्फ 1 साल कर दिया है। इसके पीछे सोच यह है कि छोटी गलतियों पर अपराधी बनाने के बजाय संस्थाओं को नियम सुधारने का मौका दिया जाए। साथ ही, अब किसी भी संस्था के खिलाफ पुलिस सीधे जांच शुरू नहीं कर पाएगी; इसके लिए पहले केंद्र सरकार की मंजूरी लेनी होगी। जानकारों का मानना है कि इससे अधिकारियों की मनमानी कम होगी और समाजसेवी संस्थाएं बिना डरे काम कर सकेंगी।

2. दूसरा बदलाव संस्था चलाने वाले लोगों की जिम्मेदारी से जुड़ा है। अब सरकार ने मुख्य पदाधिकारियों का दायरा बढ़ा दिया है। इसका मतलब है कि अब संस्था के केवल बड़े अफसरों ही नहीं, बल्कि ट्रस्टी, पार्टनर और कमिटी के अन्य महत्वपूर्ण सदस्यों पर भी कड़ी नजर रहेगी। अगर इनमें से किसी का भी पिछला रिकॉर्ड खराब है या उन पर कोई केस चल रहा है, तो उस संस्था को विदेशी चंदा लेने का लाइसेंस नहीं मिलेगा। आसान शब्दों में कहें तो, सरकार ने सजा तो कम कर दी है, लेकिन संस्था चलाने वाले लोगों की ईमानदारी की जांच का घेरा और चौड़ा कर दिया है। विदेशी फंडिंग सिस्टम पर नियंत्रण और सख्त होगा। विदेशी धन और संपत्तियों की निगरानी के लिए अलग से अथॉरिटी बनेगी। एनजीओ का रजिस्ट्रेशन रिन्यू नहीं हुआ तो सारी संपत्ति अथॉरिटी के पास चली जाएगी।

विवियन डीसेना फिर बने पिता, बोले- 'इस बार राजकुमार का जन्म हुआ है'

मुंबई। टीवी इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता विवियन डीसेना अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। इस बीच सोमवार को विवियन डीसेना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए एक बड़ी खुशखबरी साझा की। दरअसल, उन्होंने पोस्ट में पिता बनने की खबर दी।

विवियन डीसेना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''थोड़ा समय के लिए मैं लोगों की नजरों से दूर रहा... लेकिन बेवजह नहीं। कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जिन्हें पहले जीया जाता है, बताया बाद में जाता है। मेरी खामोशी ही बहुत कुछ कह रही थी... मेरा परिवार अब और बड़ा हो गया है... और इस बार... एक राजकुमार का जन्म हुआ है।'

उनके इस पोस्ट पर हर कोई उन्हें बधाई दे रहा है।

एक यूजर ने लिखा, 'ओह माय गॉड! बहुत-बहुत बधाई विवियन, पापा बनने पर ढेर सारी शुभकामनाएं!

दूसरे यूजर ने लिखा, 'बहुत शानदार खबर! आपके लिए बहुत खुश हैं, भगवान आपके बेटे को लंबी उम्र दे।

अन्य यूजर्स ने कमेंट्स में लिखा, 'आप एक बेहतरीन पिता बनेंगे, ढेर सारी बधाई', 'राजा को मिल गया उसका राजकुमार.. बधाई हो!', 'भगवान आपके छोटे राजकुमार को हमेशा खुश रखे', 'आपकी फैमिली को ढेर सारी खुशियां मिलें, मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं', और 'बहुत ही प्यारी खबर, दिल से बधाई और आशीर्वाद'...।

अगर विवियन डीसेना की निजी जिंदगी की बात करें, तो उनकी लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प रही है। उन्होंने अपनी लॉन्ग-टाइम पार्टनर नूरन अली से शादी की, जो मिस्त्र की रहने वाली हैं और पेशे से पत्रकार रह चुकी हैं। दोनों की मुलाकात काम के दौरान हुई और धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने अपने रिश्ते को काफी निजी रखा। बाद में उन्होंने मिस्त्र में बेहद सादगी से शादी कर ली। शादी के बाद कपल ने बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने लायन विवियन डीसेना रखा।

बता दें कि विवियन की पहली शादी वाहबीज के साथ 2013 में हुई थी, लेकिन दोनों 2016 में अलग हो गए और 2021 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद उन्होंने 2022 में नूरन अली से शादी की थी। पहली शादी से उन्हें दो बेटियां हैं।

मिडलाइफ गिरावट नहीं, बल्कि खुद को अपग्रेड करने का समय है: लीसा रे

मुंबई। अभिनेत्री लीसा रे अक्सर सोशल मीडिया के जरिए स्वास्थ्य और उम्र बढ़ने को लेकर अपने विचार रखती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने मिडलाइफ में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात की।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने बताया कि यह वीडियो साल 2026 की शुरुआत में बनाया था और अब वे मिडलाइफ एज महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े एक प्लेटफॉर्म से जुड़ चुकी हैं। लीसा ने लिखा, 'बहुत सी महिलाएं मुझे फॉलो कर रही हैं। मिडलाइफ आपसे धीमा होने के लिए नहीं कहती। यह आपसे कहती है कि आप और आगे बढ़ो।

उन्होंने लिखा, ''एचआरटी लेना चाहिए या नहीं?' यह सवाल नहीं है। असल सवाल ये है कि मैं इस नए अध्याय में स्वस्थ, ऊर्जावान और अपने सबसे बेहतरीन रूप में कैसे कदम रखूं? क्योंकि आपका ग्लो-अप किसी एक दवा से नहीं आता। यह स्वयं के नियंत्रण और जिम्मेदारी से आता है। उन्होंने बताया कि हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी मदद कर सकती है।

अनिल कपूर ने सोनम के मां बनने पर बयां की दिल की बात, बोले- नाना का दिल खुशियों से भर गया

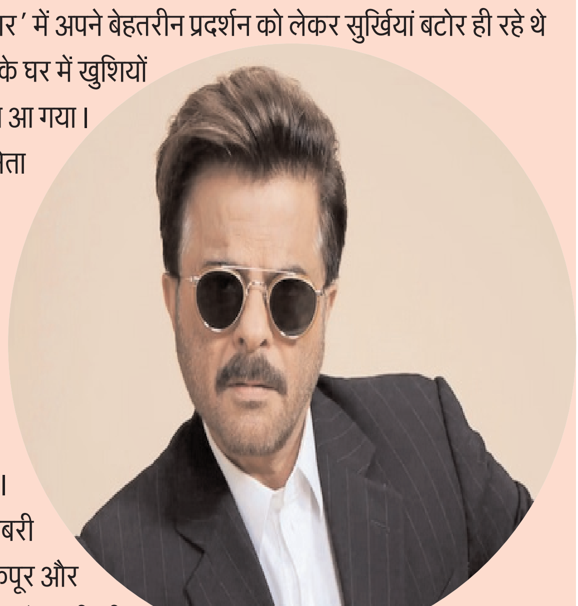

मुंबई। अभिनेता अनिल कपूर की मानो पांचों ऊंगली घी में हैं। अभी कुछ समय से हालिया रिलीज फिल्म 'सूबेदार' में अपने बेहतरीन प्रदर्शन को लेकर सुर्खियां बटोर ही रहे थे कि शनिवार को उनके घर में खुशियों का एक और मौका आ गया। दरअसल, अभिनेता की बेटी और अभिनेत्री सोनम कपूर ने रविवार को दूसरे बच्चे को जन्म दिया। इस खुशखबरी से अनिल कपूर और कपूर परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। अभिनेता ने अपनी खुशी इंस्टाग्राम के जरिए शेयर की।

अभिनेता ने अपनी पोस्ट में नोट लिखकर भावनाएं व्यक्त कीं। अनिल कपूर ने लिखा, 'और इसी के साथ मेरा दिल और भी ज्यादा खुशियों से भर गया है। दुनिया में आपका स्वागत है, मेरे छोटे मेहमान। आप पहले से ही बहुत सारे प्यार के पात्र हैं। वायु, अब तुम बड़े भाई बन गए हो... और मुझे पता है कि तुम शानदार रहोगे।'

अनिल ने आगे लिखा, 'धन्यवाद, सोनम और आनंद...नाना का दिल खुशियों से भर गया है। प्यारे बच्चे, दुनिया में आपका स्वागत है। आपका जीवन हमेशा प्यार और खुशी से भरा रहे। पोस्ट शेयर करने के बाद अनिल के इंडस्ट्री के दोस्तों और कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेत्री सोनम कपूर ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।

निर्देशक अभिराज, तारा शर्मा और मेहंदी आर्टिस्ट वीना नागदा ने कमेंट सेक्शन में बधाई हो लिखते हुए प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री सोनम कपूर ने 29 मार्च को मुंबई में बेटे को जन्म दिया था और रविवार को अभिनेत्री के पति आनंद आहूजा ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी थी।

सोनम और आनंद आहूजा ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद साल 2016 में अपने रिलेशनशिप की घोषणा की थी व साल 2018 में शादी की थी और 2022 में बेटे वायु का स्वागत किया था। अब तीन साल बाद कपल फिर से माता-पिता बन गए हैं।

लिसा कुड्रो को नहीं था 'फ्रेंड्स' की सफलता पर यकीन, पुराने शो को छोड़ने में लग रहा था डर

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार लिसा कुड्रो को आज भी लोग फीबी बुफे के रोल में याद करते हैं। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस शो ने उन्हें दुनियाभर में पहचान दिलाई, उसी को लेकर शुरुआत में वह पूरी तरह आश्वस्त नहीं थीं। दरअसल, जब उन्हें 'फ्रेंड्स' में कास्ट किया गया, तब वह पहले से ही एक दूसरे शो 'मैड अबाउट यू' में काम कर रही थीं और उसे छोड़ने को लेकर असमंजस में थीं। गया। लिसा कुड्रो ने बताया कि उस समय में वह दो अलग-अलग शो में नज़र आ रही थीं और दोनों में उनके किरदार अलग थे। इससे दर्शकों के बीच भ्रम की स्थिति न बने, इसके लिए मेकर्स ने एक दिलचस्प तरीका निकाला था। 'मैड अबाउट यू' के उनके किरदार उर्सुला बफे को 'फ्रेंड्स' में फीबी की जुड़वां बहन के रूप में दिखाया गया।

लिसा कुड्रो ने वैनिटी फेयर मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं 'मैड अबाउट यू' में अपने रोल को लेकर काफी गर्व महसूस करती हूं। इस शो में मेरा किरदार एक वेट्रेस का था। बेशक वह छोटा रोल था, लेकिन मेरे करियर के लिए काफी अहम था। ऐसे में जब मुझे 'फ्रेंड्स' का ऑफर मिला, तो मैं असमंजस में थी। मुझे यह डर था कि नया शो सफल होगा या नहीं, क्योंकि टीवी इंडस्ट्री में कई बार अच्छे शो भी ज्यादा समय तक नहीं चल पाते।

उन्होंने कहा, ''जब 'फ्रेंड्स' का पायलट एपिसोड शूट हुआ, तब भी मुझे पूरी तरह भरोसा नहीं था कि यह शो हिट होगा। मेरे मन में यही चल रहा था कि यह एक अच्छा शो जरूर है, लेकिन इसका सफल होना तय नहीं है। ऐसे में मैं अपने पुराने शो 'मैड अबाउट यू' को अपने पास सुरक्षित रखना चाहती थीं, ताकि अगर 'फ्रेंड्स' ज्यादा समय तक नहीं चला, तो मेरे पास काम बना रहे।

लिसा ने कहा, ''मैं किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती थी। मुझे लगता था कि अगर 'फ्रेंड्स' कुछ एपिसोड के बाद बंद हो गया, तो मेरे पास 'मैड अबाउट यू' जैसा विकल्प होना चाहिए। यही सोचकर मैंने अपने पुराने रोल को बनाए रखने की कोशिश की।

जब 'फ्रेंड्स' साल 1994 में शुरू हुआ, तो उसने इतिहास रच दिया। इस शो में लिसा कुड्रो के साथ जेनिफर एनिस्टन, कर्टनी कॉक्स, डेविड श्विमर, मैट लीब्लैंक और दिवंगत अभिनेता मैथ्यू पेरी जैसे कलाकार भी थे, और यह शो धीरे-धीरे दुनिया के सबसे लोकप्रिय सिटकॉम्स में शामिल हो

जब डाकू ने चाकू से अपने हाथ पर लिया मीना कुमारी का ऑटोग्राफ, सुनसान बीहड़ में घटी थी हैरान कर देने वाली घटना

मुंबई । हिंदी सिनेमा की दुनिया में कई सितारे ऐसे हैं, जो अपनी कला और किस्सों के चलते लोगों के बीच हमेशा बने रहते हैं। मीना कुमारी उन्हीं सितारों में से एक थीं। वह सिर्फ अपने दमदार अभिनय के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी निजी जिंदगी के अनसुने और दिलचस्प किस्सों के लिए भी जानी जाती हैं। 31 मार्च को उनकी पुण्यतिथि के मौके पर हम उनके मध्य प्रदेश के बीहड़ इलाके से जुड़े एक किस्से के बारे में बताएंगे, जहां एक रात उनके साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसे सुनकर आज भी लोग हैरान रह जाते हैं।

मीना कुमारी की जीवनी 'मीना कुमारी- ए क्लासिक बायोग्राफी' के मुताबिक, यह घटना उस समय की है जब मीना कुमारी अपने पति और फिल्म निर्माता कमाल अमरोही के साथ शूटिंग के सिलसिले में यात्रा कर रही थीं। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश के शिवपुरी इलाके से गुजरते समय उनकी कार का पेट्रोल अचानक खत्म हो गया। चारों तरफ सन्नाटा था, दूर-दूर तक कोई नहीं था और रात भी हो चुकी थी। ऐसे में उन्होंने वहीं रुककर सुबह होने का इंतजार करने का फैसला किया। लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह इलाका उस समय डाकुओं के लिए कुख्यात माना जाता था।

रात करीब दो बजे अचानक कुछ हथियारबंद लोग वहां पहुंचे और उन्होंने गाड़ियों को घेर लिया। माहौल एकदम तनावपूर्ण हो गया। पहले तो सभी को लगा कि अब लूटपाट हो सकती है। लेकिन जैसे ही उन लोगों को यह पता चला कि गाड़ी में बैठी महिला मशहूर अभिनेत्री मीना कुमारी हैं, उनके तेवर बदल गए। डाकुओं का व्यवहार अचानक नरम हो गया और उन्होंने पूरी टीम के साथ सम्मानजनक बर्ताव करना शुरू कर दिया।

प्रिया कपूर बनाम मंधिरा कपूर केस: पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टली, अब 22 अप्रैल को अगली तारीख

नई दिल्ली। दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर के परिवार से जुड़ा हाई-प्रोफाइल विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। दरअसल, संजय कपूर की पत्नी प्रिया कपूर द्वारा अपनी ननद मंधिरा कपूर के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले में पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई फिलहाल टाल दी गई है। अदालत ने अब इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 अप्रैल की तारीख तय की है। जानकारी के मुताबिक, सुनवाई के दौरान प्रिया कपूर की तरफ से पेश वकील ने अदालत से समय मांगा, ताकि मंधिरा कपूर द्वारा दायर अर्जी का जवाब तैयार किया जा सके। इस अर्जी में मंधिरा कपूर ने कोर्ट से मांग की है कि प्रिया कपूर उन सभी दस्तावेजों को पेश करें, जिनके आधार पर उन्होंने उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का केस दर्ज कराया है।

इससे पहले की सुनवाई में अदालत ने मंधिरा कपूर को समन जारी किया था। प्रिया कपूर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि मंधिरा कपूर लगातार पॉडकास्ट, सोशल मीडिया और मीडिया इंटरव्यू के जरिए उनके खिलाफ झूठे और भ्रामक बयान दे रही हैं। प्रिया का कहना है कि इन बयानों का मकसद उनकी छवि को नुकसान पहुंचाना है।

दूसरी ओर, मंधिरा कपूर इन आरोपों को खारिज कर चुकी हैं और उनका कहना है कि उन्होंने जो भी कहा है, वह सच है और जरूरत पड़ने पर वह इसे अदालत में साबित करेंगी। उन्होंने दावा किया कि पूरे मामले को संदर्भ से हटाकर पेश किया जा रहा है और असल मुद्दा परिवार की संपत्ति और विरासत का है। दरअसल, यह पूरा विवाद संजय कपूर की मौत के बाद उनकी संपत्ति और वसीयत को लेकर शुरू हुआ। बताया जाता है कि संजय कपूर अपने पीछे करीब 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति छोड़ गए हैं। इस संपत्ति को लेकर परिवार के अलग-अलग सदस्यों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। खासतौर पर वसीयत में किन लोगों के नाम शामिल हैं और किन्हें बाहर रखा गया है, यह मुद्दा सबसे बड़ा विवाद बन चुका है।

मंधिरा कपूर ने पहले भी आरोप लगाया है कि वसीयत में कई गड़बड़ियां हैं और इसमें परिवार के कुछ सदस्यों, खासकर करिश्मा कपूर और उनके बच्चों समायरा और कियान के अधिकारों को नजरअंदाज किया गया है। वहीं प्रिया कपूर का पक्ष है कि वह कानूनी रूप से सही हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं।

विवेक अग्निहोत्री ने की 'धुरंधर' की तारीफ, सिनेमैटोग्राफी व प्रोडक्शन डिजाइन को बताया 'विश्वस्तरीय

मुंबई। आदित्य धर की स्पाई-एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' को भले ही रिलीज हुए कुछ समय बीत गया हो लेकिन इसकी चर्चा अभी भी जोरों पर है। हर कोई फिल्म की कहानी, एक्शन और पूरी टीम की मेहनत की खुलकर तारीफ कर रहा है।

इस दौरान मशहूर निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने फिल्म की खूब सराहना की। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए आदित्य धर और उनकी टीम को बधाई दी। विवेक ने अपनी पोस्ट में बताया कि वे कई दिनों से कैलिफोर्निया के गांव में थे, जिस वजह से फिल्म नहीं देख पाए थे लेकिन बाद में धुरंधर देखने के लिए लॉस एंजेलिस का सफर किया।

निर्देशक ने लिखा, 'शाबाश। एक बार फिर आदित्य धर ने फिल्म्स के जरिए कमाल कर दिया। सच में मुझे नहीं पता क्या कहूं....फिल्म खुद इतनी अच्छी है कि उस पर कुछ जोड़ना सिर्फ शोर होगा।

अमेरिका में मानसिक स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बावजूद नहीं आ रहे अच्छे नतीजे; विशेषज्ञ ने दी चेतावनी

वाशिंगटन । अमेरिका में पहले से कहीं ज्यादा लोग अब मानसिक तनाव या दिमागी परेशानियों का इलाज करा रहे हैं। लेकिन जानकारों ने सरकार को बताया है कि इतना पैसा और समय लगाने के बाद भी लोगों की हालत सुधरने के बजाय और बिगड़ रही है।

दरअसल, मानसिक स्वास्थ्य पर आयोजित कांग्रेसनल राउंडटेबल में लॉमेकर्स और विशेषज्ञों ने कहा कि सिस्टम की पहुंच और लागत तेजी से बढ़ रही है, फिर भी वह ऐसे ठोस सुधार लाने में जूझ रहा है जिन्हें प्रभावी रूप से मापा जा सके।

कांग्रेसी ग्लेन ग्रोथमैन ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य सुविधा पाने वाले युवाओं की संख्या दो दशकों में दोगुनी से ज्यादा हो गई है। यह आंकड़ा 2002 में 27 मिलियन था, जो अब बढ़कर 2024 में लगभग 60 मिलियन तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा, 'तनाव का दर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है और आत्महत्या दर दशकों में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर वापस आ गई है।

ग्रोथमैन ने कहा, 'इससे एक बुनियादी सवाल उठता है। अगर हम पहले से कहीं ज्यादा लोगों का इलाज कर रहे हैं, तो हमें बेहतर नतीजे क्यों नहीं दिख रहे हैं? स्वास्थ्य कानून के प्रोफेसर डेविड हाइमन ने कहा कि समस्या इस बात में है कि सिस्टम कैसे बना है। मानसिक स्वास्थ्य और नशीली दवाओं के इस्तेमाल से होने वाली बीमारियों पर खर्च, कुल स्वास्थ्य सुविधा पर खर्च से ज्यादा तेजी से बढ़ा है, जो अब कुल खर्च का लगभग 5 फीसदी है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि ज्यादा खर्च का मतलब जरूरी नहीं कि बेहतर नतीजे हों। हाइमन ने कहा, 'जब हम सर्विस के लिए पैसे देते हैं, तो हमें सेवा मिलती हैं; जरूरी नहीं कि हमें बेहतर मानसिक स्वास्थ्य मिले।' उन्होंने गलत इंसेंटिव और असर के भरोसेमंद तरीकों की कमी की ओर इशारा किया।

उन्होंने धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र को 'जालसाजी से भरा उद्योग' करार दिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सेवाएं न देने और फर्जी रिकॉर्ड के आधार पर बिलिंग करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। उनके अनुसार, कड़े प्रवर्तन के बावजूद अब तक इसका प्रभाव सीमित रहा है और फिलहाल सिस्टम के दुरुपयोग को रोका नहीं जा सका है। मनोचिकित्सक सैली सैटेल ने नीति-निर्धारकों को बताया कि इस समस्या का एक प्रमुख कारण 'ओवरडायग्नोसिस' और सामान्य जीवन की परेशानियों का 'मेडिकलाइजेशन' करना है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'अक्सर डॉक्टर ऐसे लोगों का भी उपचार कर रहे हैं, जिन्हें वास्तव में कोई मानसिक विकार नहीं है। हालांकि, कुछ गंभीर स्थितियां वाकई चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं। उन्होंने बच्चों में निदान के मामलों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी की ओर ध्यान दिलाया। 2023 में हर 36 में से एक बच्चे में ऑटिज्म पाया गया, जबकि 2006 में यह आंकड़ा 110 में से एक था। बता दें, ऑटिज्म मस्तिष्क के विकास से संबंधित एक न्यूरो-डेवलपमेंटल अवस्था है, जो जन्म से ही शुरू होती है। वहीं, लगभग हर 10 में से एक युवा में एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर) की पहचान हो रही है।

पीएम ताकाइची जारी संघर्ष के बीच ईरान के साथ उच्च स्तरीय बातचीत को तैयार, जापान का हित सर्वोपरि

टोक्यो । जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सोमवार को कहा कि अगर यह जापान के राष्ट्रीय हित में होगा, तो वह ईरानी नेतृत्व के साथ 'सही' समय पर बातचीत करने पर विचार करेंगी, क्योंकि मिडिल ईस्ट में तनाव अभी भी बहुत ज्यादा है।

क्योडो न्यूज के मुताबिक, ताकाइची ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स बजट कमेटी के एक सत्र में कहा, 'मैं बातचीत के लिए सही समय का फैसला देश के हित के आधार पर पूरी तरह से करूंगी।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में स्थिरता जापान के लिए बहुत जरूरी है, जो अपने 90 फीसदी से ज्यादा कच्चे तेल के इंपोर्ट के लिए इस इलाके पर निर्भर है।

19 मार्च को जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कहा कि उनके अनुसार वैश्विक सुरक्षा संकटों के दौर में शांति स्थापित करने की क्षमता सिर्फ ट्रंप में है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात व्हाइट हाउस में उस समय हुई, जब मिडिल ईस्ट में तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं।

ओवल ऑफिस में दिए अपने बयान में पीएम ताकाइची ने क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अमेरिका के प्रयासों के साथ जापान के मजबूत समर्थन को दोहराया और ऊर्जा आपूर्ति के साथ-साथ समुद्री नेविगेशन से जुड़े जोखिमों पर भी ध्यान केंद्रित किया।

इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम ताकाइची के नेतृत्व और चुनावी जीत की भी सराहना करते हुए कहा, 'हमारे पास एक बहुत पॉपुलर, पावरफुल महिला हैं और वह एक बेहतरीन महिला हैं। उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ तरीके से जबरदस्त चुनाव जीता है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। जापान की पीएम साने ताकाइची ने व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप से कहा कि मेरा मानना है कि सिर्फ आप ही हैं, जो पूरी दुनिया में शांति ला सकते हैं। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने ईरान, ऊर्जा सुरक्षा और मिडिल ईस्ट में उथल-पुथल पर बात की।

एशिया में कम हो रहा तेल भंडार, जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट में अमेरिका और यूरोप को लेकर भी चेतावनी जारी

नई दिल्ली । ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल के हमलों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट अभी बंद है। इसकी वजह से मिडिल ईस्ट का तेल बाकी दुनिया में नहीं जा पा रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि तमाम देशों को घटते तेल स्टॉक का असर महसूस होने लगा है। प्रमुख अमेरिकी वित्तीय संस्था जेपी मॉर्गन ने पिछले हफ्ते जारी एक रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि जैसे-जैसे यह झटका पश्चिम की ओर बढ़ेगा, एशिया पर इसका असर सबसे पहले पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार अगला नंबर अमेरिका और यूरोप का होगा।

आमतौर पर, फारस की खाड़ी से तेल का शिपमेंट 10 से 20 दिनों में एशिया पहुंचता है। लगभग 20 से 35 दिनों में यूरोप और अफ्रीका और फिर आखिर में लगभग 35 से 45 दिनों के बाद अमेरिका पहुंचते हैं।

जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम की ओर बढ़ रही सप्लाई में रुकावट की वजह से एशिया को सबसे पहले दबाव महसूस होगा। आखिरी तेल टैंकर 28 फरवरी को स्ट्रेट से निकला था और युद्ध से पहले ये आखिरी शिपमेंट ज्यादातर खत्म हो चुके हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया पर खास तौर पर बुरा असर पड़ेगा। इस इलाके में तेल एक्सपोर्ट में महीने-दर-महीने 41 फीसदी की गिरावट का जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया, 'तेल से संबंधित मुख्य चुनौती कीमत से फिजिकल कमी में बदल गई है।

दक्षिण पूर्व एशिया के बाद स्थिति से अफ्रीका प्रभावित होगा, जिसका असर अप्रैल की शुरुआत तक और बढ़ जाएगा, हालांकि यह लोकल स्टॉक लेवल और देश में आयात किए गए तेल पर कितने आश्रित हैं, इस पर निर्भर करता है। जेपी मॉर्गन ने कहा कि तनाव के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं। केन्या में रिटेल लेवल पर फ्यूल की कमी हो रही है, जबकि तंजानिया के पास अभी काफी स्टॉक है।

यूरोप पर इसका असर अप्रैल के बीच तक महसूस होने की संभावना है, हालांकि उसके पास मजबूत इन्वेंट्री बफर और अल्टरनेटिव अटलांटिक बेसिन सप्लाई का फायदा है।रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका को सबसे आखिर में झटका लगेगा।

अफगानिस्तान के कुनार में पाकिस्तान ने दागे गोले, एक की मौतः तालिबान

काबुल। पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर पर स्थितियां सामान्य नहीं हैं। दोनों ओर से हमले जारी हैं। स्थानीय मीडिया ने सोमवार को अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में रिहायशी इलाकों पर रॉकेट हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। सीमा पार से दागे गोले असदाबाद के नजदीकी इलाकों और आस-पास के घरों पर गिरे, जिससे बॉर्डर पर तनाव बढ़ने का डर पैदा हो गया है।

तालिबान के प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने कहा कि आम लोगों के घरों को निशाना बनाकर किया गया हमला रविवार शाम करीब 5 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुआ, जिसके बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, ऐसा अफगानिस्तान की जानी-मानी न्यूज एजेंसी खामा प्रेस ने बताया। उन्होंने पाकिस्तान पर बॉर्डर के पास रिहायशी इलाकों में फायरिंग का आरोप लगाया। ईद पर हुए अल्प संघर्ष विराम के बाद हुआ ये बड़ा हमला माना जा रहा है। इस्लामाबाद ने कहा है कि उसके मिलिट्री ऑपरेशन में आतंकियों को टारगेट किया जा रहा है, हालांकि इस दावे को तालिबान ने खारिज कर दिया है। हाल के हफ्तों में, एयरस्ट्राइक, आर्टिलरी फायर और दोनों तरफ से आरोपों की वजह से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इस बीच स्थानीय मीडिया ने खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व चीफ सेक्रेटरी अरबाब शहजाद खान के हवाले से बताया कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान शांति जिरगा 31 मार्च को पेशावर में होगी, जिसमें दोनों देशों के नेतृत्व से तनाव कम करने और शांति की दिशा में काम करने की अपील की जाएगी।

पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक डॉन ने बताया कि पेशावर प्रेस क्लब में पत्रकारों को संबोधित करते हुए 'एस्पायर खैबर पख्तूनख्वा' के अध्यक्ष (कौमी इस्लाही तहरीक के साथ मिलकर जिरगे का आयोजन करा रहे) खान ने कहा कि राजनीतिज्ञ, कबायली बुजुर्ग, धार्मिक जानकार, सिविल सोसाइटी के सदस्य, व्यापारी और खैबर पख्तूनख्वा और पाकिस्तान में रहने वाले अफगानों के मीडिया प्रतिनिधि बैठक में हिस्सा लेंगे। अरबाब शहजाद खान ने जोर देकर कहा कि जंग किसी भी समस्या का समाधान नहीं है और मसले को बातचीत से सुलझाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि फोरम आपसी सम्मान, एक दूसरे के प्रति विश्वास बढ़ाने के उपायों और बातचीत के जरिए सतत शांति को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा।

लेबनान में यूएनआईएफआईएल ऑफिस के पास हमला, एक इंडोनेशियाई शांतिसैनिकं की मौत

जकार्ता/बेरूत । लेबनान के दक्षिणी गांव अदशित अल-कुसैर में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के साथ काम कर रही इंडोनेशियाई यूनिट के मुख्यालय पर इजरायल की तरफ से की गई गोलाबारी में एक इंडोनेशियाई नागरिक की मौत हो गई। इंडोनेशिया ने इस मामले में पारदर्शिता के साथ जांच की मांग की है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि रविवार (लोकल टाइम) को शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया कि यूएनआईएफआईएल के लोग घायल हुए हैं। गोलाबारी के बाद यूएनआईएफआईएल के हेलीकॉप्टर घटनास्थल वाली जगह की ओर जाते देखे गए। यह हमला लेबनान-इजरायल बॉर्डर पर लगातार गोलीबारी और दक्षिणी लेबनान में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है।

यूएनआईएफआईएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा, 'कल रात अदचित अल कुसैर के पास यूएनआईएफआईएल की एक जगह पर एक प्रोजेक्टाइल फटने से एक शांतिसैनिक की दुखद मौत हो गई। एक और गंभीर रूप से घायल हो गया। शांति के लिए काम करते हुए किसी को भी अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए। इसमें कहा गया, 'एक बार फिर, हम सभी लोगों से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों को निभाने और हर समय यूएन के लोगों और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करते हैं, जिसमें ऐसे कामों से बचना भी शामिल है जिनसे शांतिसैनिकों को खतरा हो सकता है। इसमें आगे कहा गया, 'शांतिसैनिकों पर जानबूझकर किए गए हमले अतंरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1701 का गंभीर उल्लंघन हैं और ये युद्ध अपराध हो सकते हैं। इस लड़ाई में ब्लू लाइन के दोनों तरफ कई मौतें हुई हैं। इसका कोई सैन्य हल नहीं है। हिंसा खत्म होनी चाहिए। इंडोनेशिया ने पुष्टि की है कि अदचित अल कुसैर में उसके एक शांतिसैनिक की मौत हो गई है और इस घटना की निंदा करते हुए पूरी तरह से पारदर्शी जांच की मांग की है। इंडोनेशिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'इंडोनेशिया गणराज्य की सरकार लेबनान में यूएनआईएफआईएल के साथ काम कर रहे एक इंडोनेशियाई शांतिसैनिक की मौत और तीन अन्य के घायल होने पर अपनी गहरी संवेदनाएं जताती है। मंत्रालय ने कहा, 'हमें इस नुकसान से बहुत दुख हुआ है। हम अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए उनके समर्पण और सेवा के लिए शहीद शांतिसैनिक को अपना पूरा सम्मान देते हैं। हमारी दुआएं दुखी परिवार के साथ हैं, और हम घायल लोगों के पूरी तरह और जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। इंडोनेशिया, यूएनआईएफआईएल के साथ मिलकर शहीद को जल्दी वापस लाने और घायलों को सबसे अच्छा मेडिकल इलाज दिलाने के लिए काम कर रहा है। इंडोनेशिया ने फिर से दक्षिणी लेबनान में इजरायल के हमलों की निंदा और सभी पार्टियों से लेबनान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने, आम लोगों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले रोकने, और आगे बढ़ने से रोकने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी पर लौटने को कहा।

अमेरिकी कांग्रेस में ईरान के खिलाफ कार्रवाई को लेकर नाराजगी, सैनिकों और युद्ध शक्तियों में टकराव जारी

वाशिंगटन । ईरान में ग्राउंड पर सेना तैनात करने की संभावना को लेकर अमेरिका के सीनेटरों में गहरी चिंता है। अमेरिका के वरिष्ठ नेताओं ने बढ़ते खतरों, साफ मकसद और कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत पर जोर दिया है।

मीडिया में सैन्य कार्रवाई बढ़ने की खबरों के बीच यह बहस और तेज हो गई है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने बताया कि हजारों और अमेरिकी सेवा सदस्य मिडिल ईस्ट पहुंच रहे हैं, क्योंकि लड़ाई में एक नया मोर्चा खुल रहा है।

डेमोक्रेटिक सीनेटर एंडी किम ने और ज्यादा सैन्य दखल के खिलाफ चेतावनी दी और इस पल को हाल के दिनों में सबसे अहम पलों में से एक बताया। उन्होंने सीएनएन से कहा, 'हम ईरान में जमीन पर अमेरिकी सैनिक नहीं भेज सकते।' इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा कदम बहुत जोखिम भरा ऑपरेशन होगा।

किम ने मिशन की रणनीतिक स्पष्टता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह 'सिर्फ इसे लंबा खींचेगा और ऐसे समय में खतरा बढ़ाएगा जब हमने पहले ही इतने सारे सैनिकों को खतरे में देखा है।

उन्होंने सैन्य संघर्ष की समाप्ति के लिए एक तय रुपरेखा की कमी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'यह एक लगातार बदलता हुआ मकसद है, जो सरकार की युद्ध रणनीति को लेकर सांसदों के बीच बड़ी बेचैनी को दिखाता है।

हालांकि, रिपब्लिकन ने सरकार के तरीके का बचाव किया और ट्रंप सरकार के फैसले को ईरान की क्षमताओं का मुकाबला करने के लिए जरूरी बताया।

हाउस मेजॉरिटी लीडर स्टीव स्कैलिस ने कहा कि न्यूक्लियर और मिसाइल प्रोग्राम से जुड़े खतरों को खत्म करने पर फोकस बना हुआ है।

स्कैलिस ने एबीसी न्यूज को बताया, 'यही असली खतरा है जो वे अमेरिका और बाकी दुनिया के लिए पैदा करते हैं, जिसे खत्म करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप काम कर रहे हैं। इस ऑपरेशन को शुरू करने का जो लक्ष्य था, उसपर पहुंच रहे हैं।'

उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने दोनों पार्टियों को शामिल करते हुए क्लासिफाइड ब्रीफिंग के जरिए कांग्रेस से बातचीत की थी।

हालांकि, ट्रंप सरकार के इस फैसले को लेकर केवल डेमोक्रेट्स ही नहीं, बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के अंदर भी मतभेद है। कांग्रेस सदस्य नैन्सी मेस ने सीएनएन को बताया कि सैनिकों को भेजने का कोई भी फैसला प्रतिनिधियों से ही लेना होगा। उन्होंने कहा, 'अगर हम ऐसा करने जा रहे हैं, तो कांग्रेस के पास आएं और सही अधिकारियों से ऐसा करवाएं।

मेस ने मानवीय नुकसान के बारे में भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे हमारे सैनिकों और हमारे बेटे-बेटियों पर युद्ध के असर की चिंता है, जिन्हें हम युद्ध में भेज रहे हैं।

डेमोक्रेटिक कांग्रेसी सुहास सुब्रमण्यम ने भी कांग्रेस की निगरानी की मांग दोहराई। उन्होंने सीएनएन से कहा, 'राष्ट्रपति को अब कांग्रेस में आना चाहिए, खासकर जमीनी सेना भेजने के लिए।

सीनेटरों में यह राजनीतिक मतभेद अमेरिका के लक्ष्यों को लेकर बड़ी अनिश्चितता को दिखाता है, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या फोकस ईरान की न्यूक्लियर क्षमता को खत्म करना है, मिसाइल सिस्टम को टारगेट करना है या शासन बदलना है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस के बॉलरूम में सुरक्षा सुविधाओं के बारे में दी जानकारी

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में प्रस्तावित नए बॉलरूम की योजनाओं की जानकारी दी, जिसमें बुलेटप्रूफ कांच और ड्रोन-प्रतिरोधी डिजाइन जैसी विशेषताएं शामिल होंगी। उन्होंने इसे एक प्रमुख वास्तुशिल्पीय जोड़ बताया, जिसे करदाताओं के धन के बिना बनाया जाएगा और जिसका उद्देश्य बड़े राजकीय कार्यक्रमों की मेजबानी करना है।

ट्रंप ने एयरफोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि 150 वर्षों से वे व्हाइट हाउस में एक बॉलरूम बनाना चाहते थे। उन्होंने इस परियोजना को राष्ट्रपति परिसर के लंबे समय से लंबित उन्नयन के रूप में बताया।

उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस के मौजूदा स्थान बड़े कूटनीतिक कार्यक्रमों के लिए बहुत छोटे हैं। उन्होंने कहा, 'जब हमारे पास गणमान्य व्यक्ति आते हैं...हमारे पास बहुत छोटे कमरे होते हैं। वे उस क्षमता को संभालने के लिए पर्याप्त बड़े नहीं हैं जिसकी आवश्यकता होती है।

प्रस्तावित बॉलरूम को ऐतिहासिक इमारत के आकार और शैली के अनुरूप डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा, 'यह व्हाइट हाउस की ही ऊंचाई का है... यह व्हाइट हाउस से मेल खाता है और उसी के अनुरूप है।' उन्होंने जोड़ा कि यह 'एक शानदार मेल' होगा।

उन्होंने इस परियोजना को बड़े पैमाने पर बताते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि यह दुनिया में अपने तरह का सबसे बेहतरीन बॉलरूम होगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा इस डिजाइन की एक प्रमुख विशेषता है, जो बदलते खतरों को दर्शाती है। हमारे पास पूरी तरह बुलेटप्रूफ कांच होगा... ड्रोन-प्रतिरोधी छतें, सब कुछ ड्रोन-प्रूफ और बुलेटप्रूफ होगा।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह संरचना बड़े राष्ट्रीय समारोहों की मेजबानी करने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा, 'यह शपथग्रहण समारोह को संभालने में भी सक्षम है।

उन्होंने कहा कि बॉलरूम में उच्च स्तरीय वास्तुशिल्प तत्व शामिल होंगे, जैसे हाथ से तराशी गई स्तंभ। वे कोरिंथियन शैली के होंगे, जिन्हें सबसे बेहतरीन और सबसे सुंदर माना जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह परियोजना निजी रूप से वित्तपोषित है। सारा पैसा...मेरे और दाताओं द्वारा दिया जा रहा है... बॉलरूम में सरकार का एक भी पैसा नहीं लगाया जा रहा है।साथ ही, ट्रंप ने खुलासा किया कि इस संरचना के नीचे एक अलग सैन्य सुविधा भी बनाई जा रही है।

पीड़ितों की समस्याओं का उचित समाधान सरकार की प्राथमिकता : सीएम योगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं, सभी के प्रार्थना पत्र लिए और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार हर पीड़ित की उचित समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत है। उन्नाव के बांगरमऊ से आईं ममता तिवारी ने सीएम को प्रार्थना पत्र देते हुए कुछ लोगों पर मंदिर कब्जा करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि कब्जा करने वाले लोग मंदिर में पूजा भी नहीं करने दे रहे हैं। सीएम योगी ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए तत्काल पुलिस अधीक्षक को उचित कार्रवाई के लिए निर्देश दिया। बदायूं से आए एक किसान ने बताया कि कुछ लोगों ने उनकी फसल नष्ट कर दी, लेकिन पुलिस कार्रवाई नहीं हो रही। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी किसान को परेशानी नहीं होनी चाहिए। दोषी व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बलरामपुर से आए एक फरियादी ने बताया कि गांव की सड़क बहुत खराब है। ग्राम प्रधान कई वर्षों से इसका निर्माण नहीं होने दे रहे हैं, जिससे आवागमन में काफी परेशानी होती है। इस पर सीएम ने स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गांव में जाकर ग्रामीणों से बातचीत करें। स्थिति का खुद आकलन करें, और सड़क निर्माण कराएं।

'जनता दर्शन' में पहुंचे फर्रुखाबाद निवासी एक खिलाड़ी ने भी सीएम के समक्ष अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि वह निशानेबाज हैं और विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर पदक भी जीत चुके हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से लाइसेंस दिलाने का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि खिलाड़ी हमारी धरोहर हैं, इनके प्रार्थना पत्र का संज्ञान लें और उचित कार्रवाई कराएं।

'जनता दर्शन' में जमीन व पारिवारिक विवाद से जुड़े मामले भी आए। मुख्यमंत्री ने सभी प्रकरणों से जुड़े प्रार्थना पत्रों का संज्ञान लेते हुए ।

धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध, राज्यसभा में हंगामा, विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब भाजपा सांसद के. लक्ष्मण ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी से मुस्लिम समुदाय को बाहर किए जाने का मुद्दा उठाया।

शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण का लाभ केवल सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को मिलना चाहिए और इसे धर्म के आधार पर नहीं दिया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया। विवाद बढ़ने के बाद विपक्ष ने सरकार के रुख के खिलाफ विरोध स्वरूप सदन से वॉकआउट कर दिया।

'इंडिया' एलायंस सांसदों ने इसे विभाजनकारी मुद्दा बताया। इसे संविधान और सामाजिक न्याय के खिलाफ बताया गया। भाजपा के राज्यसभा सदस्य के. लक्ष्मण ने सदन में कहा कि सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए बनाए गए आरक्षण का कुछ राज्यों में धर्म के आधार पर दुरुपयोग किया जा रहा है, जो संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि आरक्षण का मूल उद्देश्य सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को दूर करना है, लेकिन कुछ राज्य सरकारें इसे धार्मिक पहचान से जोड़कर लागू कर रही हैं। उन्होंने विभिन्न राज्यों का उल्लेख किया और कई राज्यों के उदाहरण भी दिए।

उन्होंने कर्नाटक में मुस्लिम समुदाय को ओबीसी सूची में एक श्रेणी के रूप में शामिल कर लगभग 4 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का उल्लेख किया। भाजपा सांसद ने पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय को ओबीसी श्रेणी में शामिल किया गया है।

संक्षिप्त खबर

लालकिला ब्लास्ट केस : कोर्ट ने तुफैल व जमीर की न्यायिक हिरासत 30 दिन और बढ़ाई

नई दिल्ली। पटियाला हाउस की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए ब्लास्ट के आरोपी तुफैल अहमद भट और जमीर अहमद अहंगर की न्यायिक हिरासत 30 दिनों के लिए बढ़ा दी है। दोनों आरोपियों की 15 दिनों की न्यायिक हिरासत सोमवार को खत्म हो रही थी। दोनों को नवंबर 2025 में गिरफ्तार किया गया था।

अभी तक इस मामले में 11 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आरोपियों की पहचान जम्मू-कश्मीर के गांदरबल निवासी जमीर अहमद अहंगर और श्रीनगर निवासी तुफैल अहमद भट के रूप में हुई थी। 10 नवंबर 2025 को राष्ट्रीय राजधानी को दहला देने वाले इस भीषण विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

इस हमले का मुख्य आरोपी उमर उन नबी भी विस्फोट में मारा गया था। एनआईए मामले की गहन जांच कर रही है, जिसका उद्देश्य इस कायराना आतंकी हमले के पीछे की पूरी साजिश का पर्दाफाश करना है। जांच एजेंसी के अनुसार, जमीर अहमद और तुफैल अहमद प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीएच) के सक्रिय ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) थे।

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर पुलिस, हरियाणा पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर की गई जांच में पाया कि दोनों आरोपी न केवल दिल्ली ब्लास्ट की साजिश में शामिल थे बल्कि अन्य कई आतंकी षड्यंत्रों का भी हिस्सा रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि वे भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए जाने के उद्देश्य से हथियार और गोला-बारूद जुटाने में सक्रिय रूप से संलिप्त थे।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अनुसार, दिल्ली विस्फोट की साजिश का मास्टरमाइंड उमर था, जिसने अन्य आरोपियों मुजम्मिल गनई, शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान, आदिल अहमद राथर और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इस हमले की योजना बनाई थी। इन आरोपियों को पहले ही जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया जा चुका है। एनआईए की जांच अभी जारी है।

हिंदी कविता आगे बढ़ रही है लेकिन, हिंदी आलोचना ठहर गई: देवेंद्र आर्य

बनारस । संवेदना संस्कृति और सृजन के प्रति समर्पित एक साहित्यिक संस्था के गठन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए ख्यातिलब्ध कवि आलोचक देवेंद्र आर्य ने कहा कि हिंदी कविता को विकसित करने में मुक्त छंद की कविताओं के साथ-साथ ग़ज़ल गीत और दोहों की भी बराबर की भागीदारी है। पिछले 7-8 दशकों में लयधर्मी विधाओं में समृद्ध लेखन के बावजूद अगर आलोचना में उसे अनदेखा किया है तो इसके पीछे के कारणों की पड़ताल भी होनी चाहिए और उसे दुरुस्त करने की कोशिश भी होनी चाहिए। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष प्रसिद्ध सिनेकर्मी और वरिष्ठ पत्रकार गौतम चटर्जी ने कविता के लिए प्रतिभा और अभ्यास की पारंपरिक परिभाषा की नए तरीके से व्याख्या की और कहा कि कवि को निरंतर अपने समय का निरीक्षण भी करना चाहिए और संवाद भी। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष विनय मिश्र ने संस्था के गठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बनारस की प्रगतिशील परंपरा में दिखने वाले ठहराव को तोड़ने की जरूरत है और इसके लिए सभी सामान धर्मी साथियों को एकजुट होने की जरूरत है। इस अवसर पर राजा अवस्थी द्वारा संपादित पुस्तक समकालीन हिंदी गजल पाँच दशक पाँच कदम का लोकार्पण किया गया । संस्था के लोगो के रचयिता प्रसिद्ध चित्रकार मनीष खत्री का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था की कार्यकारिणी भी गठित की गई। संरक्षक के रूप में वाचस्पति और नरेंद्र नाथ मिश्र, डॉ गौतम चैटर्जी, अध्यक्ष, सुरेंद्र वाजपेयी, उपाध्यक्ष, डॉ मंजरी पांडेय, सचिव, सहसचिव प्रताप शंकर दुबे और कार्यकारिणी के सदस्यों के रूप में भास्कर त्रिपाठी और दीप शिखा का चुनाव किया गया। इस अवसर पर देवेंद्र आर्य, विनय मिश्र, शैलेंद्र सिंह, मंजरी पांडेय, मंजुला श्रीवास्तव, छाया शुक्ला, मधुलिका राय, उषा पांडेय और अंकिता खत्री 'नादान' ने काव्य पाठ किया। इस गोष्ठी का सफल संचालन अंकिता खत्री 'नादान' और धन्यवाद ज्ञापन डॉ मंजरी पांडेय ने किया।

गुजरात : शॉर्ट सर्किट से 25 स्क्रैप गोदाम में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

वलसाड। गुजरात के वापी में रविवार देर रात भीषण आग की घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के करीब 20 से 25 स्क्रैप गोदाम इसकी चपेट में आकर पूरी तरह जलकर खाक हो गए।

जानकारी के अनुसार वलसाड जिला की इस औद्योगिक नगरी के डुंगरी फलिया क्षेत्र में स्थित मदीना मस्जिद के पास अचानक आग भड़क उठी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। घटना देर रात की बताई जा रही है, जब अधिकांश लोग अपने घरों में थे। अचानक उठती ऊंची-ऊंची लपटों और धुएं के गुबार ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि लगभग आधा किलोमीटर दूर तक इसकी तपिश महसूस की जा रही थी, जबकि करीब 5 किलोमीटर दूर से भी आग की लपटें साफ दिखाई दे रही थीं। आग लगने की सूचना मिलते ही वापी फायर ब्रिगेड की कई टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। हालांकि, आग की भयावहता के कारण उसे बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। मौके पर पानी के टैंकर और अन्य संसाधनों का भी सहारा लिया जा रहा है।

घटना स्थल पर डुंगरा पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक (पीआई) और उनकी टीम भी तैनात रही। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आसपास के इलाकों को खाली करा लिया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। स्थानीय लोगों में भय और अफरा-तफरी का माहौल देखा गया, वहीं प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटा रहा।

प्राथमिक अनुमान के मुताबिक इस आग में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है, क्योंकि स्क्रैप गोदामों में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री मौजूद थी। हालांकि, राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आग बुझने के बाद ही सही वजह सामने आ सकेगी। फायर ब्रिगेड के अनुसार शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की बात सामने आ रही है।

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने अधिसूचना जारी की

कोलकाता । भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनावों के लिए अधिसूचना जारी की।

अधिसूचना में कहा गया है कि दोनों ही दिन मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होगा। पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा, जबकि दूसरे चरण में शेष 142 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा।

15 मार्च को चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया था, और मतदान की अधिसूचना सोमवार को जारी की गई।

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होगा, जबकि अन्य तीन राज्यों, असम, केरल और तमिलनाडु में एक ही चरण में मतदान होगा। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी एक ही चरण में मतदान होगा। इस बीच, सोमवार को पश्चिम बंगाल के वित्त विभाग ने दोनों मतदान दिवसों पर अवकाश की घोषणा करते हुए एक अधिसूचना जारी की।

राज्य के वित्त विभाग की अधिसूचना के अनुसार, चूंकि चुनाव दो चरणों में होंगे, पहला चरण 23 अप्रैल को और दूसरा चरण 29 अप्रैल को, इन दिनों के दौरान संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक इकाइयों के कर्मचारियों को अवकाश दिया जाएगा। यह आदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत लागू होगा।

राज्य वित्त विभाग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि कोई भी संगठन या नियोक्ता कर्मचारियों को उनके मतदान के अधिकार का प्रयोग करने से नहीं रोक सकता। यहां तक ??कि जो लोग कहीं और काम कर रहे हैं लेकिन संबंधित क्षेत्र के मतदाता हैं, उन्हें भी मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

यह भी स्पष्ट किया गया है कि निर्देशों का पालन न करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा, मतदान के दिनों को 'ड्राई डे' घोषित किया गया है, जिसका अर्थ है कि मतदान के दिनों में शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी, ताकि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। प्रशासन के अनुसार, इस कदम से मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

आज का पंचांग : त्रयोदशी तिथि पर रवि योग, अमृतकाल व अभिजित मुहूर्त

नई दिल्ली। सनातन धर्म में पंचांग का बेहद महत्व है। इसके पांच अंगों के आधार पर ही दिन की शुरुआत शुभ-अशुभ समय का निर्धारण किया जाता है। 31 मार्च 2026 को मंगलवार का दिन है। इस दिन त्रयोदशी तिथि रहेगी और रवि योग का शुभ संयोग बन रहा है।

दृक पंचांग के अनुसार इस दिन कई महत्वपूर्ण योग और मुहूर्त बन रहे हैं, जिनका सही समय जानकर आप शुभ कामों की योजना बना सकते हैं।

मंगलवार को सूर्योदय सुबह 6 बजकर 13 मिनट पर होगा और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 38 मिनट पर होगा। तिथि शुक्ल त्रयोदशी सुबह 6 बजकर 55 मिनट तक, इसके बाद शुक्ल चतुर्दशी रहेगी। उदयातिथि के अनुसार पूरे दिन त्रयोदशी तिथि रहेगी। नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी दोपहर 3 बजकर 20 मिनट तक, इसके बाद उत्तराफाल्गुनी रहेगी। योग गण्ड शाम 3 बजकर 41 मिनट तक रहेगा। करण तैतिल सुबह 6 बजकर 55 मिनट तक रहेगा।

31 मार्च को रवि योग और अमृत काल के कारण शुभ कार्यों के लिए अच्छा समय रहेगा। अभिजित मुहूर्त में कोई भी महत्वपूर्ण काम शुरू किया जा सकता है। वहीं राहुकाल में नया काम शुरू करने या यात्रा से बचना चाहिए।

मंगलवार को शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 40 मिनट से 5 बजकर 26 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 1 मिनट से 12 बजकर 50 मिनट तक और विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 19 मिनट तक रहेगा। गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 37 मिनट से 7 बजे तक रहेगा। अमृत काल सुबह 8 बजकर 48 मिनट से 10 बजकर 26 मिनट तक और रवि योग सुबह 6 बजकर 13 मिनट से दोपहर 3 बजकर 20 मिनट तक फिर शाम 8 बजकर 16 मिनट से अगले दिन 6 बजकर 11 मिनट तक रहेगा।

छोटे सिलेंडर से हमला कर पति ने पत्नी को मौत के घाट उतारा, शव के बगल में बैठा रहा

नई दिल्ली। दिल्ली के पुल प्रहलादपुर इलाके में रविवार देर रात पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी पति ने रविवार रात कथित तौर पर घरेलू विवाद के दौरान अपनी पत्नी के सिर पर छोटे गैस सिलेंडर से कई बार वार करके उसकी हत्या कर दी। इसके बाद बच्ची को गोद में लिए शव के पास बैठा रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पति को हिरासत में ले लिया।

आरोपी के एक पड़ोसी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'सुरेश ने अपनी पत्नी पूनम की हत्या कर दी, जिसकी 18 महीने की एक बच्ची है। दोनों एक महीने से डीडीए आवास में रह रहे थे। पति ने कथित तौर पर चरित्र पर शक के चलते पत्नी की हत्या की है। पति ने सिलेंडर से पत्नी के सिर पर पहले वार किया फिर हाथ तोड़ दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बच्ची हमारे पास है, जिसे परिचितों को सौंप दिया जाएगा। आरोपी को पुलिस अपने साथ ले गई।

एक दूसरे पड़ोसी ने बताया, 'रविवार रात में बचा लो, बचा लो की आवाज आई थी। अपने रूम से नीचे उतरकर आया तो पता चला कि प्रथम तल पर झगड़ा हुआ है। जिस रूम से आवाज आई थी वहां गए तो अंदर से दरवाजा बंद था। इसके बाद मकान मालिक को बुलाया, जिन्होंने दरवाजा खोला। अंदर जाकर देखा तो महिला मृत पड़ी थी और बगल में सिलेंडर पड़ा था। शव के बगल में पति बच्ची को लिए खड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गौरतलब है कि 17 मार्च की देर रात रानीबाग इलाके में शादी समारोह में कुछ युवकों के बीच खाने को लेकर कहासुनी शुरू हो गई।

देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि हाथापाई होने लगी। इसी दौरान पास के ही नाहरपुर गांव का रहने वाला 17 वर्षीय निखिल यादव बीचबचाव करने पहुंचा।

1 अप्रैल को लॉन्च होगा आर्टेमिस II मिशन, नासा ने पूरी की अंतिम तैयारियां

नई दिल्ली। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) ने अपने 'आर्टेमिस II' मिशन के लॉन्च के लिए सभी अंतिम तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह मिशन 1 अप्रैल को कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने के लिए तैयार है।

नासा के अनुसार, यह मिशन आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत पहला ऐसा मिशन होगा जिसमें इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री लगभग 10 दिन की यात्रा पर चंद्रमा के चारों ओर जाएंगे।

आर्टेमिस II मिशन खास इसलिए भी है क्योंकि अपोलो कार्यक्रम के बाद पहली बार इंसान लो-अर्थ ऑर्बिट से बाहर यानी पृथ्वी की निचली कक्षा से परे यात्रा करेंगे।

इस मिशन में नासा के अंतरिक्ष यात्री रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच शामिल हैं। इनके साथ कनाडा की स्पेस एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन भी इस मिशन का हिस्सा होंगे।

इस मिशन को नासा के स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा और इसमें ओरियन स्पेसक्राफ्ट के लाइफ-सपोर्ट सिस्टम को पहली बार इंसानों के साथ टेस्ट किया जाएगा।

नासा ने बताया कि लॉन्च के दिन मौसम अनुकूल रहने की संभावना है और लगभग 80 प्रतिशत तक परिस्थितियां सही रह सकती हैं, हालांकि बादल और तेज हवाएं कुछ चुनौती पैदा कर सकती हैं।

लॉन्च के बाद यह स्पेसक्राफ्ट पहले पृथ्वी की उच्च कक्षा में यात्रा करेगा और फिर 'फ्री-रिटर्न ट्रैजेक्टरी' के जरिए चंद्रमा के दूर वाले हिस्से का चक्कर लगाकर वापस पृथ्वी पर लौट आएगा। इस प्रक्रिया में वापसी के लिए अतिरिक्त ईंधन की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी से सबसे ज्यादा दूरी तय करने का नया रिकॉर्ड भी बना सकते हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड अपोलो 13 मिशन के नाम था।

आर्टेमिस II मिशन में कई अहम सिस्टम का परीक्षण किया जाएगा, जिसमें इमरजेंसी प्रक्रियाएं, रेडिएशन से सुरक्षा और लेजर आधारित एडवांस कम्युनिकेशन तकनीक शामिल हैं।

नासा के मुताबिक, यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जिसमें चंद्रमा पर मानव मिशन और आगे चलकर मंगल ग्रह तक जाने की तैयारी शामिल है। स्पेस एजेंसी इस मिशन का लाइव प्रसारण और लगातार अपडेट अपने आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराएगी।ह्य

गर्मी में शरीर को ठंडा रखता है बेल का शर्बत, जानें बनाने का आसान तरीका

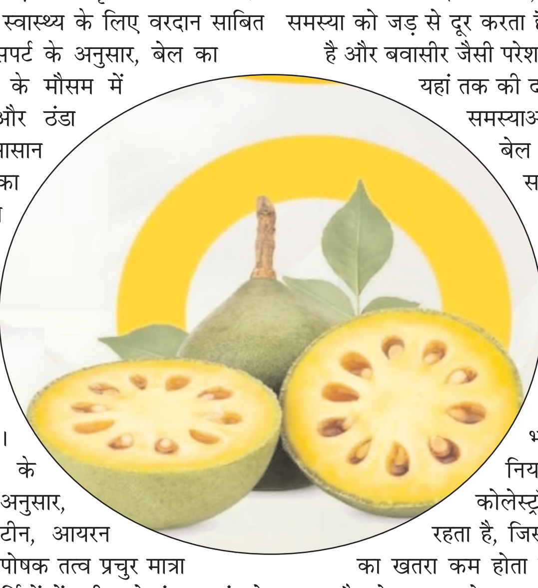

नई दिल्ली। गर्मी का मौसम शुरू होते ही पेट संबंधी समस्याओं के साथ थकान और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में प्राकृतिक और ठंडक देने वाला बेल का शर्बत स्वास्थ्य के लिए वरदान साबित होता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, बेल का नियमित सेवन गर्मी के मौसम में शरीर को स्वस्थ और ठंडा रखने का सबसे आसान और प्राकृतिक तरीका है। बाजार के ठंडे पेय और शक्कर वाले जूस की जगह घर का बना बेल का शर्बत वरदान से कम नहीं। यह सस्ता, पौष्टिक और पूरी तरह प्राकृतिक है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, बेल में फाइबर, प्रोटीन, आयरन और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ कई बीमारियों से बचाव करते हैं। बेल का शर्बत गर्मियों में शरीर को अंदर से ठंडक देने वाला सबसे अच्छा पेय है। यह न सिर्फ प्यास बुझाता है, बल्कि डिहाइड्रेशन से भी बचाता है। गर्मी में बार-बार पसीना आने से शरीर कमजोर पड़ जाता है, लेकिन बेल के शर्बत का नियमित सेवन करने से ऊर्जा बनी रहती है और थकान दूर होती है। बेल के शर्बत के सेवन से तन-मन को एक-दो नहीं, बल्कि कई लाभ मिलते हैं। यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। बेल में मौजूद उच्च मात्रा में फाइबर कब्ज, गैस और अपच की समस्या को जड़ से दूर करता है। यह पेट साफ रखता है और बवासीर जैसी परेशानी में भी राहत देता है। यहां तक की दस्त और डायरिया जैसी समस्याओं में भी असरदार है। बेल का शर्बत दस्त की समस्या को नियंत्रित करने में बहुत प्रभावी है। यह पेट की सूजन कम करता है और पाचन क्रिया को सामान्य रखता है।

कोलेस्ट्रॉल और हृदय स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। इसके नियमित सेवन से कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रहता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। यह रक्त शुद्धि भी करता है। बेल खून को शुद्ध करने में मदद करता है और शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालता है। इससे त्वचा भी स्वस्थ और चमकदार रहती है।

बेल का शर्बत प्रसव के बाद महिलाओं को बहुत लाभ पहुंचाता है। यह दूध बढ़ाने में मदद करता है और शरीर को आवश्यक पोषण देता है। बेल का शर्बत बनाने के लिए ताजा बेल का गूदा निकालकर अच्छे से पीस लें।

भृंगराज: सिर्फ बालों के लिए ही नहीं, पित्त और वात को भी संतुलित करने में सहायक, जानें सेवन के लाभ

नई दिल्ली। आयुर्वेद में कई लाभकारी जड़ी बूटियों का जिक्र किया गया है, जिसमें से एक है भृंगराज। भृंगराज में कई ऐसे गुण पाए पाए जाते हैं जिसका इस्तेमाल शरीर को पुष्ट बनाने और लिवर की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए किया जाता है। हालांकि इसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं।

आयुर्वेद में भृंगराज को केशों के लिए हितकारी, यकृत के लिए सहायक, त्वचा के लिए उपयोगी और रसायन माना गया है। इसी कारण कई ग्रंथों में इसे केशराज कहा गया है।

अगर गले में खराश और सांस लेने में परेशानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो भृंगराज का चूर्ण और शहद का सेवन एक साथ करने से गले में लाभ मिलेगा। इससे खांसी में भी राहत मिलेगी और गले में होने वाले दर्द से भी राहत मिलेगी।

अगर लिवर की कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है, बार-बार गैस बनने की परेशानी हो रही है या लिवर की वजह से शरीर में सूजन हो रही है तो भृंगराज का ताजा रस पीने से राहत मिलेगी। इससे पीलिया में भी राहत मिलती है, लेकिन इसके सेवन से पहले एक बार चिकित्सक से सलाह जरूर लें। भृंगराज के रस से लिवर की कार्यक्षमता बढ़ती है और खाना पचाने में सहायक अम्ल भी अच्छे से बनते हैं। यह पित्त को भी संतुलित करने में मदद करता है।

भृंगराज त्वचा के लिए भी लाभकारी है। वात और पित्त के असंतुलन से भी त्वचा संबंधित परेशानी होती है।

ऐसे में भृंगराज का सेवन या फिर इसका काढ़ा त्वचा सबंधी परेशानियों में राहत देता है। इसके अलावा भृंगराज का लेप भी त्वचा पर लगा सकते हैं, जिससे त्वचा में खुजली और दाग-धब्बों की समस्या से परेशानी मिलती है।

आखिर में भृंगराज को बालों के लिए जाना जाता है और आयुर्वेद में इसे केशराज की उपाधि मिली है। भृंगराज तेल झड़ते बालों को रोकता है, बालों को असमय सफेद होने से रोकता है, सिर की शुष्कता को भी कम करता है और नए बाल उगाने में भी लाभकारी है।

भारत में प्रोडक्ट डिजाइन नहीं करने वाली इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को नहीं मिलेगा सरकारी फायदा: अश्विनी वैष्णव

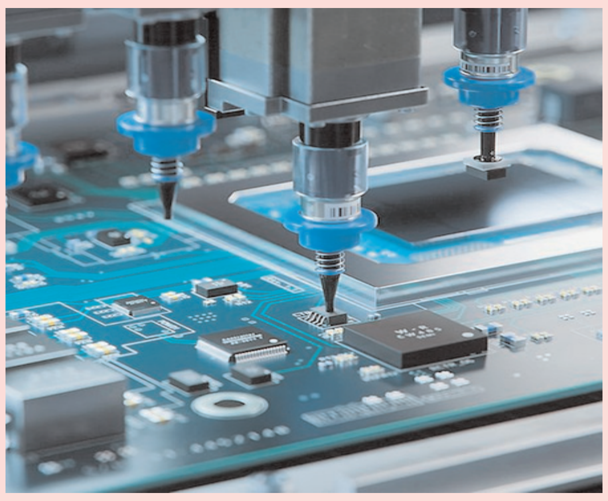

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को साफ कर दिया कि इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) में शामिल कंपनियों को सरकारी सहायता तभी मिलेगी, जब वे भारत में प्रोडक्ट डिजाइन पर गंभीरता से निवेश करेंगी।

राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रोत्साहन और समर्थन अब इस बात से जुड़े होंगे कि कंपनियां देश में डिजाइन, क्वालिटी और इंजीनियरिंग क्षमताओं को कितना विकसित कर रही हैं।

मंत्री ने चेतावनी दी कि अगर कंपनियां सरकार की चार प्रमुख मांगों पर काम नहीं करती हैं, तो वह अगली इंडस्ट्री मीटिंग में शामिल भी नहीं होंगी।

वैष्णव ने कहा कि कंपनियों द्वारा डिजाइन और क्वालिटी क्षमताओं को विकसित करने की गति से वे निराश हैं, और अगर सुधार नहीं हुआ तो सरकार कड़े फैसले लेने को तैयार है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर इंडस्ट्री हमारी अपेक्षाओं के मुताबिक कदम नहीं उठाती है, तो हम आगे की मंजूरी और फंडिंग रोक सकते हैं।

सरकार की अपेक्षाओं को बताते हुए मंत्री ने कहा कि कंपनियों को केवल असेंबली या बेसिक मैन्युफैक्चरिंग तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें कॉन्सेप्चुअल डिजाइन, इंजीनियरिंग डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग डिजाइन तक अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। मंत्री ने यह भी कहा कि जिन प्रोजेक्ट्स को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, उनमें भी अगर शर्तें पूरी नहीं हुईं, तो फंड जारी नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'जिन आवेदनों को मंजूरी दी जा चुकी है, उनमें भी हम पैसा नहीं देंगे अगर हमारी शर्तें पूरी नहीं हुईं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने इस स्कीम के चौथे चरण में 29 आवेदनों को मंजूरी दी है, जिनमें कुल 7,104 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। ईसीएमएस के तहत कुल 59,350 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य था, जबकि अब तक 61,671 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को मंजूरी दी जा चुकी है।

वैष्णव ने कहा कि असली वैल्यू तभी बनती है, जब डिजाइन भारत में किया जाता है। उन्होंने बताया कि मैन्युफैक्चरिंग जरूरी है, लेकिन डिजाइन का महत्व उससे ज्यादा है क्योंकि यह ज्यादा जटिल और रणनीतिक प्रक्रिया है।

वैश्विक गुणवत्ता मानकों की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि ग्लोबल स्तर की क्वालिटी के लिए सिक्स सिग्मा जैसी प्रक्रियाएं जरूरी हैं।

बर्निंग फीट सिंड्रोम : पैरों की जलन के पीछे बड़े कारण, गंभीर बीमारियों का भी 'खतरा'

नई दिल्ली। अक्सर लोग पैरों में होने वाली जलन को छोटी समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। मेडिकल साइंस के अनुसार, अगर यह समस्या बार-बार हो रही हो या फिर लंबे समय तक बनी रहे, तो यह शरीर के अंदर चल रही किसी बड़ी गड़बड़ी का संकेत हो सकती है।

डॉक्टरों के मुताबिक, पैरों में लगातार जलन सिर्फ एक सामान्य लक्षण नहीं, बल्कि नसों, हार्मोन या शरीर के मेटाबॉलिज्म से जुड़ी समस्याओं का इशारा भी हो सकता है। इसी कारण इस संकेत को समय रहते समझना बेहद जरूरी है।

मेडिकल भाषा में पैरों में जलन की इस स्थिति को बर्निंग फीट सिंड्रोम कहा जाता है। यह समस्या तब होती है, जब पैरों की नसों पर किसी कारण से असर पड़ता है। रिसर्च बताती है कि जब नसें सही तरीके से काम नहीं करतीं या उनमें सूजन आ जाती है, तो व्यक्ति को जलन, झनझनाहट या सुई चुभने जैसा एहसास होने लगता है। कई मामलों में यह समस्या रात के समय ज्यादा बढ़ जाती है, जिससे नींद भी प्रभावित होती है।

इस समस्या के पीछे सबसे आम कारणों में से एक डायबिटीज है। जब शरीर में लंबे समय तक शुगर का स्तर ज्यादा रहता है, तो यह छोटी नसों को नुकसान पहुंचाता है। इस स्थिति को पेरिफेरल न्यूरोपैथी कहा जाता है, जिसमें पैरों में जलन, सुन्नपन और झुनझुनी महसूस होती है। इसी तरह, किडनी से जुड़ी बीमारियों में शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, जो नसों को प्रभावित करते हैं और जलन की समस्या पैदा कर सकते हैं।

विटामिन की कमी भी समस्या की एक बड़ी वजह मानी जाती है। खासकर विटामिन बी12 की कमी नसों के स्वास्थ्य को सीधे प्रभावित करती है। जब शरीर में यह विटामिन कम हो जाता है, तो नसों की कार्यक्षमता कमजोर हो जाती है और पैरों में जलन या सुन्नपन महसूस होने लगता है।

ह्य इसके अलावा, हाइपोथायरॉयडिज्म यानी थायरॉयड हार्मोन की कमी भी नसों की गति को धीमा कर देती है, जिससे यह समस्या हो सकती है।

श्वेत प्रदर को नजरअंदाज न करें, बढ़ सकती है गंभीर संक्रमण की संभावना

नई दिल्ली। श्वेत प्रदर (ल्यूकोरिया) महिलाओं में होने वाली एक समस्या है, लेकिन इसे हल्के में लेना खतरनाक साबित हो सकता है। अक्सर महिलाएं इसे सामान्य या हार्मोनल बदलाव मानकर नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन अगर समय पर ध्यान न दिया जाए, तो यह गंभीर संक्रमण का कारण बन सकता है।

ल्यूकोरिया दो तरह की होती है फिजियोलॉजिकल और पाथोलॉजिकल। ओव्यूलेशन (पीरियड के बीच का समय), पीरियड आने से पहले, गर्भावस्था के दौरान किशोरावस्था में हार्मोनल बदलाव के कारण फिजियोलॉजिकल ल्यूकोरिया होता है। इस स्थिति में शरीर से निकलने वाले पानी का रंग सफेद या पारदर्शी होता है। कोई खुजली, जलन या दर्द नहीं होती और न गंध आती है, लेकिन अगर स्राव में रंग, गंध या मात्रा असामान्य हो, तो यह किसी संक्रमण या अन्य समस्या का संकेत हो सकता है। इसमें कैंडिडा, ट्राइकोमोनास या बैक्टीरियल संक्रमण, क्रॉनिक सर्विसाइटिस या कभी-कभी सिनाइल वेजिनाइटिस और पीआईडी (पेल्विक इंफ्लेमेटरी डिजीज) संक्रमण जैसी स्थितियां शामिल हो सकती हैं।

श्वेतप्रदर के कारणों का पता लगाने के लिए डॉक्टर से मिलकर पूरी जांच कराना जरूरी है। इसमें विस्तृत मेडिकल हिस्ट्री लेना, पेल्विक और योनि जांच करना और जरूरत पड़ने पर वजाइनल स्मीयर से संक्रमण का परीक्षण करना शामिल है। यदि गंभीर कारणों को पहले ही नजरअंदाज कर दिया जाए, तो यह ऊपर की जननांग संरचनाओं में फैल सकता है और एंडोमेट्राइटिस, साल्पिंगाइटिस और पेरिटोनाइटिस जैसे गंभीर संक्रमण का रूप ले सकता है।

ऐसे में घरेलू और आयुर्वेदिक उपाय भी काफी मददगार हो सकते हैं।

उदाहरण के लिए, आंवला पाउडर या पेस्ट, जिसे शहद और चीनी के साथ लिया जाए, दिन में दो बार 15 दिन तक लेने से योनि स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। इसके अलावा न्याग्रोधा, उद्धुम्बरा, अश्वत्थ और प्लाक्षा के ताजे पत्तों का पेस्ट, जिसे तांडुलोदक यानी चावल धोने के पानी में मिलाकर उपयोग किया जाए, दिन में दो बार 15 दिन तक करने से भी लाभ मिलता है।

इसके साथ ही कुछ जरूरी सावधानियां अपनाना भी जरूरी है। व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखें, खासकर मासिक धर्म के दौरान। कपड़े के बजाय पैड्स का इस्तेमाल करें और समय-समय पर उसे बदलते रहें।

सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया 'लीफ'

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के चार्जिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को 'लीफ' यानी 'लाइट इलेक्ट्रिक-व्हीकल एक्सेलेरेशन फोरम (एलईएएफ)' लॉन्च किया, जो एक इंडस्ट्री-नेतृत्व वाला मंच है।

यह फोरम एक निष्पक्ष प्लेटफॉर्म के रूप में बनाया गया है, जहां लाइट इलेक्ट्रिक वाहन (एलईवी) सेक्टर से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स, जैसे वाहन निर्माता (ओईएम), चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर ऑपरेटर, कंपोनेंट निर्माता और टेक्नोलॉजी प्रदाता, एक साथ काम कर सकें।

यह फोरम सरकार, रेगुलेटरी संस्थाओं और इंडस्ट्री संगठनों के साथ मिलकर ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देगा और देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों को अपनाने में तेजी लाएगा।

मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह पहल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विकास को तेज करेगी और बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी, भरोसेमंद सिस्टम और विस्तृत चार्जिंग नेटवर्क के जरिए ईवी इकोसिस्टम को मजबूत बनाएगी।

उन्होंने कहा कि यह कदम 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के अनुरूप है और इससे सतत (सस्टेनेबल) मोबिलिटी को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद मिलेगी।

कुमारस्वामी ने यह भी कहा कि एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी ईवी इकोसिस्टम बनाने के लिए सरकार और उद्योग के बीच बेहतर सहयोग बेहद जरूरी है।

इस पहल का मकसद चार्जिंग नेटवर्क के बीच बेहतर तालमेल (इंटरऑपरेबिलिटी) बनाना, सिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ाना और यूजर्स को एक समान अनुभव देना है, साथ ही सार्वजनिक चार्जिंग सुविधाओं का विस्तार करना भी है।

इसके तहत 'लाइट इलेक्ट्रिक कंबाइंड चार्जिंग सिस्टम (एलईसीसीएस)' जैसे कदम उठाए जा रहे हैं, जिसे भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने मंजूरी दी है। यह सिस्टम एक यूनिफाइड कनेक्टर के जरिए स्लो और फास्ट दोनों तरह की चार्जिंग को सपोर्ट करेगा।

यह फोरम अब तक ईवी सेक्टर की 20 से ज्यादा कंपनियों को जोड़ चुका है, जिनमें वाहन निर्माता, चार्जिंग ऑपरेटर, सप्लायर्स और सॉफ्टवेयर कंपनियां शामिल हैं। आने वाले समय में इसमें और संगठनों के जुड़ने की उम्मीद है।

इंडस्ट्री विशेषज्ञों का कहना है कि देश में ईवी अपनाने की रफ्तार बढ़ रही है, ऐसे में चार्जिंग नेटवर्क की असमानता और यूजर अनुभव में अंतर जैसी चुनौतियों को दूर करना जरूरी होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी और मजबूत सार्वजनिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर ही देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को तेजी से आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा

'पैरा आर्चर ऑफ द ईयर' चुनी गईं शीतल देवी, इस पल को बताया 'बेहद खास'

नई दिल्ली। शीतल देवी को वर्ल्ड आर्चरी ने 'पैरा आर्चर ऑफ द ईयर' चुना है, जिसके बाद भारतीय तीरंदाज ने दिल से आभार जताया है। वैश्विक शासी निकाय ने पिछले एक साल में इस खेल में उनके बेहतरीन प्रदर्शन और योगदान के लिए शीतल देवी को इस खिताब से सम्मानित किया है।

शीतल देवी का यह पुरस्कार एक ऐतिहासिक सीजन की शानदार परिणति है, जिसमें उन्होंने ग्वांगजू में आयोजित वर्ल्ड आर्चरी पैरा चैंपियनशिप में अपना पहला विश्व खिताब जीता था। वह बिना हाथों के पैरा आर्चरी विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली पहली महिला बनी, उन्होंने कंपाउंड महिला व्यक्तिगत फाइनल में पैरालंपिक चैंपियन ओज्नुर क्यूर गिर्दी को हराया। इसके अलावा, उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में रजत और मिश्रित टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।

शीतल देवी साल 2025 में 'बीबीसी इमर्जिंग एथलीट ऑफ द ईयर' पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय तीरंदाज बनीं। यह सम्मान उन्हें पेरिस 2024 पैरालंपिक गेम्स में राकेश कुमार के साथ मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीतने के बाद मिला। देवी को 2023 में 'वर्ल्ड आर्चरी पैरा वुमन ऑफ द ईयर' और एशियाई पैरालंपिक समिति की सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट के रूप में भी मान्यता मिली है। साल 2024 में उन्हें 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

अपने करियर में एक और माइलस्टोन जोड़ते हुए, शीतल देवी ने दिसंबर में इतिहास रच दिया। उन्हें जेद्दा में होने वाले एशिया कप के लिए भारत की 'एबल-बॉडीड' (शारीरिक रूप से सक्षम) कंपाउंड आर्चरी टीम में चुना गया, जो उनके असाधारण कौशल और बहुमुखी प्रतिभा को और भी अधिक रेखांकित करता है।

शीतल देवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों के साथ नामित होना और अब वर्ल्ड आर्चरी द्वारा सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जाना, यह एहसास बहुत ही खास है।

मेरा दिल आभार, भावनाओं और इस सफर में मिली हर चीज से भरा हुआ है। धन्यवाद।

'फोकोमेलिया (जन्मजात शारीरिक विकार) के साथ जन्मी देवी बिना हाथों के एक अनोखी तकनीक का इस्तेमाल करके प्रतिस्पर्धा करती हैं। यह तरीका अपनी मौलिकता और सटीकता के कारण दुनिया भर का ध्यान खींच चुका है।

उनके पदकों की झोली में कई बड़े टूर्नामेंट्स शामिल हैं, जिनमें एशियन चैंपियनशिप, एशियन पैरा गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप और पैरालंपिक गेम्स शामिल हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके बढ़ते कद को उजागर करते हैं।

आईपीएल 2026: वैभव सूर्यवंशी ने 15 गेंदों पर ठोका अर्धशतक, आरआर ने सीएसके को 8 विकेट से हराया

गुवाहाटी । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का तीसरे मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक शतकीय पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को 8 विकेट से हरा दिया। वैभव ने महज 15 गेंदों पर अर्धशतक लगाया।

बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) 128 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी थी। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने पहले विकेट के लिए 6.2 ओवर में 75 रन जोड़कर जीत की मजबूत नींव रखी। इस साझेदारी में वैभव ज्यादा मुखर रहे। वैभव ने 17 गेंदों पर 4 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 52 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज की गेंद पर सरफराज खान ने एक बेहतरीन कैच लेकर वैभव की पारी का अंत किया।

यशस्वी जायसवाल ने दूसरे विकेट के लिए ध्रुव जुरेल के साथ 24 रन की साझेदारी की। जुरेल 9 गेंदों पर 18 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल और कप्तान रियान पराग ने नाबाद 29 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। आरआर ने 12.1 ओवर में 2 विकेट पर 128 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता।

जायसवाल ने पारी में एंकर की भूमिका निभाई। वह 36 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौकों की मदद से 38 रन बनाकर नाबाद रहे। पराग 11 गेंदों पर 1 छक्का और 1 चौके की मदद से 14 रन बनाकर नाबाद रहे।

सीएसके की तरफ से दोनों विकेट अंशुल कंबोज ने लिए।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने साधारण प्रदर्शन किया था। पूरी टीम 19.4 ओवर में 127 रन पर सिमट गई थी। सीएसके के लिए 100 पार करना भी मुश्किल हो जाता अगर आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जेमी ओवरटन ने 36 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 43 रन की पारी नहीं खेली होती। ओवरटन ने आखिरी विकेट के लिए कंबोज के साथ 33 रन की साझेदारी की। इसके अलावा, सरफराज खान ने 17 और कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स के लिए जोफ्रा आर्चर ने 4 ओवर में 19 रन देकर 2, नांद्रे बर्गर ने 4 ओवर में 26 रन देकर 2, और रवींद्र जडेजा ने 3 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। ब्रिजेश शर्मा, संदीप शर्मा और रवि बिश्नोई को 1-1 विकेट मिला।

'हम हर बार करीब आकर हार जाते थे', पहले मैच में मिली जीत के बाद बोले महेला जयवर्धने

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस आखिरकार 13 साल बाद आईपीएल सीजन का शुरुआती मुकाबला जीतने में सफल रही। रविवार को वानखेड़े के मैदान पर मुंबई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराया। साल 2013 से चले आ रहे इस हार के सिलसिले को तोड़ने के बाद टीम के हेड कोच महेला जयवर्धने काफी खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि पिछले 13 सीजन में हम हर बार जीत के करीब पहुंचकर हार जा रहे थे।

जयवर्धने ने टूर्नामेंट के पहले मैच में मिली जीत को आंकड़ों के साथ-साथ मानसिक तौर पर भी एक बड़ी कामयाबी बताया। उल्लेखनीय है कि आईपीएल में मुंबई ने साल 2012 के बाद सीजन के पहले मुकाबले में जीत दर्ज की है। पिछले 13 साल से पांच बार की चैंपियन टीम टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में हारती चली आ रही थी। जयवर्धने ने 'जियोस्टार' से बात करते हुए कहा, '2012 के बाद नए आईपीएल सीजन का पहला मैच न जीत पाना एक ऐसी बात थी जिसके बारे में हम हमेशा ड्रेसिंग रूम में बात करते थे। हम पिछले 13 सीजन में हर शुरुआती मैच में जीत के करीब पहुंचते थे, लेकिन हम कभी भी जीत हासिल नहीं कर पाए थे। मुझे लगता है कि केकेआर के खिलाफ मिली यह जीत काफी शानदार है। केकेआर ने जब पहले बल्लेबाजी करते हुए 220 रन बनाए, तो मैं थोड़ा नर्वस हो गया था, लेकिन विकेट बैटिंग के लिए काफी अच्छा था और रोहित-रिकेल्टन की तूफानी बल्लेबाजी के चलते हम इस मैच को आसानी से जीतने में सफल रहे। मैं इस जीत और आईपीएल सीजन में पहला मैच हारने के सिलसिले के टूटने से बेहद खुश हूं।

जयवर्धने ने रोहित शर्मा की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'रोहित कैंप के पहले दिन से ही हमारे साथ जुड़ गए थे। उनका पूरा ध्यान तैयारियों पर था और वह काफी तरोताजा थे। उन्होंने कुछ अच्छे मैच और प्रैक्टिस गेम भी खेले थे।

टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब

मियामी । अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब अपने नाम किया। टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से हराया। इस जीत के साथ टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा 'सनशाइन डबल' पूरा करने वालीं साल 2019 के बाद पहली जोड़ी बन गई हैं।

साल 2019 में यह खास उपलब्धि एलिस मर्टेंस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी बनी है। इससे पहले यह मुकाम जाना नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006, 2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेंस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी हासिल कर चुकी हैं। नथासा जेवरवा (1997), हिंगिस (1999), और बेथानी माटेक-सैंड्स (2016) ने अलग-अलग पार्टनर के साथ एक ही साल में दोनों टूर्नामेंट जीते हैं।

टाउनसेंड और सिनियाकोवा ने एक साथ यह अपना पांचवां खिताब जीता है, जिसमें दो ग्रैंड स्लैम (2024 विंबलडन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन) शामिल हैं। इस जीत के बाद टाउनसेंड और सिनियाकोवा डबल्स रेस में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच जाएंगी, जबकि एरानी और पाओलिनी नंबर 8 से नंबर 6 पर पहुंच सकती हैं।

ट्रॉफी वितरण के दौरान सिनियाकोवा ने टाउनसेंड का साथ खेलने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ खेलने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इसलिए मेरे साथ खेलने और इस टूर्नामेंट को मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद। मैं आपके साथ इस समय का सच में मजा ले रही हूं।' यह दोनों खिलाड़ियों का दूसरा मियामी फाइनल था। टाउनसेंड 2023 के फाइनल में लेयला फर्नांडीज के साथ पहुंची थीं और सिनियाकोवा 2018 के फाइनल में साथी चेकियाई बारबोरा क्रेजसिकोवा के साथ खेली थीं। वहीं, एरानी और पाओलिनी ने भी इंडियन वेल्स में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था और मियामी ओपन में रनर-अप बने, जिससे उनकी रैंकिंग में सुधार होने की उम्मीद है।

जैनिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब, फाइनल में जिरी लेहेका को हराया

मियामी । इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा किया। जैनिक सिनर फाइनल में जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर 2017 में रोजर फेडरर के बाद एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, सिनर दोनों इवेंट्स में एक भी सेट गंवाए बिना यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। 24 साल के सिनर ने अपने करियर में पहली बार इंडियन वेल्स जीता और 'सनशाइन डबल' जीतने वाले आठवें पुरुष खिलाड़ी बने। नोवाक जोकोविच और फेडरर ने कई मौकों पर यह उपलब्धि हासिल की है। जिम कूरियर (1991), माइकल चांग (1992), पीट सम्प्रास (1994), मार्सेलो रियोस (1998), आंद्रे अगासी (2001), रोजर फेडरर (2005-06) और नोवाक जोकोविच (2011, 2014-16) वो खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने सिनर से पहले सनशाइन डबल पूरा किया है। इस खास उपलब्धि को हासिल करने के बाद सिनर ने कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी (जीतने) नहीं सोचा होगा, क्योंकि इसे हासिल करना मुश्किल है। मैं अपनी इस उपलब्धि से बेहद खुश हूं।' सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 34 सेट जीतकर अपना शानदार रिकॉर्ड भी बढ़ाया, जो पिछले साल के पेरिस मास्टर्स की शुरुआत से जारी है। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के मुताबिक, इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 19-2 हो गया है। शनिवार को महिला मियामी ओपन का खिताब आर्यना सबालेंका ने जीता। उन्होंने भी सिनर की तरह अपना 'सनशाइन डबल' पूरा किया। यह महज चौथी बार है जब एटीपी खिलाड़ी और डब्ल्यूटीए खिलाड़ी ने एक ही साल में सनशाइन डबल पूरा किया है।

बेथ मूनी की दमदार पारी, ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में 90 रनों से हराया

सेंट किट्स। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने वार्नर पार्क में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 90 रनों से हराया। ऑस्ट्रेलिया से मिले 270 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की पूरी टीम 179 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

ऑस्ट्रेलिया से मिले 270 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम की शुरुआत अच्छी रही। कियाना जोसेफ और कप्तान हेली मैथ्यूज ने मिलकर पहले विकेट के लिए 11.4 ओवर में 57 रन जोड़े। जोसेफ 27 रन बनाकर एश्ले गार्डनर का शिकार बनीं। स्टेफनी टेलर ने शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन वह 18 रन बनाने के बाद जॉर्जिया वेयरहम की गेंद पर क्लीन बोल्ड होकर पवेलियन लौटीं। डिएंड्रा डॉटिन अपना खाता तक नहीं खोल सकीं और वेयरहम की गेंद पर लिचफील्ड को कैच देकर आउट हुईं।

कप्तान हेली मैथ्यूज 73 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुईं। चिनेल हेनरी भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 19 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद वेस्टइंडीज ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और पूरी टीम 179 रन बनाकर ढेर हो गई। गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एश्ले गार्डनर ने 10 ओवर में 34 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, जॉर्जिया वेयरहम ने भी सिर्फ 29 रन देकर 3 विकेट निकाले। ताहिला मैक्ग्रा ने 2 और अलाना किंग ने एक विकेट चटकाया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 7 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 269 रन लगाए। बेथ मूनी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 104 गेंदों का सामना करते हुए 65 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, फोएबे लिचफील्ड ने 46 रनों का योगदान दिया। गेंद से 3 विकेट लेने वालीं वेयरहम ने अंतिम ओवरों में 37 गेंदों पर 39 रनों की अहम पारी भी खेली, जबकि निकोला केरी ने 25 गेंदों में नाबाद 30 और अलाना किंग 26 रन बनाकर नाबाद रहीं। वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान हेली मैथ्यूज ने 40 रन देकर 3 विकेट चटकाए, तो एफी फ्लेचर ने 2 विकेट निकाले। दूसरे वनडे में मिली जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने अब सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताई कैमरून ग्रीन के गेंदबाजी न करने की वजह, कहा-'वह इंजरी से जूझ रहे हैं'

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली हार के बाद कैमरून ग्रीन के गेंदबाजी न करने के सवाल पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान ने इसका जवाब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछने को कहा था। रहाणे के बयान के बाद अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन की फिटनेस और उनकी इंजरी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) का कहना है कि कैमरून ग्रीन पीठ की इंजरी से जूझ रहे हैं और इसकी वजह से वह टूर्नामेंट के शुरुआती 10 से 12 दिनों में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। सीए ने बताया कि इस बात की जानकारी पहले ही केकेआर के टीम मैनेजमेंट को दे दी गई थी। मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में केकेआर को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद कप्तान रहाणे से पूछा गया कि बाकी गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद ग्रीन से गेंदबाजी क्यों नहीं कराई गई? इस पर रहाणे ने कहा, 'आपको यह सवाल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछना चाहिए।

रहाणे द्वारा निशाना साधे जाने के बाद ग्रीन को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी किया। उन्होंने बताया, 'कैमरून ग्रीन की पीठ के निचले हिस्से में चोट है जिसको मैनेज किया जा रहा है। इस वजह से वह कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहेंगे। कैमरून 10 से 12 दिनों में पूरी तरह से फिट होने के बाद गेंदबाजी करते नजर आएंगे। केकेआर टीम को यह बात बता दी गई है और वह इस जानकारी से पूरी तरह से अवगत हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरून ग्रीन को ऑक्शन में 25.20 करोड़ की बड़ी बोली लगाते हुए टीम में शामिल किया था। ग्रीन अगर शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी नहीं करते हैं, तो केकेआर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हर्षित राणा और आकाशदीप पहले ही चोट के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं, मथीशा पथिराना भी पूरी तरह से फिट नहीं हैं।

'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बयान के अनुसार, ग्रीन कम से कम अगले दो से तीन मुकाबलों में अभी गेंदबाजी करते हुए दिखाई नहीं देंगे। मुंबई इंडियंस के खिलाफ स्कोरबोर्ड पर 220 रन लगाने के बावजूद केकेआर को हार का सामना करना पड़ा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415